



K.V.R.S.S.S

**Shivraj College of Arts, Commerce and
D.S.Kadam Science College, Gadhinglaj**

Internal Quality Assurance Cell (IQAC)

Email : naacshivraj@gmail.com

CRITERION 1

CURRICULAR ASPECTS

1.3.1

List of the Courses relevant to Gender, Environment and Sustainability, Human Values and Professional Ethics




PRINCIPAL
Shivraj College of Arts, Commerce &
D.S. Kadam Science College,
GADHINGLAJ (Dist. Kolhapur)

INDEX

| Sr.No. | Programme Name | Course Name and Code | Units |
|---------------------------------------|---------------------------|--|--|
| GENDER EQUITY | | | |
| 1 | M.A.I Marathi | आधुनिक मराठी वाड्मयाचा इतिहास (स्वातंत्र्योत्तर काळ २००० पर्यंत) | विभाग ४ : स्त्रीवादी व इतर साहित्यप्रवाह |
| 2 | M.A.II Marathi | वाड्मयीन संस्कृती | विभाग २ : श्रीलअश्लीलतेसंबंधीचे वाद (भाऊ पाढ्ये व बा. सी. मर्डेकर) अभिव्यक्ती |
| 3 | B.A. I Hindi | विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र I | इकाई I : २ बालिका का परिचय |
| | | | इकाई III : १२ बेजगह |
| | | | इकाई IV : १५ स्त्रीमुक्ती कि मशाल – रजनी तिलक १६ बाजार – जया जादवानी |
| | | विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र II | इकाई III : ९ अकेली (कहानी) – मनू भंडारी |
| 4 | B.A.III Political Science | Modern Political Concepts (DES E – 201) | UNIT I – Feminism |
| 5 | B.A.II English | Partition Literature (DSC C30) | Module III Short Stories : Toba Tek Singh – Saadat Hasan Manto The Final Solution – Manik Bandopadhyay |
| | | Partition Literature (DSC –C30) | Module IV Short Stories : Defend Yourself Against Me – Bapsi Sidhwa; A Leaf in the Storm : Lalithambika Antharjanam |
| 6 | B.A.III English | English Poetry (DSE – E12) | IV – Selections from Romantic Poetry |
| | | English Poetry (DES – E137) | VI – Selections from Victorian Poetry |
| | | English Drama (DSE – E138) | MODULE VII : Nagmandala – Girish Karnad MODULE VIII : Manjula Padmanabhan |
| ENVIRONMENT AND SUSTAINABILITY | | | |
| 7 | B.A.III Marathi | मध्ययुगीन मराठी वाड्मयाचा इतिहास (DES - E13) | विभाग २ : खबळोव्यास - सहाद्रीवर्णन नारायणपंडित - श्री ऋद्धिपूरवर्णन |
| 8 | M.A.II Marathi | वाड्मयीन संस्कृती १०.१ | विभाग २ : समाज, संस्कृती आणि वाड्मय यांच्यातील अनुबंध |
| 9 | B.A.III Political Science | Modern Political Concepts (DSE E-201) | Unit I - Environmentalism |
| 10 | B.Sc. I Botany | Plant Ecology (DSC-13-B) | Unit 1 a : Ecological Factors : Edaphic Factors, Climatic Factors; Ecological Adaptations |
| | | | Unit 2a : Ecosystem : Food Chain and Web; Ecological Pyramids |
| | | | Unit 2b : Biogeochemical Cycles |
| 11 | B.A.III English | English Poetry | VIII. Selections from Modern Indian English Poetry |
| 12 | B.Sc. III Microbiology | Environmental Microbiology | Environmental Microbiology |

| | | | |
|---------------------|-----------------------|---|---|
| 13 | M.Sc. II Chemistry | Energy and Environmental Chemistry | Unit 1 : Energy Conservation Devices Unit 2 : Energy Storage Devices Unit 3 : Waste Treatment Unit 4 : Pollution |
| HUMAN VALUES | | | |
| 14 | B.A. III Marathi | साहित्यविचार (DSE-E1) | विभाग २ : साहित्याचे प्रयोजन |
| | | मराठी भाषा व भाषाविज्ञान (DSE-E2) | विभाग २ : सामाजिक संस्था, परिवर्तनशीलता, रैखिकता इ वैशिष्ट्यांचा विचार |
| | | वाडमय प्रवाहाचे अध्ययन (DSE-E5) | विभाग २ : दृष्टांतपाठातील आशयसूत्रे |
| | | साहित्य विचार (DSE-E126) | विभाग २ : काव्यानंदमीमांसा |
| | | मराठी भाषा व भाषाविज्ञान (DSE-E127) | विभाग ४ : मराठीच्या बोली : अहिराणी, वऱ्हाडी, चंदगडी, मालवणी |
| | | मध्ययुगीन मराठी वाडमयाचा इतिहास (DSE-E128) | विभाग ४ : अ) बरेखर वाडमय ब) शाहिरी वाडमय |
| | | वाडमय प्रकारचे अध्ययन : ललित गद्य (व्यक्तिचित्रे) (DSE-E130) | विभाग २ : १. रामा मैलकुती २. निळू मांग |
| 15 | M.A.1 Marathi | भाषा आविष्काराची रूपे १ | विभाग ४ : भाषा आणि दाखविणे (नाटक / सिनेमा) |
| | | आधुनिक मराठी वाडमयाचा इतिहास (स्वातंत्र्योत्तर काळ २००० पर्यंत) | विभाग ३ : दलित, आदिवासी, ग्रामीण साहित्यप्रवाह |
| | | लोकसाहित्य व लोककला | विभाग ३ : मराठी लोककथा |
| 16 | M.A.II Marathi | समाजभाषाविज्ञान | विभाग ४ : भाषा : समाज गट आणि विविधता |
| | | समीक्षा सिद्धांत आणि उपयोजन | विभाग २ : उपयोजित साहित्यकृती - धूळमाती (कांदबरी) कृष्णात खोत |
| | | समीक्षा सिद्धांत आणि उपयोजन | विभाग २ : उपयोजित साहित्यकृती - अवकाळी पावसादरम्यानची गोष्ट (कांदबरी) आनंद विगकर |
| | | तौलनिक साहित्याभ्यास | विभाग ३ : तौलनिक साहित्याभ्यासाची वैशिष्ट्ये अभिव्यक्ती, सांस्कृतिक-सामाजिक आदानप्रदान |
| | | समाजभाषाविज्ञान | विभाग ४ : समाजभाषाविज्ञान आणि मराठीच्या प्रमुख बोली |
| | | वाडमयीन संस्कृती | सामाजिक प्रबोधनासाठी वाडमयीन संस्कृतीचे योगदान |
| 17 | B.A.I Hindi | विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र I | इकाई I - ३. तेरी खपडी के अंदर |
| | | विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र II | इकाई I - जीवन और शिक्षण (निबंध), विनोंबा भावे सूरदास (निबंध) बाबू श्यामसुंदर दास |
| | | | इकाई IV - १०. संस्कार और भावना (एकांकी) विष्णू प्रभाकर |
| 18 | B.A.II English | Literature and Cinema (DSC-C5) | Module III : William Shakespeare's Comedy of Errors and its Adaptation Angoor (Dir. Gulzar 1982) |
| | | Literature and Cinema (DSC-C29) | Module IV : Chetan Bhagat's Five Point Someone and its Adaption 3 Idiots (dir. Rajkumar Hirani, 2009) |
| | | Partition Literature (DSC-C6) | Module III : KHushwant Singh's - A Trian to Pakistan |
| 19 | B.A.III English | English Poetry (DSE-E12) | Module II - Selection from Elizabethan Poetry |
| | | | Module III - Selections from Metaphysical Poetry |
| | | English Poetry (DSE-E137) | Module VII - Selections from Modern English Poetry |
| | | English Drama (DSE-E13) | Module III - The Importance of Being Earnest - |

| | | | |
|----|-----------------------|--|---|
| | | | Oscor Wilde Module IV - Hamlet - William Shakespeare |
| | | English Novel (DSE-E14) | Module III : The Old Man and Sea - Ernest Hemingway Module IV : The Power and Glory - Graham Greene |
| | | English Novel (DSE-E139) | Module VIII : The Guide - R. K. Narayan |
| 20 | B.A.III | मराठी भाषा व भाषा विज्ञान (DSE-E2) | विभाग २ : स्थलकालातीतता, सांस्कृतिक संक्रमण |
| | | मध्ययुगीन मराठी वाड्मयाचा इतिहास (DES-E13) | विभाग २ : म्हाइभट - लीळाचरित्र केसोबास - सूत्रपाठ, दृष्टातपाठ सातीप्रथ |
| 21 | M.A. Marathi | विशेष साहित्यकृतीचा अभ्यास ४.२ | विभाग ३ : हिंदू : जगण्याची समृद्ध अडगळ - भालचंद्र नेमाडे |
| | | आधुनिक मराठी वाड्मयाचा इतिहास (स्वातंत्र्यपूर्व काळ) ३ | विभाग १ : वाड्मयेतिहासाची संकल्पना |
| | | लोकसाहित्य व लोककला ४.२ | विभाग २ : अ) लोकसाहित्याचे प्रकार ब) लोककला : लोकनृत्य, लोकनाट्य, लोकवाद्य, शिल्पमूर्ती |
| 22 | M.A. II Marathi | समाजभाषाविज्ञान ९ | विभाग २ : भाषा, समाज आणि संस्कृती |
| | | | विभाग १ : अभिजातवाद, सौंदर्यवाद, वास्तववाद, आधुनिकवाद |
| 23 | B.A. III Sociology | Human Rights DSE – E69 | Model I : Human Rights Model II : United Nations Organization and Human Rights Model III : Human Rights in India Model IV : Violation of Human Rights in India |

PROFESSIONAL ETHICS

| | | | |
|----|---------------------|---|--|
| 24 | B.Sc. III Botany | Cytology and Research Techniques in Biology (DSE - E27) | Unit 4 : Research Techniques in Biology 4.3 Intellectual Property Right (IPR) - Concept and Importance 4.4 Patents - Objectives, Procedure and Working |
| 25 | B.A.III English | English Novel (DSE E139) | Module VII : Animal Farm : A Fairy Tale - Georger Orwell |
| 26 | B.B.A. III | Business Ethics | Business Ethics |




PRINCIPAL
 Shivraj College of Arts, Commerce &
 D.S. Kadam Science College,
 GADHINGLAJ (Dist.Kothapur)

SHIVAJI UNIVERSITY,

KOLHAPUR



Accredited by NAAC ‘A’ Grade

**Revised Syllabus for
Bachelor of Arts
B.A. Part-III - MARATHI
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM
(Syllabus will be implemented from June, 2020)**

| | | | | |
|---------------------|--|----|---|--------------|
| विभाग २ Module 2 | <p style="text-align: center;">साहित्याचे प्रयोजन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रयोजन म्हणजे काय ? ● प्रयोजन आणि परिणाम यातील फरक ■ साहित्याची प्रयोजने : <ul style="list-style-type: none"> १) यश किंवा कीर्ती २) व्यवहारज्ञान ३) आनंद ४) उद्बोधन ५) आत्माविष्कार ६) जिज्ञासापूर्ती ७) जीवनानुभूती ८) इच्छापूर्ती अथवा स्वप्नरंजन ९) पलायनवाद (Escapism) | १५ | १ | Human Values |
| घटक ३ Module 3 | <p style="text-align: center;">साहित्यनिर्मितीची कारणे</p> <ul style="list-style-type: none"> ● साहित्यनिर्मितीचे स्वरूप ● साहित्यनिर्मितीची कारणे १) प्रतिभा – स्वरूप व वैशिष्ट्ये (प्रतिभाव्यापार, प्रतिभेचे अलौकिकत्व, अपूर्वनिर्मितिक्षम प्रतिभा, प्रतिभा ही वेडाची बहीण) २) बहुश्रुतता ३) अभ्यास ४) भावनात्मकता ५) संवेदनशीलता ६) उत्प्रेक्षा ७) चमत्कृती ८) स्वास्थ्य (शारीरिक, मानसिक) ९) साहित्यिकाचा जीवनविषयक दृष्टिकोण | १५ | १ | |
| घटक ४ Module 4 | <p style="text-align: center;">अलंकार</p> <ul style="list-style-type: none"> १) अतिशयोक्ती २) स्वभावोक्ती ३) दृष्टान्त ४) उपमा ५) अनुप्राप ६) रूपक (व्याख्या, स्वरूप आणि उदाहरणे अपेक्षित) | १५ | १ | |

* प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुणविभागणी *

Pattern of Question Paper

एकूण गुण – ४० : Total Marks-40

| | | |
|----------|--|--------|
| प्रश्न १ | योग्य पर्याय निवडा | ०५ गुण |
| प्रश्न २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | १५ गुण |
| प्रश्न ३ | अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन) | १० गुण |
| प्रश्न ४ | अलंकार (चार पैकी दोन) | १० गुण |

सूचना :

१. विभाग चार वर वस्तुनिष्ठ प्रश्न असणार नाहीत.
२. अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता सेमिनारसाठी दहा गुण आहेत.

सेमिनार विषय :

- विविध साहित्य प्रवाहातील कोणत्याही एका साहित्यकृतीचे किंवा अनुवादित साहित्यकृतीचे परीक्षण करून सादरीकरण करणे.
- कोणत्याही भाषेतील एका चित्रपट वा नाटकाचे परीक्षण करून सादरीकरण करणे.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-५ : Semester No. 5 : अभ्यासपत्रिका क्र. VIII

Discipline Specific Elective (DSE-E2)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E2)

मराठी भाषा व भाषाविज्ञान

उद्दिष्टे :

१. भाषोत्पत्तीचा अभ्यास करणे.
२. भाषाविज्ञानाचा परिचय करून घेणे.
३. भाषाविज्ञान आणि मराठी भाषा यांचा सहसंबंध जाणून घेणे.
४. स्वनविचार, रूपविचार व वाक्यविचारांचा परिचय करून घेणे.
५. मराठी भाषेविषयी विद्यार्थ्यांची आवड विकसित करणे.

अभ्यासक्रम

| अ. क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|----------------------|--|----------------------------------|--------------------|
| विभाग १ Module I | भाषोत्पत्ती विचार <ul style="list-style-type: none"> ● भाषेची उत्पत्ती – ईश्वरनिर्मित, राजनिर्मित, समाजनिर्मित ● भाषेच्या उत्पत्तीच्या उपपत्ती/सिद्धांत <ul style="list-style-type: none"> १. इंगित (Gesture) २. मुखाभिनय (Oral Gesture) ३. अनुकरण (Bow-Bow) ४. रण (Ding Dong) ५. भावनाभिव्यक्ती (Pooh-Pooh) ६. श्रमपरिहार (Yo-he-Yo) ७. प्रेमगानमूलक (Sing-Song) ८. संपर्क (Contact) ९. क्रीडासक्ती (Play-Way) १०. समव्य उपपत्ती/सिद्धांत | १५ | १ |
| विभाग २ Module II | भाषेचे स्वरूप, व्याख्या आणि वैशिष्ट्ये <ul style="list-style-type: none"> ● भाषा म्हणजे काय ? ● भाषेच्या व्याख्या : <ul style="list-style-type: none"> कृ. पां. कुलकर्णी, ना. गो. कालेलकर, श्री. न. गजेंद्रगडकर ● भाषेचे स्वरूप : <ul style="list-style-type: none"> समाजव्यवहाराचे साधन, ध्वनिमाध्यमता, प्रतीकात्मकता, संकेतबद्धता, भाषा – एक पद्धती, भाषा मानवी आहे. ● सी. एफ. हॉकेटने सांगितलेली भाषेची सात वैशिष्ट्ये <ul style="list-style-type: none"> दुहेरीपण, निर्मितिक्षमता, कार्यकारण संबंधाचा अभाव, यादृच्छिकता, अदलाबदलीची शक्यता, विशिष्टीकरण, स्थलकालातीतता, सांस्कृतिक संक्रमण या शिवाय – सामाजिक संस्था, अर्जित भाषा, परिवर्तनशीलता, रैखिकता इ. वैशिष्ट्यांचा विचार | १५ | १ |

Ethical
Human values

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-५ : Semister No. 5 : अभ्यासपत्रिका क्र. IX

Discipline Specific Elective (DSE-E3)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E3)

मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (प्रारंभ ते इ.स. १५००)

उद्दिष्टे :

१. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा कालिक अभ्यास करणे.
२. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा स्थूल परिचय करून घेणे.
३. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचे स्वरूप, वैशिष्ट्ये अभ्यासणे.
४. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयातील महत्वाचे ग्रंथकार आणि ग्रंथ यांचा स्थूल परिचय करून घेणे.
५. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाच्या गद्य, पद्य रचनेचे विशेष अभ्यासणे.

अभ्यासक्रम

| अ. क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|----------------------|---|----------------------------------|--------------------|
| विभाग १ Module I | <p>■ मराठी वाङ्मयाचा प्रारंभकाळ ते इ.स. १२०० पर्यंत</p> <p>अ) विवेकसिंधूपूर्वकालीन रचना कुवलयमाला, मानसोल्लास, राजमतिप्रबोध, अमरनाथ संवाद, गोरक्षगीता इ.</p> <p>ब) मराठीतील आद्य ग्रंथकार मुकुंदराज यांची रचना विवेकसिंधू, पवनविजय, परमामृत</p> <p>क) मराठीतील आद्य कवयित्री महदंबा यांची रचना धवळे (पूर्वार्ध व उत्तरार्ध), मातृकी रुक्मिणीस्वयंवर</p> | १५ | १ |
| विभाग २ Module II | <p>■ इ. स. १२०० ते १३०० (स्थूल कालखंड)</p> <p>अ) महानुभावीय गद्य वाङ्मय महाइंभट – लीलाचरित्र, श्री. गोविंदप्रभूचरित्र व इतर रचना केसोबास – सूत्रपाठ, दृष्टांतपाठ, स्मृतिस्थळ</p> | Ethical १५ | १ |

| अ. क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit | | | | | | | | | | | | | | |
|---|--|----------------------------------|--------------------|---------------------------|--------------------|------------------------|-----------------|----------------------------|-----------------|---------------------------|------------------|---|--|----------------------------|----------------------|----|---|
| विभाग २ Module II | <p>ब) महानुभावीय पद्य वाडमय</p> <p>सातीग्रंथ (ग्रंथ व ग्रंथकार स्थूल परिचय)</p> <p>नरेंद्र - रुक्मिणी स्वयंवर</p> <p>भास्करभट्ट बोरीकर - शिशुपालवध, उद्धवगीता किंवा एकादशस्कंध</p> <p>दामोदर पंडित - वचाहरण</p> <p>पंडित विश्वनाथ - ज्ञानप्रबोध</p> <p>रवलोव्यास - सद्यादिवर्णन</p> <p>नारायणपंडित - श्री क्रद्धिपूर्वण</p> | Ethical १५ | १ | | | | | | | | | | | | | | |
| विभाग ३ Module III | <p>इ. स. १३०० ते १४०० (स्थूल कालखंड)</p> <p>अ) ज्ञानेश्वरांचे वाडमयीन कार्य</p> <p>ज्ञानेश्वरी, अमृतानुभव, चांगदेवपासष्टी, हरिपाठाचे अभंग व इतर रचना</p> <p>ब) नामदेवांची अभंगरचना</p> <p>क) सावता माळी, गोरोबा कुंभार, मुक्ताबाई, सेना महाराज, नरही सोनार, चोखामेळा, जनाबाई, कान्होपात्रा यांच्या रचना</p> | Human Values १५ | १ | | | | | | | | | | | | | | |
| विभाग ४ Module IV | <p>इ. स. १४०० ते १५०० (स्थूल कालखंड)</p> <p>अ) अन्य संप्रदायातील प्रमुख ग्रंथकार आणि त्यांची ग्रंथरचना</p> <table> <tr> <td>सत्यमालनाथ, चौंभा</td> <td>(नाथ संप्रदाय)</td> </tr> <tr> <td>शांतलिंग आणि मन्मथशिवलिंग</td> <td>(लिंगायत संप्रदाय)</td> </tr> <tr> <td>गुणकीर्ती व जिनदासनामा</td> <td>(जैन मराठी कवी)</td> </tr> <tr> <td>नृसिंह सरस्वती आणि दासोपंत</td> <td>(दत्त संप्रदाय)</td> </tr> <tr> <td>अज्ञानसिद्ध व बहिराजातवेद</td> <td>(नागेश संप्रदाय)</td> </tr> <tr> <td>शेख महंमद आणि हुसेन अंबरखान (मुस्लीम मराठी कवी)</td> <td></td> </tr> <tr> <td>फादर स्टिफन्स, फादर क्रुवा</td> <td>(ख्रिस्ती मराठी कवी)</td> </tr> </table> | सत्यमालनाथ, चौंभा | (नाथ संप्रदाय) | शांतलिंग आणि मन्मथशिवलिंग | (लिंगायत संप्रदाय) | गुणकीर्ती व जिनदासनामा | (जैन मराठी कवी) | नृसिंह सरस्वती आणि दासोपंत | (दत्त संप्रदाय) | अज्ञानसिद्ध व बहिराजातवेद | (नागेश संप्रदाय) | शेख महंमद आणि हुसेन अंबरखान (मुस्लीम मराठी कवी) | | फादर स्टिफन्स, फादर क्रुवा | (ख्रिस्ती मराठी कवी) | १५ | १ |
| सत्यमालनाथ, चौंभा | (नाथ संप्रदाय) | | | | | | | | | | | | | | | | |
| शांतलिंग आणि मन्मथशिवलिंग | (लिंगायत संप्रदाय) | | | | | | | | | | | | | | | | |
| गुणकीर्ती व जिनदासनामा | (जैन मराठी कवी) | | | | | | | | | | | | | | | | |
| नृसिंह सरस्वती आणि दासोपंत | (दत्त संप्रदाय) | | | | | | | | | | | | | | | | |
| अज्ञानसिद्ध व बहिराजातवेद | (नागेश संप्रदाय) | | | | | | | | | | | | | | | | |
| शेख महंमद आणि हुसेन अंबरखान (मुस्लीम मराठी कवी) | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| फादर स्टिफन्स, फादर क्रुवा | (ख्रिस्ती मराठी कवी) | | | | | | | | | | | | | | | | |

* प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुणविभागणी *

Pattern of Question Paper

एकूण गुण – ४० : Total Marks-40

| | | |
|----------|--|--------|
| प्रश्न १ | योग्य पर्याय निवडा | ०५ गुण |
| प्रश्न २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | १५ गुण |
| प्रश्न ३ | अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन) | १० गुण |
| प्रश्न ४ | टिपा लिहा (चार पैकी दोन) | १० गुण |

सूचना :

१. अंतर्गत मूल्यमापनाकरिता सेमिनारसाठी दहा गुण आहेत.

सेमिनार विषय :

- १) मध्ययुगीन मराठी वाडमयातील कोणत्याही एका ग्रंथकाराच्या रचना विशेषावर सादरीकरण.
- २) कोणत्याही एका संत कवीच्या काव्यातील सामाजिकतेवर सादरीकरण.
- ३) कोणत्याही एका संत कवयित्रीच्या कवितेतील आत्मनिष्ठा यावर आधारित सादरीकरण.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग - ३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-५ : Semester No. V : अभ्यासपत्रिका क्र. XI

Discipline Specific Elective (DSE-E5)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E5)

वाङ्मय प्रवाहाचे अध्ययन : मध्ययुगीन

पाठ्यपुस्तक : दृष्टांतपाठ-निवडक दृष्टांत (संपादन)

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर

उद्दिष्टे :

१. मध्ययुगीन महाराष्ट्र व महानुभाव पंथ यांचा परिचय करून घेणे.
२. महानुभाव वाङ्मयाच्या प्रेरणा व स्वरूप समजून घेणे.
३. महानुभावीय ग्रन्थकार केसोबास यांचा परिचय करून घेणे.
४. दृष्टांतपाठातील आशयस्वरूप व अभिव्यक्ती विशेष अभ्यासणे.
५. दृष्टांतपाठातील भाषिक वैभवाचा परिचय करून घेणे.

अभ्यासक्रम

| अ. क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|-----------------------|--|----------------------------------|--------------------|
| विभाग १ Module I | ● मध्ययुगीन महाराष्ट्र आणि महानुभावीय गद्याच्या प्रेरणा व स्वरूप ● महानुभाव गद्य ग्रन्थकार केसोबास यांचा परिचय ● दृष्टांतपाठाचे स्वरूप | १५ | १ |
| विभाग २ Module II | ■ दृष्टांतपाठातील आशयसूत्रे ● सामाजिकता ● सांस्कृतिकता ● प्रादेशिकता ● पंथीय निष्ठा ● तत्त्वज्ञान व मूल्यविचार | १५ Human Values | १ |
| विभाग ३ Module III | ■ दृष्टांतपाठातील अभिव्यक्ती विशेष ● निवेदन/कथनशैली ● व्यक्तिचित्रणे ● घटना, प्रसंगवर्णने ● प्रतिमा व प्रतीके ● रचनाविशेष | १५ | १ |
| विभाग ४ Module IV | ■ दृष्टांतपाठातील भाषावैभव ● शब्दसौष्ठव ● अल्पाक्षरत्व ● सुलभ रचनाविशेष ● म्हणी, वाक्यचार, उखाणे ● अलंकार वैभव ● व्याकरणिक विशेष | १५ | १ |

| | | | |
|-----------------------------------|--|----|---|
| विभाग २ Module 2 | <p>अ) रसविचार</p> <ul style="list-style-type: none"> ● रस म्हणजे काय ? ● स्थायिभाव व रस ● भरताचे रससूत्र <p>ब) काव्यानंदमीमांसा</p> <ul style="list-style-type: none"> ● काव्यानंदमीमांसा म्हणजे काय ? ● कवीचा आनंद १) क्रीडानंद २) निर्मितीचा आनंद ३) आत्माविष्कारानंद ● रसिकाचा आनंद १) ज्ञानानंद २) जिज्ञासापूर्ती ३) पुनःप्रत्ययाचा आनंद ● करुणरसानंद १) केवलानंदवाद २) विरेचन (कॅथारिसिस) | १५ | १ |
| घटक ३ Module 3 | साहित्याची भाषा १) व्यवहारभाषा, शास्त्रभाषा व साहित्यभाषा : साम्यभेद २) साहित्याचे माध्यम भाषा ३) साहित्य भाषेचे सौंदर्य ४) साहित्य भाषेची विविधता | १५ | १ |
| घटक ४ Module IV | छंद व वृत्ते अ) छंद - १) ओवी २) अभंग ३) मुक्तच्छंद ब) वृत्ते - १) भुजंगप्रयात २) वसंततिलका ३) दिंडी (व्याख्या, स्वरूप व उदाहरणे अपेक्षित) | १५ | १ |

* प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप व गुणविभागाणी *

Pattern of Question Paper

एकूण गुण – ४० : Total Marks-40

| | | |
|----------|--|--------|
| प्रश्न १ | योग्य पर्याय निवडा | ०५ गुण |
| प्रश्न २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | १५ गुण |
| प्रश्न ३ | अंतर्गत विकल्पासह लघूत्तरी प्रश्न (तीन पैकी दोन) | १० गुण |
| प्रश्न ४ | छंद व वृत्ते (चार पैकी दोन) | १० गुण |

| | | | |
|-------------------------------------|--|----|---|
| विभाग २ Module II | <p>मराठीचे ध्वनिपरिवर्तन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भाषेची उच्चारप्रक्रिया ● ध्वनिपरिवर्तन म्हणजे काय? ● व्याख्या आणि विशेष निरपवाद, नियमित, अज्ञेय, सार्वत्रिक ध्वनिपरिवर्तन ● कारणे जित – जेते संबंध, भिन्न भाषिक संबंध, आळस, अनुकरणाची अपूर्णता, वार्गेंद्रियातील दोष, श्रवणेंद्रियातील दोष, उच्चारशीघ्रता, अज्ञान, आघात, उच्चारसौकर्य, आहार, भौगोलिकता, वर्गसिद्धान्त, लोकभ्रम, सादृश्यता ● प्रकार अंत्यस्वनलोप, एकस्वनीकरण, आद्यस्वनागम, मध्यस्वनागम, अंत्यस्वनागम, सान्निध परिणाम, समानस्वनलोप, विसदृशीकरण, घोषीकरण, अघोषीकरण, मात्राभेद, सदृशता, अतिशुद्धी, दुष्प्रयोग, स्वनविपर्यय ● ध्वनिपरिवर्तनाचा मराठी भाषेवरील परिणाम | १५ | १ |
| विभाग ३ Module III | <p>मराठीचे अर्थपरिवर्तन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अर्थपरिवर्तन म्हणजे काय ? ● व्याख्या आणि स्वरूप अर्थ म्हणजे निर्देश, प्रतिमा, संकल्पना व विचार ● अर्थपरिवर्तनाची कारणे साम्यतत्त्व, रूपक – लक्षणाजन्य शब्द, बदलते समाजजीवन, अशुभतापरिहार, ग्राम्यतापरिहार, अतिशयोक्ती, शब्दसिद्धी, अतिपरिचयातून सभ्यता, अत्यादरदर्शन, सांस्कृतिक आदान ● अर्थपरिवर्तनाचे प्रकार – अर्थविस्तार, अर्थसंकोच, अर्थप्रशस्ती, अर्थच्युती, अर्थापकर्ष, अर्थान्तर, अर्थभंश, अर्थदेश, अर्थभेद, अर्थसार ● अर्थपरिवर्तनाचा मराठी भाषेवरील परिणाम | १५ | १ |
| विभाग ४ Module IV | <p>प्रमाण मराठी भाषा आणि तिच्या बोली</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रमाण मराठी : संकल्पना, स्वरूप, विशेष ● बोली : संकल्पना, स्वरूप, विशेष ● मराठीच्या बोली : अहिराणी, वळाडी, चंदगडी, मालवणी या निवडक बोलींचे स्वरूप व विशेष | १५ | १ |

Human Values

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-६ : Semester No. 6 : अभ्यासपत्रिका क्र. XIV

Discipline Specific Elective (DSE-E128)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E128)

मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (इ.स.१५०० ते इ.स.१८००)

उद्दिष्टे :

१. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा कालिक अभ्यास करणे.
२. मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा स्थूल परिचय करून घेणे.
३. पंडित कवी व त्यांची रचना यांचा परिचय करून घेणे.
४. बखर वाङ्मय आणि शाहिरी वाङ्मय यांचे स्वरूप, विशेष अभ्यासणे.
५. मध्ययुगीन मराठी गद्य, पद्य रचनेचे विशेष अभ्यासणे.

अभ्यासक्रम

| अ. क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|-----------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module I | इ. स. १५०० ते इ.स. १६०० एकनाथांची साहित्य संपदा चतुरश्लोकी भागवत, एकनाथी भागवत, भावार्थ रामायण, गवलणी, भारुडे इत्यादी रचना | १५ Ethical | १ |
| विभाग २ Module II | इ. स. १६०० ते इ. स. १७०० (स्थूल कालखंड) अ) तुकारामांची अभंगरचना ब) रामदासांची ग्रंथरचना करुणाष्टके, रामायणे, मनाचे श्लोक, दासबोध, स्फुट प्रकरणे | १५ | १ |
| विभाग ३ Module III | इ. स. १६०० ते इ. स. १८०० (स्थूल कालखंड) निवडक पंडित कर्वींच्या काव्याचा अभ्यास १) मुक्तेश्वर २) वामन पंडित ३) रघुनाथ पंडित ४) श्रीधर ५) मोरोपंत | १५ | १ |
| विभाग ४ Module IV | इ. स. १५०० ते इ.स. १८०० (स्थूल कालखंड) अ) बखर वाङ्मय शिवपूर्वकालीन बखरी, शिवकालीन बखरी, पेशवेकालीन बखरी-स्वरूप, विशेष ब) शाहिरी वाङ्मय (लावणी व पोवाडा) १) अनंत फंदी २) परशराम ३) राम जोशी ४) प्रभाकर ५) होनाजी बाळा | १५ Human Values १५ Human Values | १ |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

मराठी अभ्यास मंडळ

Board of Studies in Marathi

पसंतीवर आधारित श्रेयांक पद्धती

Choice Based Credit System

बी.ए. भाग-३ : B.A. Part-III

अभ्यासक्रम : Syllabus

June, 2020 onward

सत्र-६ : Semester No. 6 : अभ्यासपत्रिका क्र. XVI

Discipline Specific Elective (DSE-E-130)

विद्याशाखीय विशेष निवड (DSE-E-130)

वाङ्मय प्रकाराचे अध्ययन : ललित गद्य (व्यक्तिचित्रे)

पाठ्यपुस्तक : मुलखावेगाली माणसं (संपादन)

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन, कोल्हापूर

उद्दिष्टे :

१. ललित गद्य वाङ्मयप्रकाराचे स्वरूप अभ्यासणे.
२. व्यक्तिचित्र संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.
३. प्रवाहनुरूप मराठीतील व्यक्तिचित्रांचे स्वरूप अभ्यासणे.
४. 'मुलखावेगाली माणसं'मधील व्यक्तिविशेषांचे आकलन करून घेणे.
५. 'मुलखावेगाली माणसं'मधील शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजकीय पर्यावरण आणि कौटुंबिक भावविश्व अभ्यासणे.
६. 'मुलखावेगाली माणसं'मधील ग्रामीण व उपेक्षितांच्या जीवनाचे आकलन करून घेणे.
७. 'मुलखावेगाली माणसं'मधील अभिव्यक्ती, निवेदनशैली व भाषाविशेष अभ्यासणे.

अभ्यासक्रम

| अ. क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|-----------------------|--|----------------------------------|--------------------|
| विभाग १ Module I | ललित गद्य : संकल्पना व स्वरूप व्यक्तिचित्रे : संकल्पना, स्वरूप/वैशिष्ट्ये आणि वाटचाल व्यक्तिचित्र लेखनासाठी आवश्यक गुण | १५ | १ |
| विभाग २ Module II | १. रामा मैलकुली – व्यंकटेश माडगळकर २. मृत्यूचे चुंबन घेणारा महाकवी – प्र. के. अत्रे ३. निळू मांग – अण्णाभाऊ साठे ४. मोरणी – विभावरी शिस्तरकर | १५ Human Values | १ |
| विभाग ३ Module III | ५. जमीला जावद – हमीद दलवार्ड ६. यंकटअण्णा – व. वा. बोधे ७. दगडूमामा – उत्तम कांबळे ८. मुंबईचा चित्रकार – अरुण खोपकर | १५ | १ |
| विभाग ४ Module IV | ९. हीरा – इंद्रजित भालेराव १०. बाबा मास्तर – दि. बा. पाटील ११. दादासाहेब वस्ताद – सयाजीराजे मोकाशी १२. डोकेवाला संशोधक : दादाजी रामजी खोब्रागडे – व्ही.एन.शिंदे | १५ | १ |

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र पहिले / SEM.I

अभ्यासपत्रिका क्र. १

भाषिक आविष्काराची रुपे

(Bhashik Aavishkarachi Rupe)

उद्दिष्ट्ये :

१. भाषिक आविष्काराचे स्वरूप समजून घेणे.
२. भाषेची सर्जनशील प्रक्रिया समजून घेणे.
३. भाषा आणि साहित्य यांचा संबंध समजून घेणे.
४. भाषा आणि साहित्यप्रकार यातील अनुबंध समजून घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | भाषिक आविष्कार भाषेची ओळख आविष्काराचे प्रकार : मौखिक-लिखित | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | भाषेची सर्जनशील प्रक्रिया भाषा आणि दृकशाब्द्य कला भाषा आणि सादरीकरणारची कला | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | भाषा आणि साहित्य साहित्याचे माध्यम म्हणून भाषेचे कार्य साहित्यभाषेची वैशिष्ट्ये | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | भाषा आणि कथन (कादंबरी, कथा, महाकाव्य) भाषा आणि भावविणे (काव्य) भाषा आणि दाखविणे (नाटक/सिनेमा) | १५ Human Values | १ |

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाा १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र पहिले / SEM.I

अभ्यासपत्रिका क्र. २.१

विशेष साहित्यकृतींचा अभ्यास

(Vishesh Sahityakrutincha Abhyas)

उद्दिष्ट्ये :

- लेखक अभ्यासपद्धतीचा उपयोग कसा करावा हे समजून घेणे.
- लेखकाचे वाड्मयीन व्यक्तिमत्त्व आणि लेखक व त्याचा समकाल समजून घेणे.
- साहित्यकृतीतून लेखकाच्या समकालाचे प्रतिबिंब कशा प्रकारे प्रकट होते याचा अभ्यास करणे.
- लेखकाच्या इतर साहित्यकृती विचारात घेऊन लेखकाच्या वाड्मयीन जडणघडणीचा विचार करणे.
- एकूण वाड्मयीन परंपरेत लेखकाचे योगदान समजून घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | लीळारित्र – एकांक संपा. शं. गो. तुळपुळे | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | आज्ञापत्र संपा. विलास खोले, लोकवाड्मय गृह, मुंबई | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | हिंदू : जगण्याची समृद्ध अडगळ ^{Ethical} भालचंद्र नेमाडे, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | शोभायात्रा शफाअत खान, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई | १५ | १ |

वरील साहित्यकृती शिकवताना लेखक अभ्यासपद्धतीचा उपयोग करणे आवश्यक आहे.

संदर्भ ग्रंथसूची

- लीळारित्र – एकांक – शं.गो. तुळपुळे

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भााग १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र पहिले / SEM.I

अभ्यासपत्रिका क्र. ३

आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (स्वातंत्र्यपूर्व काळ)

(Aadhunik Marathi Vangmayacha Itihas – Swatantryapurv Kal)

उद्दिष्ट्ये :

- स्वातंत्र्यपूर्व काळातील महाराष्ट्रातील सामाजिक, राजकीय, सांस्कृतिक जीवनाची पाश्वर्भूमी समजून घेणे तसेच त्याचा साहित्यावरील आंतरसंबंध अभ्यासणे.
- या काळातील विविध साहित्यप्रवाहांचा इतिहास अभ्यासताना त्या त्या प्रवाहातील वाङ्मयप्रकारांचे स्वरूप वैशिष्ट्ये अभ्यासणे.
- मुख्य प्रवाहातील साहित्याबरोबरच इतर समांतर साहित्यप्रवाहांची वैशिष्ट्ये समजावून घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|-------------------------|
| विभाग १ Module 1 | वाङ्मयेतिहासाची संकल्पना साहित्याच्या निर्मितीचे सामाजिक, सांस्कृतिक, राजकीय संदर्भ | १५ | १ Ethical |
| विभाग २ Module 2 | भाषांतरीत वाङ्मय | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | पत्रकारिता मुख्य प्रवाह आणि समांतर प्रवाह निबंधमाला, केसरी, मराठा, शतपत्रे, काळ सत्यशोधकी निबंध, डॉ. आंबेडकर | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | कथात्म साहित्य कथा, कादंबन्या, नाटक, कविता | १५ | १ |

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भााग १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र पहिले / SEM.I

अभ्यासपत्रिका क्र. ४.२

लोकसाहित्य व लोककला

(Loksahitya Va Lokkala)

उद्दिष्ट्ये :

1. लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती यातील परस्परसंबंध समजून घेणे.
2. लोकसाहित्याची संकल्पना समजून घेणे.
3. लोकसाहित्याच्या परंपरेची ओळख करून घेणे.
4. लोकसाहित्याचा उगम आणि व्याप्तीबद्दल माहिती घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | लोकसाहित्य संकल्पना आणि स्वरूप <ol style="list-style-type: none">1. लोकसाहित्य व्याख्या- (पाश्चात्य व भारतीय)2. लोकसाहित्य संज्ञा व अर्थ3. लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती4. लोकसाहित्य आणि लोकमानस5. लोकसाहित्यातील आदिबंध व कल्पनाबंध | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | लोकसाहित्य उत्पत्ती आणि व्याप्ती अ) लोकसाहित्याचे प्रकार <ol style="list-style-type: none">1. शाब्द लोकसाहित्य - कथा, गीते, वाक्प्रचार, म्हणी, उखाणे, आख्याने.2. लोककला : लोकनृत्य, लोकनाट्य, लोकवाद्य, शिल्पमूर्ती3. लोकरुढी : लोकभ्रम, लोकसमज, लोकतत्त्व, लोकविधी ब) लोकसाहित्य आणि अन्य ज्ञानशाखा <ol style="list-style-type: none">1. मानववंशशास्त्र, समाजशास्त्र, मानसशास्त्र, भाषाशास्त्र, इतिहास. | १५ | १ |

Ethical

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI

Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र दुसरे / SEM.II

अभ्यासपत्रिका क्र. ७

आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (स्वातंत्र्योत्तर काळ २००० पर्यंत)

(Aadhunik Marathi Vangmayacha Itihas-Swatantryottar Kal 2000 Paryant)

उद्दिष्ट्ये :

१. १९५०-२००० या काळातील महाराष्ट्रातील सामाजिक, राजकीय, सांस्कृतिक जीवनाची पाश्वर्भूमी समजून घेणे तसेच त्याचा साहित्यावरील आंतरसंबंध अभ्यासणे.
२. या काळातील विविध साहित्यप्रवाहांचा इतिहास अभ्यासताना त्या त्या प्रवाहातील वाङ्मयप्रकारांचे स्वरूप वैशिष्ट्ये अभ्यासणे.
३. मुख्य प्रवाहातील साहित्याबरोबरच इतर समांतर साहित्यप्रवाहांची वैशिष्ट्ये समजावून घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | १९५०-२००० सामाजिक, सांस्कृतिक, राजकीय पाश्वर्भूमी स्वातंत्र्योत्तर काळ, सामाजिक राजकीय परिवर्तन, नवविचार प्रवाह, वाङ्मयीन चळवळी | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | नवसाहित्य आणि महानगरीय साहित्य | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | दलित, आदिवासी, ग्रामीण साहित्यप्रवाह | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | ख्रीवादी आणि इतर साहित्यप्रवाह बालसाहित्य, विज्ञानसाहित्य, लोकप्रिय साहित्य, ख्रिश्चन, मुस्लीम, सत्यशोधकीय, ललित मुक्तगद्य, सर्वीक्षा | १५ | १ |

Human
Values

Gender
Issues

वरील साहित्यकृती शिकवताना लेखक अभ्यासपद्धतीचा उपयोग करणे आवश्यक आहे.

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भााग १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI

Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र दुसरे / SEM.II

अभ्यासपत्रिका क्र. ८.२

लोकसाहित्य व लोककला

(Loksahitya Va Lokkala)

उद्दिष्ट्ये :

- मराठी लोककथा, लोककला, लोकनाट्ये यांचा मराठी भाषेच्या संदर्भात परिचय करून घेणे.
- मराठी साहित्यकृतीमधील लोककलांचा आविष्कार आणि प्रयोगरूप यांचा अभ्यास करणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|------------------------------|
| विभाग १ Module 1 | मराठी लोककला – लोकरंगभूमीचे विशेष १. लोकनृत्ये – विधीनाट्य, क्रीडानृत्य २. भक्ताची नृत्ये – गोंधळ, भारूड, दशावतार ३. क्रीडानृत्ये – मंगळागौर, नागपंचमी, लेझीम, गजीनृत्य | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | मराठी लोकनाट्य १. नाट्यात्मक विधी, मुंज, लग्न, काकडआरती, शेजारती २. धार्मिक व उपासना नाट्य – लळीत, जोगवा, कीर्तन, दंडार ३. रंजननाट्य – तमाशा, कळसुत्री बाहुल्या, बहुरूपी | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | मराठी लोककथा १. लोककथांची भारतीय परंपरा २. मौखिककथा, दैवतकथा, प्राणिकथा, दंतकथा ३. लोककथेतील मूलघटक – रचनाबंध व कल्पनाबंध | १५ | १ Human Values |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. ९

समाजभाषाविज्ञान

(Smajbhhashavidnyan)

उद्दिष्ट्ये :

१. समाजभाषाविज्ञानाचे स्वरूप समजजून घेणे.
२. समाजभाषाविज्ञानातील विविध सिद्धांत, संकल्पनांचा परिचय करून घेणे.
३. समाज, संस्कृती आणि भाषा यामधील परस्पर संबंध समजून घेणे.
४. समाजभाषाविज्ञानाची व्याप्ती समजून घेणे.
५. भाषाव्यवहाराची विविधता समजून घेता येईल.
६. भाषासंपर्काचे स्वरूप अभ्यासता येईल.
७. भाषिक नियोजन म्हणजे काय ते समजून घेता येईल.
८. बहुभाषिक देशांतील भाषिक प्रश्नांचा परिचय होईल.
९. भाषिक नियोजनाची उद्दिष्ट्ये जाणून घेता येतील.
१०. भाषाशिक्षणाचे स्वरूप आणि भाषाशिक्षणाच्या विविध बाजूंचा अभ्यास करता येईल.
११. मराठीच्या विविध बोलींचा समाजभाषावैज्ञानिक विचार करता येईल.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|---------------------|
| विभाग १ Module 1 | समाजभाषाविज्ञानाचे स्वरूप आणि व्याप्ती समाजभाषाविज्ञान म्हणजे काय ?, भाषेचा समाजसापेक्ष अभ्यास, समाजभाषाविज्ञान या स्वतंत्र अभ्यासशाखेचा उदय, पायाभूत संकल्पना | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | भाषा, समाज आणि संस्कृती भाषा : सामाजिक संस्था, समाज, भाषा अणि संस्कृतीच्या सहसंबंधाचा विचार | १५ | १ Ethical |

| | | | |
|---------------------|--|----|---------------------|
| विभाग ३ Module 3 | समाजभाषाविज्ञान : परिक्षेत्रे भाषिक भांडार, लघुक्षेत्र, भाषिक प्रभावक्षेत्र, द्वैभाषिकता, बहुभाषिकता, भाषामिश्रण, भाषाबदल, भाषानिषिद्धता, भाषाशुद्धी, लिंगभाषा इत्यादी. | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | भाषा : समाज गट आणि विविधता एका समाजातील लहान मुले, युवक, तरुण, स्त्री, पुरुष, कामगार, विद्यार्थी असे अनेक गट आणि या गटांमधील भाषिक विविधता. | १५ | Human values |

संदर्भग्रंथ

१. भाषा आणि संस्कृती - ना. गो. कालेकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६२.
२. भाषा : इतिहास आणि भूगोल - कालेकर, ना. गो., मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६४.
३. मराठी शब्दसमीक्षा - मु. श्री. कानडे, सन पब्लिकेशन, पुणे, १९८९.
४. निवडक भाषा आणि जीवन- कल्याण काळे आणि मृणालिनी शहा, (संपा.) मेहता पब्लिकेशन, पुणे, १९९८.
५. मराठी भाषेचा आर्थिक संसार - अशोक केळकर, मराठवाडा साहित्यपरिषद, औरंगाबाद, १९७०.
६. मध्यमा : भाषा आणि भाषाव्यवहार - अशोक केळकर, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, १९९६.
७. वैखरी : भाषा आणि भाषाव्यवहार - अशोक केळकर, मॅजेस्टिक प्रकाशन, मुंबई, १९३८.
८. मराठी भाषेचे मूळ - विश्वनाथ खैरे, संमत प्रकाशन, पुणे, १९७९.
९. द्रविड महाराष्ट्र - विश्वनाथ खैरे, साधना प्रकाशन, पुणे, १९७६.
१०. भाषाव्यवहार व भाषाशिक्षण - सुरेन्द्र ग्रामोपाध्ये, (संपा.) कासेगाव एज्युकेशन सोसायटी, कासेगाव, २००६.
११. अभिनव भाषाविज्ञान - गं. ना. जोगळेकर, सुविचार प्रकाशन मंडळ, पुणे, १९८७.
१२. मराठी भाषेचा इतिहास - गं. ना. जोगळेकर, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे, २००५.
१३. सामाजिक भाषाविज्ञान - प्रभाकर जोशी, आणि चारुता गोखले, (संपा.), निराली प्रकाशन, पुणे, १९९९.
१४. सामाजिक भाषाविज्ञान - रमेश धोंगडे, दिलीपराज प्रकाशन, पुणे, २००६.
१५. साहित्याची भाषा - भालचंद्र नेमाडे, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद, १९८९.
१६. सामाजिक भाषाविज्ञान : कक्षा आणि अभ्यास- जयश्री पाटणकर, संदर्भ प्रकाशन, नाशिक, २००५.
१७. ग्रांथिक मराठी भाषा आणि कोकणी बोली - अ. का. प्रियोळकर, पुणे विद्यापीठ, पुणे, १९६६.
१८. भयंकर सुंदर मराठी भाषा - द. दि. पुंडे, मॅजेस्टिक प्रकाशन, मुंबई, २००४.
१९. आधुनिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोजन - मिलिंद मालशे, लोकवाङ्मय गृह, मुंबई, १९९८.
२०. भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक - मालशे-इनामदार-सोमण (संपा.), संजय प्रकाशन, पुणे, १९८२.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. १०.१

वाङ्मयीन संस्कृती

(Vangyamayin Sanskruti)

उद्दिष्ट्ये :

- वाङ्मयीन संस्कृती ही संकल्पना समजून घेणे.
- समाज आणि संस्कृती यातील अनुबंध लक्षात घेणे.
- मौखिक आणि लिखित परंपरेत वाङ्मयीन परंपरेला संघटित करणाऱ्या घटकांचा विचार करणे.
- वाङ्मयीन संस्कृतीचे स्वरूप तपासणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|-------------------------|
| विभाग १ Module 1 | ‘संस्कृती’ संकल्पना स्वरूप संस्कृती व्याख्या संस्कृती संकल्पना, संस्कृतीचे स्वरूप | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | समाज, संस्कृती आणि वाङ्मय यांच्यातील अनुबंध समाज संस्कृती अनुबंध, समाज संस्कृती आणि वाङ्मय यांच्यातील अनुबंध | १५ | Ethical Human Values |
| विभाग ३ Module 3 | वाङ्मयीन संस्कृतीचे घटक (पारंपरिक) मौखिक परंपरा आणि हस्तलिखिते, कथन, पठण आणि श्रवण, सादरीकरण (तमाशा, लळीत, भारूड इ.) प्रेक्षक, श्रोता, निरुपण, कीर्तन, हरदासी परंपरा, वाङ्मयाला धर्म-पंथ आणि राजाश्रय. | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | वाङ्मयीन संस्कृतीचे घटक (आधुनिक) मुद्रणयुग, नियतकालिके, वृत्तपत्रे, पुस्तके, लेखक, प्रकाशक, वाचक, वितरण, समीक्षा, अभिरूची, वाङ्मयीन संस्था, महामंडळे, संमेलने, पुरस्कार, शाळा-महाविद्यालये-विद्यापीठे, इ. माध्यमे | १५ | १ |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. ११

समीक्षा सिद्धांत आणि उपयोजन

(Samiksha Sidhant Ani Upayojan)

उद्दिष्ट्ये :

- १) उपयोजित समीक्षेतील काही समीक्षेचे स्वरूप माहिती करून घेणे.
- २) समाजशास्त्रीय व आदिबंधात्मक समीक्षा या समीक्षाप्रवाहांचा विचार करणे.
- ३) प्रत्यक्ष उपयोजित समीक्षेचे उपयोजन म्हणून निवडक साहित्यकृतींचा विचार करणे.

| विभाग Module | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | उपयोजित समीक्षेचे स्वरूप <ul style="list-style-type: none">■ साहित्यसमीक्षेचे स्वरूप-आधुनिकता आणि समीक्षाप्रवाह■ उपयोजित समीक्षेचे प्रकार-मानसशास्त्रीय, आदिबंधात्मक समाजशास्त्रीय मार्क्सवादी, रूपवादी, संहितालक्षी | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | समाजशास्त्रीय समीक्षा <ul style="list-style-type: none">■ समाजशास्त्रीय समीक्षा-एकोणिसावे शतक, हिप्पोलिन तेनची त्रिसूत्रे■ मराठीतील समाजशास्त्रीय समीक्षा स्वरूप■ उपयोजित साहित्यकृती-धूळमाती (काढंबरी)-कृष्णात खोत | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | आदिबंधात्मक समीक्षा <ul style="list-style-type: none">■ आदिबंधात्मक समीक्षा-मानसशास्त्र आणि आदिबंध-सिगमंड फ्रॉइंड, सी.जे. युंग■ मराठीतील आदिबंधात्मक समीक्षा■ उपयोजित साहित्यकृती-मातीचे पाय (काव्यसंग्रह) रमेश इंगळे | १५ | १ |

Human
Values

| | | | |
|---------------------|---|----|---|
| विभाग ४ Module 4 | मार्क्सवादी समीक्षा <ul style="list-style-type: none"> ■ मार्क्सवादी साहित्यविचार, पाया आणि इमला ■ मराठीतील मार्क्सवादी समीक्षा ■ उपयोजित साहित्यकृती – अवकाळी पावसादरम्यानची गोष्ट (काढंबरी) आनंद विंगकर | १५ | १ |
|---------------------|---|----|---|

**Human
Values**

संदर्भ -

- १) आधुनिक समीक्षा सिद्धांत – मिलिंद मालशे, अशोक जोशी, मौज प्रकाशन, मुंबई आ. २, २०१३.
- २) साहित्यसिद्धांत – अनु. स.ग. मालशे.
- ३) साहित्यशास्त्र स्वरूप आणि समस्या – वसंत पाटणकर, पद्मगंगा प्रकाशन, पुणे, आ. १, २०१५.
- ४) साहित्याचे संदर्भ – हरिशचंद्र थोरात, मौज मुंबई, आ. १, २००५.
- ५) सौंदर्यमीमांसा – रा.भा. पाटणकर, कॉन्टेन्टल पुणे, आ. २, २००६.
- ६) कविता आणि प्रतिमा – सुधीर रसाळ, मौज प्रकाशन, मुंबई.
- ७) वाङ्मयीन वाद : संकल्पना व स्वरूप – संपा. सीताराम रायकर व इतर, मेहता प्रकाशन, आ. १, १९९०.
- ८) नवसमीक्षा : काही प्रवाह – गो.म. कुलकर्णी, मेहता प्रकाशन, पुणे, १९८२.
- ९) समीक्षामीमांसा – गंगाधर गाडगीळ.
- १०) साहित्य आणि समाज – गो.मा. पवार गौरवग्रंथ, संपा. नागनाथ कोतापळे, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, आ. १, २००७.
- ११) साहित्य समाज आणि संस्कृती – दिगंबर पाध्ये, लोकवाङ्मय ग्रह, आ. २.
- १२) साहित्याचा अन्वयार्थ – नागनाथ कोतापळे, मेहता प्रकाशन, आ. १.
- १३) आदिबंधात्मक समीक्षा – म.सु. पाटील, निहारा प्रकाशन.
- १४) साठोत्तरी मराठी कविता – म.सु. पाटील, लोकवाङ्मय गृह प्रकाशन, मुंबई.
- १५) साठोत्तरी मराठी कविता – केशव सद्रे, संपा. लोकवाङ्मय गृह प्रकाशन, मुंबई.
- १६) अवकाळी पावसाच्या निमित्ताने – संपा. सतीश कामत, लोकवाङ्मय गृह प्रकाशन, मुंबई.
- १७) मार्क्सवादी साहित्यविचार – के.रं. शिरवाडकर, कॉन्टेन्टल प्रकाशन, पुणे, १९८०.
- १८) समकालीन मराठी साहित्य : स्वरूप आणि समीक्षा – दत्ता पाटील, नीलेश शेळके (संपा.) अक्षरदालन, कोल्हापूर, २०१८.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM. III

अभ्यासपत्रिका क्र. १२.२

तौलनिक साहित्याभ्यास

(Toulanik Sahityabhyas)

उदिष्ट्ये

- तौलनिक साहित्याभ्यासाची संकल्पना व स्वरूप समजावून घेणे.
- विश्वसाहित्य, राष्ट्रीय साहित्य व सर्वसाधारण साहित्य या संकल्पनांचे परस्परसंबंध अभ्यासणे.
- भारतीय साहित्याबाबतचे विविध दृष्टिकोन अभ्यासणे.
- साहित्याचे वर्गीकरण व साहित्यातील वाद-संप्रदाय यांचा अभ्यास करणे.

| अ.क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|----------------------------------|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | तौलनिक साहित्याभ्यास : संकल्पना व स्वरूप <ul style="list-style-type: none">■ तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या उदयाची पाश्वर्भूमी■ तुलनेची संकल्पना■ मित्शेलचे तुलनेविषयी तीन सिद्धांत■ तेनची त्रिसूत्री | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | तौलनिक साहित्याभ्यासाचे मूलभूत आधार <ul style="list-style-type: none">■ राष्ट्रीय साहित्य, विश्वसाहित्य आणि सर्वसाधारण साहित्य संकल्पना/चर्चा | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | तौलनिक साहित्याभ्यासाची वैशिष्ट्ये <ul style="list-style-type: none">■ तुलना : साहित्याभ्यासाचे साधन■ वाङ्मय परंपरा-वाङ्मयाचा अभ्यास■ अभिव्यक्ती, सांस्कृतिक-सामाजिक आदान प्रदान | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या दिशा/शोधक्षेत्रे <ul style="list-style-type: none">■ द्वैभाषिक साहित्यकृतींचा अभ्यास■ आशयसूत्रांचा अभ्यास■ वाङ्मय प्रकारांचा अभ्यास■ वाङ्मयीन कालखंडाचा अभ्यास■ वाङ्मय प्रवाह आणि चळवळी यांचा अभ्यास | १५ | १ |

Human Values

संदर्भः

१. तौलनिक साहित्याभ्यास - वसंत बापट, मौज प्रकाशनगृह, मुंबई, १९८१.
२. तौलनिक साहित्य : नवे सिद्धांत आणि उपयोजन - आनंद पाटील, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद, १९९८.
३. तौलनिक साहित्याभ्यास : तत्त्वे व दिशा - संपा. चंद्रशेखर जहागिरदार, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे, १९९२.
४. साहित्यसिद्धांत - रेने वेलेक, अनु. स.ग. मालशे.
५. ब्रिटीश बॉम्बे आणि पोर्टुगीज गोव्यातील वाडमय - आनंद पाटील, ग्रंथाली प्रकाशन, मुंबई, १९९९.
६. भारतीय साहित्याची संकल्पना (डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर गौरवग्रंथ) - संपा. द.दि. पुंडे, प्रथम प्रकाशन, पुणे.
७. Comparative Literature - Indian Dimensions, Swapna Mujumdar.
८. Comparative Literature - Theory and Practice, Amina Deo, Sisirkumar Das.
९. वाडमयीन वाद - संपा. सीताराम रायकर, द.दि. पुंडे, मेहता पब्लिकेशन, पुणे, १९९०.
१०. समीक्षेच्या नव्या संकल्पना - मनोहर जाधव. (संपा.), स्वरूप प्रकाशन, औरंगाबाद, २००१.
११. भाषांतरमीमांसा - संपा. कल्याण काळे, अंजली सोमण, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, १९९७.
१२. भाषांतरविद्या - संपा. रमेश वरखेडे.
१३. साहित्यसेतू - श्रीधर रंगनाथ कुलकर्णी.
१४. साहित्यातील संप्रदाय - रा.शं. वाळिंबे, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे, १९५०.
१५. कम्पैरिटिव लिटररी स्टडीज - एस.एस. प्रावर, डकवर्थ (लंडन), १९७३.
१६. तौलनिक साहित्य आणि मध्ययुगीन वाडमय - र.बा. मंचरकर, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, २००३.
१७. तुलनात्मक अनुसंधान : अर्थ, तत्त्व, एवं समस्याएँ - ई. मोहनदास, हिंदी साहित्य भांडार, लखनऊ, (चतुर्थ भाग) १९६८.
१८. वाडमयीन संज्ञा संकल्पना कोश - संपा. प्रभा गणोरकर, वसंत आबाजी डहाके, ग.रा. भटकल फाउंडेशन, मुंबई, २००१.
१९. भारतीय संदर्भात तौलनिक साहित्याभ्यास - गणेश देवी, सौरभ प्रकाशन, कोल्हापूर, १९९२.
२०. तुलनात्मक साहित्य - विश्वनाथ अय्यर, विद्याविहार नई दिल्ली, २००४.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप Pattern of Question paper

Total Marks - 80

| प्रश्न क्रमांक | प्रश्नाचे स्वरूप | गुण |
|----------------|---|-----|
| १ | योग्य पर्याय निवडा | १० |
| २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ३ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ४ | लघुत्तरी प्रश्न (पाच पैकी तीन प्रश्न सोडविणे) | ३० |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. १२.३

बोलीअभ्यास

(Boli Abhyas)

उद्दिष्ट्ये :

- भाषा, बोली आणि समाजाचा परस्परसंबंध अभ्यासणे.
- प्रमाणभाषा आणि बोली स्वरूप, विशेष समजून घेणे.
- बोलीभाषांची निर्मितीप्रक्रिया अभ्यासणे.
- बोलीच्या अभ्यासाचे महत्त्व समजून घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | भाषा, बोली आणि समाज भाषा व बोली यांचे समाजातील स्थान, समाजाशी सहसंबंध, बोलीची समाजविशिष्टता, भाषा व बोलीचे कार्य | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | बोली : स्वरूप, वैशिष्ट्ये प्रमाणभाषा व बोली, बोली म्हणजे काय? बोली आणि प्रमाणभाषेतील फरक, कार्यक्षेत्रे, बोलीभाषांची क्षेत्रविशिष्टता, बोलीभाषेची विविध वैशिष्ट्ये | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | बोलीभाषांची निर्मिती बोलीभाषांची निर्मितीप्रक्रिया, बोलीभाषांमधील परिवर्तनाची प्रक्रिया, सीमा, इतर भाषा-बोलींचा प्रभाव | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | बोली अभ्यासाचे महत्त्व बोलींचे समाजातील बदलते स्थान, बोलींवरील संकटे, बोली अभ्यासाची आवश्यकता | १५ | १ |

संदर्भग्रंथ

१. ध्वनिविचार - ना.गो. कालेलकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९५५.
२. भाषा आणि संस्कृती - ना.गो. कालेलकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६२.
३. भाषा : इतिहास आणि भूगोल - ना.गो. कालेलकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६४.
४. निवडक भाषा आणि जीवन - कल्याण काळे, आणि मृणालिनी शहा, (संपा.) मेहता, पुणे, १९९८.
५. बोलीभाषांचा अभ्यास (लेख) - सु.बा. कुलकर्णी, भाषा व साहित्य संशोधन, खंड पहिला, (संपा. वसंत जोशी), महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे.
६. मराठी भाषा उद्गम आणि विकास - कृ.पा. कुलकर्णी, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, २००९.
७. मराठी भाषेचा आर्थिक संसार - अशोक केळकर, मराठवाडा साहित्य परिषद, औरंगाबाद, १९७७.
८. मध्यमा : भाषा आणि भाषाव्यवहार - अशोक केळकर, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, १९९६.
९. वैखरी : भाषा आणि भाषाव्यवहार - अशोक केळकर, मॅजेस्टिक, मुंबई, १९८३.
१०. रुजुवात - अशोक केळकर, लोकवाङ्मय गृह, मुंबई, २००८.
११. मराठी भाषेचे मूळ - विश्वनाथ खैरे, संमत प्रकाशन, पुणे, १९७९.
१२. सामाजिक भाषाविज्ञान - प्रभाकर आणि गोखले, चारुता (संपा.), प्रभाकर जोशी, निराली, पुणे, १९९९.
१३. भाषा आणि भाषाविज्ञान - रमेश धोंगडे, दिलीपराज प्रकाशन, पुणे, २००६.
१४. सामाजिक भाषाविज्ञान : कक्षा आणि अभ्यास - जयश्री पाटणकर, संसदर्भ, नाशिक, २००५.
१५. ग्रांथिक मराठी भाषा आणि कोकणी बोली - अ.का. प्रियोळकर, पुणे विद्यापीठ, पुणे, १९६६.
१६. भयंकर सुंदर मराठी भाषा - द.दि. पुंडे, मॅजेस्टिक प्रकाशन, मुंबई, २००४.
१७. साहित्यधारा - श्री.म. माटे, ठोकळ प्रकाशन, पुणे, १९६४.
१८. झाडी बोली - हरिशचंद्र बोरकर.
१९. आधुनिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोजन - मिलिंद मालशे, लोकवाङ्मय, मुंबई, १९९८.
२०. भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक - मालशे-इनामदार-सोमण, संजय, पुणे, १९८२.

२१. वृद्धी : भाषेचे आणि भाषाभ्यासाचे विकसन – दिनेश द. माहुलकर, राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई, २०००.
२२. भाषाविवेक – मंगोश विठ्ठल राज्याध्यक्ष, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे, १९९७.
२३. भाषा : स्वरूप, सामर्थ्य व सौंदर्य – वामन केशव लेले, राजहंस प्रकाशन, पुणे, २००५.
२४. समाजभाषाविज्ञान प्रमुख संकल्पना – रमेश वरखेडे, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर, २००९.
२५. नागपुरी बोली भाषाशास्त्रीय अभ्यास – वसंत कृष्णा वळाडपांडे, इंदिरा प्रकाशन, नागपूर, १९७२.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question paper

Total Marks – 80

| प्रश्न क्रमांक | प्रश्नाचे स्वरूप | गुण |
|----------------|---|-----|
| १ | योग्य पर्याय निवडा | १० |
| २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ३ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ४ | लघुत्तरी प्रश्न (पाच पैकी तीन प्रश्न सोडविणे) | ३० |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. १२.४

ग्रंथ इतिहास

(Granth Itihas)

उद्दिष्ट्ये :

- ग्रंथ इतिहासाची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.
- मुद्रणपूर्व मराठीतील ग्रंथव्यवहार अभ्यासणे.
- ग्रंथ इतिहासाच्या विविध पद्धती व दृष्टिकोन यांचा परिचय करवून घेणे.
- हस्तलिखितांच्या संशोधनाचे पद्धतीशास्त्र अभ्यासणे.
- पाठचिकित्साशास्त्राचे महत्त्व व स्वरूप अभ्यासणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | ग्रंथ-इतिहास-संकल्पना व स्वरूप <ul style="list-style-type: none">■ ग्रंथ-इतिहासलेखनाची संकल्पना■ एक सांस्कृतिक उत्पादन म्हणून ग्रंथव्यवहाराचा अभ्यास : ग्रंथांच्या निर्मितीमागील प्रेरणा, त्यांचा प्रसार आणि समाजावरील त्यांचा परिणाम■ ग्रंथ इतिहास- इतिहास, समाजशास्त्र आणि वाड्मयीन समीक्षा या तीन ज्ञानशाखांना स्पर्श करणारे आंतरविद्याशाखीय अभ्यासक्षेत्र■ ग्रंथ-इतिहासलेखनाची विविध अंगे- ग्रंथनिर्मितीच्या प्रेरणा, ग्रंथांचा वाचकवर्ग, प्रकाशनसंस्था, नियतकालिके, ग्रंथालये इत्यादींचे इतिहास, ग्रंथांचे टिकणे आणि नाहीसे होणे, ग्रंथांची मांडणी, मुख्यपृष्ठ, बांधणी इत्यादींचे इतिहास | १५ | १ |

| | | | |
|---------------------|--|----|---|
| विभाग २ Module 2 | मुद्रणपूर्व मराठीतील ग्रंथव्यवहार <ul style="list-style-type: none"> ■ मुद्रणपूर्व काळातील ग्रंथनिर्मितीच्या प्रेरणा : धार्मिक व पंथीय ■ मुद्रणपूर्व काळातील ग्रंथलेखनाचे प्रकार ■ सांकेतिक लिप्या व मोडी लिपी ■ महानुभाव व वारकरी पंथीयांच्या ग्रंथलेखनपद्धती ■ मुद्रणपूर्व मराठीतील ग्रंथांचे लेखन, सजावट, कागदांचे प्रकार, ग्रंथांची बांधणी, ग्रंथांचे वितरण व संवर्धन. | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | हस्तलिखितांचे संशोधन <ul style="list-style-type: none"> ■ मुद्रणपूर्व काळातील हस्तलिखितांचे प्रकार ■ हस्तलिखितांची वैशिष्ट्ये ■ हस्तलिखितांची उपलब्धी, जतन व संवर्धन करण्याचे मार्ग ■ हस्तलिखितांची कालनिश्चिती करण्याच्या कसोट्या ■ संहितांचा संख्याशास्त्रीय अभ्यास करण्याच्या पद्धती | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | पाठचिकित्साशास्त्र <ul style="list-style-type: none"> ■ ‘पाठचिकित्सा’ संकल्पना व स्वरूप ■ पाठचिकित्सा करण्याची आवश्यकता ■ हस्तलिखितांच्या नकला, नकलाकारांकडून होणारे दोष व त्यांचे प्रकार, पाठभेद का निर्माण होतात ■ पाठचिकित्सकाचे कार्य ■ पाठचिकित्सेच्या दोन पद्धती-ज्ञातृनिष्ठ व ज्ञेयनिष्ठ ■ पाठचिकित्साशास्त्राची मार्गदर्शक तत्त्वे ■ पाठचिकित्साशास्त्राची परिभाषा | १५ | १ |

संदर्भग्रंथ

१. मराठी ग्रंथमुद्रणाची वाटचाल – श.गो. तळपुळे.
२. मराठी ग्रंथप्रकाशनाची २०० वर्षे – शारद गोगटे, राजहंस, पुणे २००८.
३. मराठी ग्रंथांचे आदर्श संग्रहालय – अ.का. प्रियोल्कर, मुंबई मराठी साहित्य संघ, १९६९.
४. मराठी दोलामुद्रिते – अ.का. प्रियोल्कर, आर.आर. गवसकर, मुंबई मराठी साहित्य संग्रहालय, १९६९.
५. आधुनिक मराठी साहित्याची सांस्कृतिक पाश्वर्भूमी – गो.म. कुळकर्णी, मेहता प्रकाशन, पुणे, १९९४.
६. विष्णुपंत भागवत गौरवग्रंथ – भागवत स्मारक समिती, १९८४.
७. सोन्याबापू ढवळे गौरवग्रंथ.
८. सदानन्दयात्रा – सदानन्द भटकळ.

९. किलोस्करीय - मंगेश कशयप.
१०. 'कवितारती' ची वाडमयीन कामगिरी - आशुतोष पाटील.
११. निर्णयसागरची अक्षरसाधना - पु.बा. कुळकर्णी.
१२. मुद्रणपर्व - दीपक घारे.
१३. ग्रंथ, ग्रंथालय - ग्रंथसंस्कृती- प्रदीप कर्णिक.
१४. ग्रंथपुण्यसंपत्ती - प्रदीप कर्णिक.
१५. भारतीय ग्रंथमुद्रण - बापूराव नाईक.
१६. अक्षरनिष्ठांची मांदियाळी - अरुण टिकेकर.
१७. लीळा पुस्तकांच्या - नीतीन रिंडे.
१८. भाषा व साहित्य : संशोधन खंड १, २ व ३ - संपादक-वसंत जोशी, म.सा. परिषद, १९८१.
१९. सूचीची सूची - सु.रा. चुनेकर, मुंबई विद्यापीठ, मराठी विभाग.
२०. ग्रंथसूचीशास्त्र - ना.बा. मराठे (महाराष्ट्र राज्य ग्रंथालय संघ प्रकाशन, मुंबई).
२१. ग्रंथवर्णन आणि ग्रंथसूची - रा.के. लेले (जोशी-लोखंडे प्रकाशन, पुणे), १९८३.
२२. ग्रंथ-सूची-शास्त्र - शंकर गणेश दाते (समाविष्ट-मराठी ग्रंथ सूची, खंड १), पुणे, १९७३.
२३. सूचिसाहित्य - भ.श्री. पंडित ('मराठी संशोधन पत्रिका' वर्ष १९, अंक ४ जुलै, १९७२).
२४. मराठी सूचिकार्याची वाटचाल - शंकर नारायण बर्वे (समाविष्ट- 'ग्रंथालयविचार' (वा.विं. भट गौरवग्रंथ), महाराष्ट्र राज्य ग्रंथालय संघ प्रकाशन, मुंबई)
२५. मराठी भाषा व वाडमयसंशोधन आणि ग्रंथसूची - वसंत विष्णु कुलकर्णी ('साहित्यसूची' जुलै, १९८१).
२६. साधनचिकित्सा व पाठचिकित्सा - अ.का. प्रियोळकर ('दमयंतीस्वयंवर' या ग्रंथाची प्रस्तावना)
२७. पाठनिश्चितीची प्रक्रिया - श्री.ना. बनहट्टी ('महाराष्ट्र साहित्य पत्रिका' डिसेंबर १९६९)
२८. आधुनिक मराठी संहिताचिकित्सा - म.वा. धोंड (मराठी संशोधन मंडळ, मुंबई)
२९. दुर्मिळ अक्षरधन, अविनाश सहस्रबुद्धे.
३०. देवनागरी लिपीचा इतिहास - ल.श्री. वाकणकर, दे.लि. घडण-परांजपे, मराठी संशोधन मंडळ, १९६८.
३१. ग्रंथव्यवहार - अ.ह. लिमये, व्हिनस प्रकाशन, पुणे, १९९२.
३२. मराठी ग्रंथप्रकाशनाचे स्वरूप : प्रेरणा व परंपरा - अ. ह. लिमये.
३३. युरोपीयनांनी केलेली मराठी भाषेची सेवा - श्री.म. पिंगे.
३४. ग्रंथसूचीचा अभ्यास - व.वि. कुलकर्णी (यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठाचे 'संदर्भसेवा आणि संदर्भसाधने' या विषयांतर्गत पाठ्यपुस्तक), १९९६.
३५. मराठी दोलामुद्रिते - संपा. गंगाधर मोरजे.
३६. कोश व सूची वाडमय : स्वरूप आणि साध्य - संपा. सरोजिनी वैद्य, सुषमा पौडवाल, अनिता जोशी, कविता महाजन, राज्य मराठी विकास संस्था, १९९७.
३७. मराठी संशोधनविद्या - उषा देशमुख.

३८. हस्तलिखितांच्या विविध लेखनशैली व प्रकार - सुनिल धीवार ('ज्ञानगंगोत्री' जून-नोव्हें २०१३).
३९. ज्ञानगंगोत्री (मराठी ग्रंथसूचीकार शंकर गणेश दाते जन्मशताब्दी विशेषांक) - जून ते ऑगस्ट २००४.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question paper

Total Marks – 80

| प्रश्न क्रमांक | प्रश्नाचे स्वरूप | गुण |
|----------------|---|-----|
| १ | योग्य पर्याय निवडा | १० |
| २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ३ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ४ | लघुत्तरी प्रश्न (पाच पैकी तीन प्रश्न सोडविणे) | ३० |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. १२.५

ग्रंथप्रकाशन आणि संपादन

(Granth Prakashan Aani Sampadan)

उद्दिष्ट्ये :

१. ग्रंथ प्रकाशनाचे स्वरूप ध्यानात घेणे.
२. ग्रंथप्रकाशन, ग्रंथव्यवहार व प्रकाशनसंस्कृती याविषयी माहिती घेणे.
३. ग्रंथनिर्मितीतील बारकावे समजून घेणे.
४. तसेच मुद्रणप्रक्रिया व त्यामध्ये होत असलेले बदल ध्यानात घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | ग्रंथनिर्मिती व्यवहाराचे स्वरूप प्रकाशन व्यवहार- घटकस्वरूप - कार्ये - मुद्रणप्रत - मुद्रितशोधन - मुख्यपृष्ठ - मांडणी - मुद्रण - वितरक - स्वामित्व हक्क - लेखक करार - ग्रंथनोंदणी - आवृत्ती - पुनर्मुद्रण. | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | मुद्रणपूर्व संस्करण प्रक्रिया हस्तलिखित शोध - डिटीपी - मुख्यपृष्ठ - सजावट - मांडणी - मुद्रणप्रक्रिया | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | ग्रंथरचना प्रक्रिया कागदस्वरूप - ग्रंथकार - मुद्रणपद्धती - बांधणी - टंकनिश्चिती (फॉन्ट) | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | ग्रंथवितरण विक्रेताप्रकार - वितरणव्यवस्था - ग्रंथालय - वाचक - जाहिरात - समीक्षा - आवृत्ती - प्रोमो | १५ | १ |

संदर्भग्रंथ

१. संपादन कला आणि शास्त्र - शुभदा धारकर, व्ही.एस. धारकर प्रकाशन, औरंगाबाद, १९८५.
२. ग्रंथव्यवहार - अ.ह. लिमये, व्हीनस प्रकाशन, पुणे, १९५२.
३. प्रकाशनविश्व - मोहन वसंत वैद्य, प्रकाशन विश्व, पुणे, २००९.
४. ग्रंथ आणि ग्रंथालय - अ.ना. साठे, किताबमिनार प्रकाशन, पुणे.
५. ग्रंथालय आणि माहितीशास्त्र - वि.वि. कुलकर्णी, पिंपळापुरे बुक डिस्ट्रीब्युटर्स, नागपूर, १९७४.
६. ग्रंथालय शासन - वि.वि. कुलकर्णी, सुविचार प्रकाशन, नागपूर, १९७४.
७. हस्तलिखितांची वर्णनात्मक नामावली - सुरेंद्र गावस्कर, मराठी संशोधन मंडळ, मुंबई, १९७२.
८. भावे प्रयोग, अ.ह. भावे.
९. मराठी ग्रंथप्रकाशनाची दोनशे वर्षे - शरद गोगटे, राजहंस प्रकाशन, पुणे, २००८.
१०. पॉय्युलरचे अंतरंग - किशोर आरास, (संपा.) ग्रंथाली प्रकाशन, मुंबई, २०१५.
११. श्री. पु. भागवत व्यक्ती आणि वाङ्मय - वासंती इनामदार, (संपा.)
१२. विष्णुपंत भागवत - वि.पि. भागवत स्मारक समिती, १९८४.
१३. मुद्रणपर्व - दीपक घारे.
१४. सदानन्दयात्रा - सदानन्द भटकळ.
१५. ग्रंथव्यवहार - अ.ह. लिमये.
१६. मराठी ग्रंथप्रकाशनाचे स्वरूप व परंपरा - ह.अ. भावे.
१७. मराठी प्रकाशनव्यवसाय परिचय - शरद गोगटे.
१८. पॉय्युलर रीतिपुस्तक - मृदुला जोशी आणि रामदास भटकळ, हर्ष प्रकाशन, मुंबई, २०१५.
१९. मुद्रणप्रवेश - शं.रा. दाते, लोकसंग्रह कारखाना, पुणे, १९३७.
२०. मुद्रण व्यवस्थापन - व्ही.जी. देवकुळे, पुणे, १९५६.
२१. भाषिक सर्जन आणि उपयोजन - गवस राजन, शिंदे अरुण, पाटभल गोमटेश, दर्या प्रकाशन, पुणे, २०१२.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question paper

Total Marks - 80

| प्रश्न क्रमांक | प्रश्नाचे स्वरूप | गुण |
|----------------|---|-----|
| १ | योग्य पर्याय निवडा | १० |
| २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ३ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ४ | लघुत्तरी प्रश्न (पाच पैकी तीन प्रश्न सोडविणे) | ३० |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM.IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १३

समाजभाषाविज्ञान

(Samajbhashavidnyan)

उद्दिष्ट्ये :

१२. समाजभाषाविज्ञानाचे स्वरूप समजजून घेणे.
१३. समाजभाषाविज्ञानातील विविध सिद्धांत, संकल्पनांचा परिचय करून घेणे.
१४. समाज, संस्कृती आणि भाषा यामधील परस्पर संबंध समजून घेणे.
१५. समाजभाषाविज्ञानाची व्याप्ती समजून घेणे.
१६. भाषाव्यवहाराची विविधता समजून घेता येईल.
१७. भाषासंपर्कचे स्वरूप अभ्यासता येईल.
१८. भाषिक नियोजन म्हणजे काय ते समजून घेता येईल.
१९. बहुभाषिक देशांतील भाषिक प्रश्नांचा परिचय होईल.
२०. भाषिक नियोजनाची उद्दिष्ट्ये जाणून घेता येतील.
२१. भाषाशिक्षणाचे स्वरूप आणि भाषाशिक्षणाच्या विविध बाजूंचा अभ्यास करता येईल.
२२. मराठीच्या विविध बोलींचा समाजभाषावैज्ञानिक विचार करता येईल.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | भाषाव्यवहार आणि भाषासंपर्क भाषिक समाज, समाजातील विविध सामाजिक गट आणि भाषाव्यवहार, भाषासंपर्काची विविधता, व्यक्तिबोली संपर्क, शेजार भाषासंपर्क, परकीय भाषासंपर्क | १५ | १ |

| | | | |
|---------------------|--|----|------------------------------|
| विभाग २ Module 2 | भाषानियोजन आणि भाषाशिक्षण बहुभाषिकता, समाजाचे भाषिक प्रश्न, भाषिक सवयी, शब्दसंग्रह, भाषेचे सामाजिक स्थान, भाषा जतन, भाषिक नियोजनाच्या पायऱ्या, भाषाविकास, भाषा शिक्षणाचे माध्यम, स्वभाषा शिक्षण, आदिवासी आणि इतर मागास समाजगटांचे भाषाशिक्षण | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | समाजभाषाविज्ञान आणि इतर अभ्यासशाखा समाजभाषाविज्ञान आणि समाजशास्त्र, समाजभाषाविज्ञान आणि मानववंशशास्त्र, समाजभाषाविज्ञान आणि संस्कृतीविज्ञान | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | समाजभाषाविज्ञान आणि मराठीच्या प्रमुख बोली बोली आणि समाज, बोली भूगोल, बोलीभाषांची निर्मिती, बोलींच्या क्षेत्रमर्यादा, सामाजिक बोलीविज्ञान, अहिराणी, कोकणी, वन्हाडी आणि चंदगडी बोली | १५ | १ Human Values |

संदर्भग्रंथ

१. भाषा आणि संस्कृती – ना. गो. कालेकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६२.
२. भाषा : इतिहास आणि भूगोल – कालेकर, ना. गो., मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६४.
३. मराठी शब्दसमीक्षा – मु. श्री. कानडे, सन पब्लिकेशन, पुणे, १९८९.
४. निवडक भाषा आणि जीवन – कल्याण काळे, आणि मृणालिनी शहा, (संपा.) मेहता पब्लिकेशन पुणे, १९९८.
५. मराठी भाषेचा आर्थिक संसार – अशोक केळकर, मराठवाडा साहित्यपरिषद, औरंगाबाद, १९७०.
६. मध्यमा : भाषा आणि भाषाव्यवहार – अशोक केळकर, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, १९९६.
७. वैखरी : भाषा आणि भाषाव्यवहार – अशोक केळकर, मॅजेस्टिक प्रकाशन, १९३८.
८. मराठी भाषेचे मूळ- विश्वनाथ खैरे, संमत प्रकाशन, पुणे, १९७९.
९. द्रविण महाराष्ट्र – विश्वनाथ खैरे, साधना प्रकाशन, पुणे, १९७६.
१०. भाषाव्यवहार व भाषाशिक्षण – सुरेन्द्र ग्रामोपाध्ये, (संपा.)कासेगाव एज्युकेशन सोसायटी, कासेगाव, २००६.
११. अभिनव भाषाविज्ञान – गं. ना. जोगळेकर, सुविचार प्रकाशन मंडळ, पुणे, १९८७.
१२. मराठी भाषेचा इतिहास – गं. ना. जोगळेकर, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे, २००५.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM.IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १४.१

वाङ्मयीन संस्कृती

(Vangmayin Sanskruti)

उद्दिष्ट्ये :

- १) वाङ्मयीन अभिरूचीचा वाङ्मयीन संस्कृतीवर कसा प्रभाव पडतो हे तपासणे.
- २) कोणत्याही काळात समाज प्रबोधनासाठी वाङ्मयीन संस्कृती कशाप्रकारे कारणीभूत ठरते याचा विचार करणे.
- ३) वाङ्मयीन संस्कृतीचे स्वरूप तपासणे.
- ४) वाङ्मयीन संस्कृती बदलांमध्ये परिणाम करणाऱ्या वेगवेगळ्या घटकांचा विचार करणे

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching House | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | वाङ्मयीन अभिरूची रूची-अभिरूची, नागर आणि ग्रामीण अभिरूची, विविध समूहांच्या, प्रदेशांच्या अभिरूची लेखक व वाचकांची अभिरूची यांच्यातील आदान-प्रदान, अभिरूची संपर्क | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | वाङ्मयीन संस्कृती संघर्ष अभिजन-बहुजन संस्कृती संघर्ष, भाषाशुद्धी व वाङ्मयशुद्धीबदलाच्या कल्पना, वाद श्लीलअश्लीलतेसंबंधीचे वाद, (भाऊ पाध्ये व बा.सी. मर्टेकर)अभिव्यक्ती स्वातंत्र्यावरील निर्बंध व त्याविरुद्धचा संघर्ष. (घाशीराम कोतवाल व गांधी मला भेटला) या साहित्यकृतीवरून झालेला वाद) साहित्य संस्थांच्या पातळीवरील | १५ | १ |

Gender
Issues

| | | | |
|---------------------|---|----|---|
| | सांस्कृतिक राजकारण | | |
| विभाग ३ Module 3 | <p>सामाजिक प्रबोधनासाठी वाड्मयीन संस्कृतीचे योगदान</p> <p>सत्यशोधकी साहित्य-जलसे, आंबेडकरी जलसे, मेळे, संयुक्त महाराष्ट्र चळवळीतील वाड्मयीन आविष्कार, पथनाट्ये, वैचारिक प्रबोधनात्मक निबंधवाड्मय व नियतकालिके</p> | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | <p>मराठी वाड्मयीन संस्कृतीची स्थित्यंतरे</p> <p>मराठी साहित्य संमेलनांमधील परिवर्तने वाड्मयबाबू घटकांची वाड्मयीन संस्कृतीवर आक्रमणे</p> <p>मराठी ग्रंथव्यवहाराचा प्रवास, वाड्मयीन संस्कृतीतील लेखकाची प्रतिमा</p> | १५ | १ |

Human
Values

संदर्भ

१. प्रबोधनातील पाऊलखुणा - गं. बा. सरदार, (संपा.), निर्मलकुमार फडकुले, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.
२. वाड्मय संस्कृती - सुधीर रसाळ, मौज प्रकाशन गृह, पुणे.
३. मराठी वाड्मयाभिरुचीचे विहंगमावलोकन - रा. श्री. जोग, पुणे विद्यापीठ, कै. न.चि. केळकर स्मारक व्याख्यानमाला, ऑक्टो. १९५९.
४. अभिरुची : ग्रामीण आणि नागर - गो. म. कुलकर्णी, प्रकाशक प्र.ल. करंबळेकर, १९७६.
५. साहित्यमूल्ये व अभिरुची - गो. मा. पवार, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद, १९९४.
६. गो. मा. पवार गौरवग्रंथ 'साहित्य आणि समाज' - संपा. नागनाथ कोत्तापल्ले, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे २००७.
७. मराठी साहित्य : इतिहास आणि संस्कृती - वसंत आबाजी डहाके, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.
८. साहित्य संमेलनाच्या मांडवाखालून - कौतिकराव ठाले पाटील, शब्द पब्लिकेशन.
९. एका स्वागताध्यक्षाची डायरी - उत्तम कांबळे, लोकवाड्मय गृह, मुंबई.
१०. एका संमेलनाअध्यक्षाची डायरी - उत्तम कांबळे, लोकवाड्मय गृह, मुंबई.
११. नवकाव्यातील दुर्बोधता - रा. श्री. जोग
१२. शतकांची विचारशैली खंड १ ते ४ - रमेश धोंगडे, दिलीपराज प्रकाशन प्रा.लि. पुणे.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM. IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १६.२

तौलनिक साहित्याभ्यास

(Toulnik Sahityabhyas)

उद्दिष्ट्ये :

१. तौलनिक साहित्याभ्यासातील विविध संप्रदायांचा परिचय करून घेणे.
२. वाङ्मयीन प्रभव आणि प्रभाव या संकल्पनांचा अभ्यास करणे.
३. जागतिकीकरण, देशीवाद यांचा तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या दृष्टिकोनातून विचार करणे.
४. संस्कृती अभ्यास आणि तौलनिक साहित्याभ्यास यांच्यातील अनुबंध तपासणे.

| अ.क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | तौलनिक साहित्याभ्यास-विविध संप्रदाय अभिजातवाद, सौंदर्यवाद, वास्तववाद, आधुनिकवाद आणि पाश्चात्य तुलनात्मक विचार | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | वाङ्मयीन प्रभाव (उदगम) प्राक्कथा, लोकविद्या, मानसशास्त्रीय, आदिबंध, अनुकरण, परंपरा व नूतनीकरण | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | वाङ्मयीन प्रभाव स्वरूप, प्रभावांचे प्रकार, संबंध, संप्रेषण, स्वागत, मध्यस्थ | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | तौलनिक साहित्याभ्यासाचे महत्त्व जागतिकीकरण आणि देशीवाद संस्कृतिअभ्यास यांच्या संदर्भात तौलनिक साहित्याभ्यासाचे स्वरूप व महत्त्व | १५ | १ |

Ethical Values

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM.IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १६.५

ग्रंथप्रकाशन आणि संपादन

(Granth Prakashan Aani Sampadan)

उद्दिष्ट्ये :

१. संपादन प्रक्रियेचे स्वरूप समजून घेणे.
२. संपादन प्रक्रियेचा हेतू, उद्दिष्ट आणि प्रकार यांची माहिती घेणे.
३. संपादन प्रक्रियेतील आशय व भाषिक संपादन ध्यानात घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | संपादन : स्वरूप आणि संकल्पना संपादनाची संकल्पना, स्वरूप, संपादन हेतू - प्रेरणा - विविधता - संपादनापूर्वीची पथ्ये - संपादकाची कार्ये आणि भूमिका. | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | संहिता संपादन पद्धती आशयसंपादन विषयविवेचन - आशयसंपादन - स्पष्टता - नेमकेपणा - वाड्मयीन लेखनप्रकारांचे संपादन वाड्मयेत्तर लेखनप्रकारांचे संपादन भाषिक संपादन भाषिक वाचनाची सूक्ष्मता - शब्दयोजना - शीर्षक - उपशीर्षके - परिच्छेद. अंतिम मुद्रणप्रत, अक्षररेखांकन, मुख्यपृष्ठ रेखांकन - मांडणी आराखडा, ग्रंथशीर्षक रेखांकन, रेखाचित्रे. | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | ललित साहित्याचे संपादन कथात्म साहित्य - कविता - नाटक - ललितलेखन | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | ललितेतर साहित्याचे संपादन वैचारिक वाड्मय, माहितीपर गौरवग्रंथ, स्मरणिका, दुर्मिळ हस्तलिखिते, अहवाल लेखन, वाड्मयेतिहास, कोशवाड्मय, रोजनिशी संपादन. | १५ | १ |

संदर्भग्रंथ

१. मराठी रीतिपुस्तक - मृदुला जोशी, हर्ष प्रकाशन, मुंबई, २०१५.
२. लीळाचरित्र वाद संपादने - स्नेहा म्हांबरे.
३. मराठी लेखकोश, अरुण फडके - अंकुर प्रकाशन, ठाणे, २००८.
४. देवनागरी लिपीची घडण - क.रा. परांजपे, मराठी सत्यशोधक मंडळ, मुंबई, १९६८.
५. देवनागरी लिपी स्वरूप, विकास और समस्याएँ - एन.सी. जोगळेकर, बी. तिवारी, हिंदी साहित्य भांडार, लखनौ, १९७४.
६. मराठी लेखन मार्गदर्शिका - यास्मिन शेख, प्रका. राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई, १९९७.
७. संपादक आणि संपादकीय - एकनाथ पोतदार, कौस्तुभ प्रकाशन, नागपूर, १९९१.
८. कोशवाङ्मय विचार आणि व्यवहार - सदाशिव देव, डायमंड प्रकाशन, पुणे, १९१४.
९. कोशविज्ञान - सुमित मंगेश कर्ते, केंद्रिय हिन्दी संस्थान, आग्रा, १९८०.
१०. मुद्रणपूर्व - दीपक घारे.
११. देवनागरी - बापूराव नाईक.
१२. सदानन्दयात्रा - सदानन्द भटकळ.
१३. भाषिक सर्जन आणि उपयोजन - राजन गवस, अरुण शिंदे, गोमटेश्वर पाटील, दर्या प्रकाशन, पुणे, २०१२.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question paper

Total Marks - 80

| प्रश्न क्रमांक | प्रश्नाचे स्वरूप | गुण |
|----------------|---|-----|
| १ | योग्य पर्याय निवडा | १० |
| २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ३ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ४ | लघुतरी प्रश्न (पाच पैकी तीन प्रश्न सोडविणे) | ३० |

एम.ए. भाग १ व २ साठी अंतर्गत मूल्यमापनासाठी २० (वीस) गुणांसाठी

खालील उपक्रम राबवावेत

| | | |
|-------------|---|---|
| एम.ए. भाग १ | = | सत्र १ सेमीनार (गोषवारा सादर करणे बंधनकारक) |
| | | सत्र २ ग्रंथपरीक्षण / समीक्षा लेखन / अभ्यास, सहल वृत्तांत इ. |
| एम.ए. भाग २ | = | सत्र ३ शोधनिबंध (अभ्यासपत्रिकानुषंगाने किमान दहा पृष्ठांचा असावा) |
| | | सत्र ४ संशोधन प्रकल्प (१० ते १५ पृष्ठांचा असावा. प्रत्येक विद्यार्थ्यास बंधनकारक) |

| | | | |
|---------------------|--|----|---|
| विभाग २ Module 2 | भाषानियोजन आणि भाषाशिक्षण बहुभाषिकता, समाजाचे भाषिक प्रश्न, भाषिक सवयी, शब्दसंग्रह, भाषेचे सामाजिक स्थान, भाषा जतन, भाषिक नियोजनाच्या पायऱ्या, भाषाविकास, भाषा शिक्षणाचे माध्यम, स्वभाषा शिक्षण, आदिवासी आणि इतर मागास समाजगटांचे भाषाशिक्षण | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | समाजभाषाविज्ञान आणि इतर अभ्यासशाखा समाजभाषाविज्ञान आणि समाजशास्त्र, समाजभाषाविज्ञान आणि मानववंशशास्त्र, समाजभाषाविज्ञान आणि संस्कृतीविज्ञान | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | समाजभाषाविज्ञान आणि मराठीच्या प्रमुख बोली बोली आणि समाज, बोली भूगोल, बोलीभाषांची निर्मिती, बोलींच्या क्षेत्रमर्यादा, सामाजिक बोलीविज्ञान, अहिराणी, कोकणी, वन्हाडी आणि चंदगडी बोली | १५ | १ |

Human
Values

संदर्भग्रंथ

- भाषा आणि संस्कृती – ना. गो. कालेकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६२.
- भाषा : इतिहास आणि भूगोल – कालेकर, ना. गो., मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६४.
- मराठी शब्दसमीक्षा – मु. श्री. कानडे, सन पब्लिकेशन, पुणे, १९८९.
- निवडक भाषा आणि जीवन – कल्याण काळे, आणि मृणालिनी शहा, (संपा.) मेहता पब्लिकेशन पुणे, १९९८.
- मराठी भाषेचा आर्थिक संसार – अशोक केळकर, मराठवाडा साहित्यपरिषद, औरंगाबाद, १९७०.
- मध्यमा : भाषा आणि भाषाव्यवहार – अशोक केळकर, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, १९९६.
- वैखरी : भाषा आणि भाषाव्यवहार – अशोक केळकर, मॅजेस्टिक प्रकाशन, १९३८.
- मराठी भाषेचे मूळ- विश्वनाथ खैरे, संमत प्रकाशन, पुणे, १९७९.
- द्रविण महाराष्ट्र – विश्वनाथ खैरे, साधना प्रकाशन, पुणे, १९७६.
- भाषाव्यवहार व भाषाशिक्षण – सुरेन्द्र ग्रामोपाध्ये, (संपा.)कासेगाव एज्युकेशन सोसायटी, कासेगाव, २००६.
- अभिनव भाषाविज्ञान – गं. ना. जोगळेकर, सुविचार प्रकाशन मंडळ, पुणे, १९८७.
- मराठी भाषेचा इतिहास – गं. ना. जोगळेकर, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे, २००५.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM.IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १४.१

वाङ्मयीन संस्कृती

(Vangmayin Sanskruti)

उद्दिष्ट्ये :

- १) वाङ्मयीन अभिरूचीचा वाङ्मयीन संस्कृतीवर कसा प्रभाव पडतो हे तपासणे.
- २) कोणत्याही काळात समाज प्रबोधनासाठी वाङ्मयीन संस्कृती कशाप्रकारे कारणीभूत ठरते याचा विचार करणे.
- ३) वाङ्मयीन संस्कृतीचे स्वरूप तपासणे.
- ४) वाङ्मयीन संस्कृती बदलांमध्ये परिणाम करणाऱ्या वेगवेगळ्या घटकांचा विचार करणे

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching House | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | वाङ्मयीन अभिरूची रूची-अभिरूची, नागर आणि ग्रामीण अभिरूची, विविध समूहांच्या, प्रदेशांच्या अभिरूची लेखक व वाचकांची अभिरूची यांच्यातील आदान-प्रदान, अभिरूची संपर्क | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | वाङ्मयीन संस्कृती संघर्ष अभिजन-बहुजन संस्कृती संघर्ष, भाषाशुद्धी व वाङ्मयशुद्धीबदलाच्या कल्पना, वाद श्लीलअश्लीलतेसंबंधीचे वाद, (भाऊ पाध्ये व बा.सी. मर्टेकर)अभिव्यक्ती स्वातंत्र्यावरील निर्बंध व त्याविरुद्धचा संघर्ष. (घाशीराम कोतवाल व गांधी मला भेटला) या साहित्यकृतीवरून झालेला वाद) साहित्य संस्थांच्या पातळीवरील | १५ | १ |

Gender
Issues

| | | | |
|---------------------|--|----|---|
| | सांस्कृतिक राजकारण | | |
| विभाग ३ Module 3 | सामाजिक प्रबोधनासाठी वाड्मयीन संस्कृतीचे योगदान सत्यशोधकी साहित्य-जलसे, आंबेडकरी जलसे, मेळे, संयुक्त महाराष्ट्र चळवळीतील वाड्मयीन आविष्कार, पथनाट्ये, वैचारिक प्रबोधनात्मक निबंधवाड्मय व नियतकालिके | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | मराठी वाड्मयीन संस्कृतीची स्थित्यंतरे मराठी साहित्य संमेलनांमधील परिवर्तीने वाड्मयबाबू घटकांची वाड्मयीन संस्कृतीवर आक्रमणे मराठी ग्रंथव्यवहाराचा प्रवास, वाड्मयीन संस्कृतीतील लेखकाची प्रतिमा | १५ | १ |

**Human
Values**

संदर्भ

१. प्रबोधनातील पाऊलखुणा - गं. बा. सरदार, (संपा.), निर्मलकुमार फडकुले, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.
२. वाड्मय संस्कृती - सुधीर रसाळ, मौज प्रकाशन गृह, पुणे.
३. मराठी वाड्मयाभिरुचीचे विहंगमावलोकन - रा. श्री. जोग, पुणे विद्यापीठ, कै. न.चि. केळकर स्मारक व्याख्यानमाला, ऑक्टो. १९५९.
४. अभिरुची : ग्रामीण आणि नागर - गो. म. कुलकर्णी, प्रकाशक प्र.ल. करंबळेकर, १९७६.
५. साहित्यमूल्ये व अभिरुची - गो. मा. पवार, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद, १९९४.
६. गो. मा. पवार गौरवग्रंथ 'साहित्य आणि समाज' - संपा. नागनाथ कोत्तापल्ले, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे २००७.
७. मराठी साहित्य : इतिहास आणि संस्कृती - वसंत आबाजी डहाके, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.
८. साहित्य संमेलनाच्या मांडवाखालून - कौतिकराव ठाले पाटील, शब्द पब्लिकेशन.
९. एका स्वागताध्यक्षाची डायरी - उत्तम कांबळे, लोकवाड्मय गृह, मुंबई.
१०. एका संमेलनाअध्यक्षाची डायरी - उत्तम कांबळे, लोकवाड्मय गृह, मुंबई.
११. नवकाव्यातील दुर्बोधता - रा. श्री. जोग
१२. शतकांची विचारशैली खंड १ ते ४ - रमेश धोंगडे, दिलीपराज प्रकाशन प्रा.लि. पुणे.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM. IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १६.२

तौलनिक साहित्याभ्यास

(Toulnik Sahityabhyas)

उद्दिष्ट्ये :

१. तौलनिक साहित्याभ्यासातील विविध संप्रदायांचा परिचय करून घेणे.
२. वाङ्मयीन प्रभव आणि प्रभाव या संकल्पनांचा अभ्यास करणे.
३. जागतिकीकरण, देशीवाद यांचा तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या दृष्टिकोनातून विचार करणे.
४. संस्कृती अभ्यास आणि तौलनिक साहित्याभ्यास यांच्यातील अनुबंध तपासणे.

| अ.क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | तौलनिक साहित्याभ्यास-विविध संप्रदाय अभिजातवाद, सौंदर्यवाद, वास्तववाद, आधुनिकवाद आणि पाश्चात्य तुलनात्मक विचार | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | वाङ्मयीन प्रभाव (उद्गम) प्राक्कथा, लोकविद्या, मानसशास्त्रीय, आदिबंध, अनुकरण, परंपरा व नूतनीकरण | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | वाङ्मयीन प्रभाव स्वरूप, प्रभावांचे प्रकार, संबंध, संप्रेषण, स्वागत, मध्यस्थ | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | तौलनिक साहित्याभ्यासाचे महत्त्व जागतिकीकरण आणि देशीवाद संस्कृतिअभ्यास यांच्या संदर्भात तौलनिक साहित्याभ्यासाचे स्वरूप व महत्त्व | १५ | १ |

Human
Values

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

Hindi

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी अध्ययन मंडल

प्रथम वर्ष कला— हिंदी (विशेष ऐच्छिक)

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

(शैक्षिक वर्ष : 2018–19, 2019–20 तथा 2020–21)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की

मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य :

1. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना।
3. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना।
4. निबंध, कहानी, रेखाचित्र, एकांकी, रिपोर्टज, संस्मरण, व्यंग्य आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना।
5. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आरथा निर्माण करना।
6. छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना एवं सामाजिक प्रतिबद्धता हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करना।
7. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
 2. सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
 3. ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित लेखकों, कवियों की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
 4. दृक्—श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
 5. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
 6. पी.पी.टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
 7. विशेषज्ञों के व्याख्यान, साक्षात्कार तथा प्रश्नावली।
-

पाठ्यपुस्तक – साहित्य जगत्

संपादक एवं प्रकाशक,

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

प्रथम सत्र : विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र—I

हिंदी कविता

अध्ययनार्थ पद्यपाठ :

इकाई—I 1. भिक्षुक – निराला

2. बालिका का परिचय— सुभद्राकुमारी चौहान

Gender Issue

3. तेरी खोपड़ी के अंदर – नागार्जुन

Human Values

4. वसंत आ गया— अङ्गेय

इकाई -II 5. अजीब-सी मुश्किल – कुंवर नारायण

6. पैदल आदमी– रघुवीर सहाय

7. बीस साल बाद – धूमिल

8. घर की याद – राजेश जोशी

इकाई -III 9. हो गई है पीर – दुष्टंतकुमार

10. माँ जब खाना परोसती थी – चंद्रकांत देवताले

11. एकलव्य – किर्ति चौधरी

12. बेजगह – अनामिका

Gender Issues

इकाई -IV 13. नया बैंक – मंगलेश डबराल

14. सत्ता – उदय प्रकाश

15. स्त्री मुक्ति की मशाल – रजनी तिलक

Gender Issues

16. बाजार – जया जादवानी

Gender Issues

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :

अंक

प्रश्न 1 – समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न

10

प्रश्न 2 – समग्र पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (तीन में से दो)

10

प्रश्न 3 – समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)

15

प्रश्न 4 – समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घत्तरी प्रश्न अ तथा ब – दोनों अनिवार्य (अंतर्गत विकल्प के साथ)

15

द्वितीय सत्र : विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र -II

हिंदी गद्य साहित्य

अध्ययनार्थ गद्य पाठ :

इकाई -I 1. जीवन और शिक्षण (निबंध) – विनोबा भावे Human Values

2. सूरदास (निबंध) – बाबू श्यामसुंदर दास Human Values

3. विज्ञापन युग (निबंध) – मोहन राकेश

इकाई -II 4. भगत की गत (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

5. फुटपाथ के कलाकार (व्यंग्य) – शरद जोशी

6. गोशाला चारा और सरपंच (व्यंग्य) – शंकर पुणतांबेकर

इकाई -III 7. पंचलाईट (कहानी) – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

8. चीफ की दावत (कहानी) – भीष्म सहानी

9. अकेली (कहानी) – मन्नू भंडारी Gender Issues

इकाई -IV 10. संस्कार और भावना (एकांकी) – विष्णु प्रभाकर Human Values

11. रजिया (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी

12. किसान के घर से (यात्रा संवाद) – मधु कांकरिया

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



'A' Reaccredited By NAAC

Revised Syllabus for Bachelor of Arts (CBCS)

B. A. in Political Science

Faculty of Humanities B.A. Part – III

(Sem. V and VI)

Syllabus to be implemented from June, 2020

Shivaji University, Kolhapur
Revised Syllabus from June, 2020
Bachelor of Arts Part III – Political Science - Sem – V and VI

- 1) **Title:** Subject: Political Science (Paper No. 7 to 11) Optional under the Faculty of Arts.
- 2) **Year of Implementation:** Revised Syllabus will be implemented from June 2020 onwards.
- 3) **Duration:** The course shall be a full time course. The duration of course shall be three years.
- 4) **Pattern:** Pattern of examination will be Semester.
- 5) **Eligibility For Admission:** As per eligibility criteria prescribed for each course and the merit list in the qualifying examination.
- 6) **Medium of Instruction:** The medium of instruction shall be English or Marathi
- 7) **Equivalence In Accordance With Titles And Content Of Papers:** For Revised Syllabus As follows:

SEMESTER V

| Sr No | Paper No | Title of Old Paper | Paper No | Title of New Paper |
|-------|----------|--|----------|-----------------------------|
| 1 | VII | Modern Government | VII | Political Theory |
| 2 | VIII | Public Administration | VIII | Public Administration |
| 3 | IX | International Politics | IX | International Politics |
| 4 | X | Constitution of United States of America | X | Comparative Politics |
| 5 | XI | Classical Western Political Thought | XI | Western Political Thought I |

SEMESTER VI

| Sr No | Paper No | Title of Old Paper | Paper No | Title of New Paper |
|-------|----------|----------------------------------|----------|---|
| 1 | XII | Modern Political Concepts | XII | Modern Political Concepts |
| 2 | XIII | Administrative Thinkers | XIII | Politics and Movements in Maharashtra |
| 3 | XIV | Foreign Policy of India | XIV | Foreign Policy of India |
| 4 | XV | Constitution of China and Sweden | XV | Comparative Government (With special reference to UK & USA) |
| 5 | XVI | Modern Western Political Thought | XVI | Western Political Thought II |

B. A. Part III – Political Science - Semester – VI

Semester VI, Paper No. XII DSE E- 201

Title of the Paper: Modern Political Concepts

Course Outcome

1. Student will know modern concepts such as Feminism, Multiculturalism, Environmentalism and Civil Society etc.
2. This will enable students to have comprehensive idea of contemporary scenario in political science.

| Sr. No. | Unit No. and Title of the Unit | Teaching Hours | Credits |
|---------|--|----------------|---------|
| 1. | Unit – 1. : Feminism <ul style="list-style-type: none"> I. Meaning, Origin and Development of Feminism. II. Characteristic of Feminism III. Theories of Feminism | 15 | 01 |
| 2. | Unit – 2. Multiculturalism <ul style="list-style-type: none"> I. Meaning and Development of Multiculturalism II. Will Kymlicka's theory of Multiculturalism III. Nationalism and Multiculturalism | 15 | 01 |
| 3. | Unit – 3. Environmentalism <ul style="list-style-type: none"> I. Origin and Causes of Environmentalism II. Characteristics of Environmentalism III. International Efforts for protection of Environment IV. Global Warming | 15 | 01 |
| 4. | Unit – 4. Civil Society <ul style="list-style-type: none"> I. Meaning and Development of Civil Society II. Civil Society—Liberalism and Political Economy III. Locke, Hegel, Marx and Antonio Gramsci on Civil Society IV. Post Colonialism and Civil Society | 15 | 01 |

Gender Issue

Environment & Sustainability

Recommended Books:

- 1 Kymlika Will, Multicultural Citizenship :Liberal Theory of Minority Rights,Clarendon Press, 1995
- 2 Kymlika Will, Contemporary Political Philosophy, Oxford,2001
3. Bhargava Rajeev and Acharya Ashok, Political Theory : An Introduction, 1st. Edition, Pearson, New Delhi,2008
- 4 राठी शुभांगी डी.आधुनिक राजकीय विचारप्रणाली, अर्थर्धुळे, 2014
- 5 भागवत राजीव ,आचार्य अशोक, (संपा.)राजकीय सिद्धांत परिचय (अनुवाद:हेमंतखानझोडे) पिअर्सन ,नवी दिल्ली, 2011
- 6 खेडेकर दिगंबर ,राजकीय सिद्धांतातील मुलभूत संकल्पना, चिन्मय ,औरंगाबाद,2009
- 7 भागवत वंदना ,संदर्भासहित ऋषीवाद
- 8 भागवत विद्युत , ऋषीवादी सामाजिक विचार : सहा महत्वाच्या विचारवंत स्थियांचा परिचय,डायमंड,पुणे,2008

B. A. Part II
ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)
(CBCS)

ENGLISH FOR COMMUNICATION
(Compulsory English)
(June 2019 Onwards)

Course Objectives:

- To enable the students to develop communication skills in English, both oral and written.
- To equip the students with the language skills for use in their personal, academic and professional lives.
- To develop the students essential employability skills.
- To help the students to enter the job market with confidence and the ability to work effectively.
- To help the students to learn and practice both language and soft skills.
- To encourage the active involvement of the students in learning process.
- To enable the students to cultivate a broad, human and cultured outlook.

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C5)
English (Paper III) (Semester III)
LITERATURE AND CINEMA (CBCS)

Course Objectives:

- To introduce film and its relationship to literature to the students
- To acquire film literacy through a working knowledge of basic film terminology
- To develop critical approaches to engage with film adaptations
- To establish a clear understanding of literature through film adaptations of literary texts
- To introduce the students to the issues and practices of cinematic adaptations

Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

Theories of Adaptation

Module II

Adaptation as Interpretation

Module III

Human Values

William Shakespeare's *Comedy of Errors* and its Adaptation *Angoor* (dir. Gulzar, 1982)

Module IV

William Shakespeare's *Comedy of Errors* and its Adaptation *Angoor* (dir. Gulzar, 1982)

Division of Teaching: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Texts:

Shakespeare, William. *The Comedy of Errors*, ed. Wells (Oxford, 1995).

William Shakespeare's *Comedy of Errors* and its Adaptation *Angoor* (dir. Gulzar, 1982)

Suggested Reading:

Linda Hutcheon, 'On the Art of Adaptation', *Daedalus*, vol. 133, (2004).

Thomas Leitch, 'Adaptation Studies at Crossroads', *Adaptation*, 2008, vol.1, no.1, pp. 63–77.

Poonam Trivedi, 'Filmi Shakespeare', *Litfilm Quarterly*, vol. 35, issue 2, 2007.

Tony Bennett and Janet Woollacott, 'Figures of Bond', in *Popular Fiction: Technology, Ideology, Production, Reading*, ed. Tony Bennet (London and New York: Routledge, 1990).

Deborah Cartmell and Imelda Whelehan, eds., *The Cambridge Companion to Literature on Screen* (Cambridge: Cambridge University Press, 2007).

John M. Desmond and Peter Hawkes, *Adaptation: Studying Film and Literature* (New York: McGraw-Hill, 2005).

Linda Hutcheon, *A Theory of Adaptation* (New York: Routledge, 2006).

J.G. Boyum, *Double Exposure* (Calcutta: Seagull, 1989).

B. Mcfarlens, *Novel to Film: An Introduction to the Theory of Adaptation* (Clarendon University Press, 1996).

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C29)
English (Paper V) (Semester IV)
LITERATURE AND CINEMA
(CBCS)

Course Objectives:

- To introduce film and its relationship to literature to the students
- To acquire film literacy through a working knowledge of basic film terminology
- To develop critical approaches to engage with film adaptations
- To establish a clear understanding of literature through film adaptations of literary texts
- To introduce students to the issues and practices of cinematic adaptations

Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

Transformation and Transposition

Module II

Hollywood and 'Bollywood'

Module III

Chetan Bhagat's *Five Point Someone* and its Adaptation *3 Idiots* (dir. Rajkumar Hirani, 2009)

Module IV

Chetan Bhagat's *Five Point Someone* and its Adaptation *3 Idiots* (dir. Rajkumar Hirani, 2009)

Human Values

Division of Teaching: 4 X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Text:

Bhagat, Chetan, *Five Points Someone*. New Delhi: Rupa & Co. 2004.

Chetan Bhagat's *Five Point Someone* and its Adaptation *3 Idiots* (dir. Rajkumar Hirani, 2009)

Suggested Reading:

Linda Hutcheon, 'On the Art of Adaptation', *Daedalus*, vol. 133, (2004).

Thomas Leitch, 'Adaptation Studies at Crossroads', *Adaptation*, 2008, vol.1, no.1, pp. 63–77.

Poonam Trivedi, 'Filmi Shakespeare', *Litfilm Quarterly*, vol. 35, issue 2, 2007.

Tony Bennett and Janet Woollacott, 'Figures of Bond', in *Popular Fiction: Technology, Ideology, Production, Reading*, ed. Tony Bennet (London and New York: Routledge, 1990).

Deborah Cartmell and Imelda Whelehan, eds., *The Cambridge Companion to Literature on Screen* (Cambridge: Cambridge University Press, 2007).

John M. Desmond and Peter Hawkes, *Adaptation: Studying Film and Literature* (New York: McGraw-Hill, 2005).

Linda Hutcheon, *A Theory of Adaptation* (New York: Routledge, 2006).

J.G. Boyum, *Double Exposure* (Calcutta: Seagull, 1989).

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C6)
English (Paper IV) (Semester III)
PARTITION LITERATURE (CBCS)

Course Objectives:

- To create an awareness of the partition scenario among the students
- To explain the hidden human dimensions of the partition to the students
- To elaborate on the impact of partition on society

Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

Partition: Causes and Effects

Module II

Communal conflicts and Violence

Module III

Khushwant Singh's *A Train to Pakistan*

Human Values

Module IV

Khushwant Singh's *A Train to Pakistan*

Division of Teaching: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Text:

Singh, Khushwant. *A Train to Pakistan*. New Delhi: Ravi Dayal Publishers, 1956.

Suggested Reading:

Ritu Menon and Kamala Bhasin, 'Introduction', in *Borders and Boundaries* (New Delhi: Kali for Women, 1998).

Sukirta P. Kumar, *Narrating Partition* (Delhi: Indialog 2004).

Urvashi Butalia, *The Other Side of Silence: Voices from the Partition of India* (New Delhi: Kali for Women,2000).

More, D.R. *The Novels on the Indian Partition*, Jaipur, Shruti Publication, 2008.

Sigmund Freud, 'Mourning and Melancholia', in *The Complete Psychological Works of Sigmund Freud*, tr. James Strachey (London: Hogarth Press,1953) pp.3041-53.

Beniwal, Anup. *Representing Partition: History, Violence and Narration*. Delhi: Shakti Book House. 2005.

Bhalla, Alok. *Partition Dialogues: Memories of a Lost Home*. New Delhi: Oxford University Press. 2006.

Sharma, V.P. "Communalism and its Motifs in three Post Independence Novels: Khushwant Singh's *A Train to Pakistan*, Bhisham Sahni's *Tamas* and Chaman Nahal's *Azadi*," *Recent Indian English Literature*. Ed. S.D. Sharma, Karnal: Natraj Publishing House, 1998. Print.

Shyam. M. Asnani. "The Theme of Partition in the Indo-English Novel." *New Dimensions of Indian English Novel*. New Delhi: Doaba House Publication, 1988.38-50. Print.

B. A. Part II
(Discipline Specific Core) (DSC-C30)
English (Paper VI) (Semester IV)
PARTITION LITERATURE (CBCS)
Detailed Syllabi
June 2019 Onwards

Module I

Impact of Partition on Women

Module II

Home and Exile

Module III

Short Stories:

Toba Tek Singh

The Final Solution

- Saadat Hasan Manto

- Manik Bandhopadhyay

Gender Equity

Module IV

Short Stories:

Defend Yourself Against Me

A Leaf in the Storm

- Bapsi Sidhwā

- Lalithambika Antharjanam

Gender Equity

Division of Teaching: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Short Stories Prescribed From:

Saadat Hasan Manto, “Toba Tek Singh”, in *Black Margins: Manto*, tr. M. Asaduddin (New Delhi: Katha, 2003) pp. 212–20.

Manik Bandhopadhyā, ‘The Final Solution’, tr. Rani Ray, *Mapmaking: Partition Stories from Two Bengals*, ed. Debjani Sengupta (New Delhi: Srishti, 2003) pp. 23–39.

Sidhwā, Bapsi. “Defend Yourself Against Me.” in *And the World Changed: Contemporary Stories by Pakistani Women*, ed. M. Shamsie, 27–52. New York: The Feminist Press, 2008.

Lalithambika Antharjanam, “A Leaf in the Storm”, tr. K. Narayana Chandran, in *Stories about the Partition of India*. ed. Alok Bhalla (New Delhi: Manohar, 2012) pp. 137–45.

Suggested Reading:

Ritu Menon and Kamala Basin, ‘Introduction’, in *Borders and Boundaries* (New Delhi: Kali for Women, 1998).

Sukirta P. Kumar, *Narrating Partition* (Delhi: Indialog 2004).

Urvashi Butalia, *The Other Side of Silence: Voices from the Partition of India* (New Delhi: Kali for Women, 2000).

More, D.R. *The Novels on the Indian Partition*, Jaipur, Shruti Publication, 2008.

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

Revised Syllabus For

B.A. Part-III

English

Syllabus to be implemented from

June, 2020 onwards.

Shivaji University, Kolhapur
B. A.III
English Special
ENGLISH POETRY (CBCS)
Discipline Specific Elective
Semester V (Paper VIII) (DSE – E12) and Semester VI (Paper XIII) (DSE – E137)
(From June 2020 Onwards)

Course Objectives:

- To make students engaged and curious readers of poetry
- To introduce students to poetry from various cultures and traditions
- To make students understand that poetry gives intellectual, moral and linguistic pleasures
- To make students hear and read poems aloud and to memorize lines

Course Outcomes:

- Students will be able to trace the development of the poetry in English from the days of Shakespeare to the contemporary India.
- Students will be able to appreciate and analyze the poems properly.
- Students will have a fairly comprehensive view of the Western and Eastern poetic tradition and they will be able to relate it to various literary movements.
- Students will have an insight into poetry and they will be able to make a lively and interesting reading.

| SEMESTER V (Paper VIII) (DSE – E12) | | |
|---|---|---------------------|
| MODULE NO. | TITLE OF THE MODULE | NAME OF THE POET |
| I. | Topics For Background Readings: | |
| 1. | Elizabethan Poetry | |
| 2. | Metaphysical Poetry | |
| 3. | Romantic Poetry | |
| II. Selections from Elizabethan Poetry: | | Human Values |
| 1. | Sweet Warrior (Sonnet 57) | Edmund Spenser |
| 2. | Sonnet To The Moon | Sir Philip Sydney |
| 3. | Full Many A Glorious Morning... (Sonnet 33) | William Shakespeare |
| III. Selections from Metaphysical Poetry: | | Human Values |
| 1. | The Sun Rising | John Donne |
| 2. | The Retreat | Henry Vaughan |
| 3. | The Collar | George Herbert |
| IV. Selections from Romantic Poetry: | | Gender Equity |
| 1. | My Heart Leaps Up | William Wordsworth |
| 2. | The Rime of the Ancient Mariner | S. T. Coleridge |
| 3. | Ozymandias | P. B. Shelley |
| 4. | When We Two Parted | Lord Byron |
| *Note: Semester V: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' SEMINAR | | |

| SEMESTER VI (Paper XIII) (DSE – E137) | | |
|---------------------------------------|--|------------------------------|
| MODULE NO. | TITLE OF THE MODULE | NAME OF THE POET |
| V. | Topics For Background Readings: | |
| 1. | Victorian Poetry | |
| 2. | Modern English Poetry | |
| 3. | Modern Indian English Poetry | |
| VI. | Selections from Victorian Poetry: | Gender Equity |
| 1. | The Lady Of Shallot | Alfred Lord Tennyson |
| 2. | My Last Duchess | Robert Browning |
| 3. | Love Came Down At Christmas | Christiana Rossetti |
| VII. | Selections from Modern English Poetry: | Human Values |
| 1. | No Second Troy | W. B. Yeats |
| 2. | The Hollow Men | T. S. Eliot |
| 3. | Tonight I Can Write | Pablo Neruda |
| VIII. | Selections from Modern Indian English Poetry: | Environment & Sustainability |
| 1. | The Professor | Nissim Ezekiel |
| 2. | A Hot Noon in Malabar | Kamala Das |
| 3. | A River | A. K. Ramanujan |
| 4. | A Kind of Happiness | Jayanta Mahapatra |

*Note: Semester VI: 10 Marks for internal Evaluation: STUDENTS' GROUP PROJECT

Division of Teaching Hours: 8 Modules x 15 Hours each= 120 Hours

Recommended Reading: Semester V and Semester VI

- Appelbaum, Stanley. *English Romantic Poetry: An anthology*. Dover Publications Inc. 1996.
 Burrow, Colin. *Metaphysical Poetry*. Penguin Classics. 2006.
 Chaudhuri, Roshinka. *A History of Indian Poetry in English*. Cambridge University press. 2016.
 Chaudhuri, Sukanta. *Modern Indian Literature*, New Delhi: OUP, 2004.
 Courthope, W.J. *A History of English Poetry*. Vol.I Macmillan, 1995.
 Craig, W.J. (ed.). *The Complete works of William Shakespeare*. Oxford: OUP., 1905.
 Fenton, James. *An Introduction to English Poetry*. New York: Farrar, Strauss and Giroux, 2004.
 Gardner, Martin, *The Annotated Ancient Mariner*, New York: Clarkson Potter, 1965.
 Harold Bloom and Lionel Trilling, (ed.) *Romantic Prose and Poetry*, New York: OUP, 1973.
 Mitra, Zinia(ed.). *Indian Poetry in English:Critical Essays*. New Delhi: PHI Learning Pvt Ltd., 2012.
 Naik, M.K. *A History of Indian English Literature*. Delhi, 1982.
 Narasimhaiah, C.D., (ed.) *An Anthology of Commonwealth Poetry*, Delhi: Macmillan, 1990.
 Negri, Paul. *English Victorian poetry*. Dover Publications Inc. 1998
 Ramanan, M.G. *Modern English Poetry: A Selection*. New Delhi: Orient Blackswan, 2013.
 Samuel Taylor Coleridge, *Biographia Literaria*, ed. George Watson. London: Everyman, 1993.

Shivaji University, Kolhapur
B. A. Part III
Special English
ENGLISH DRAMA (CBCS)
Discipline Specific Elective

Semester V (Paper IX) ((DSE – E13) & Semester VI (Paper XIV) (DSE – E138)
From June 2020 onwards

Course Objectives:

- To make students understand different forms of drama
- To enable students to relate drama to their ideological or socio-political contexts
- To help students improve their creative and imaginative faculties through the reading of drama
- To enable students to know about various aspects of the drama

Course Outcomes:

- Students are able to understand different forms of drama.
- Students are able to relate drama to their ideological or socio-political contexts.
- Students are able to improve their creative and imaginative faculties through the reading of drama.
- Students are able to know about various aspects of the drama.

Semester V (Paper IX) ((DSE – E13)

MODULE I

Definition and Elements of Drama

MODULE II

Tragedy as a Form

MODULE III

The Importance of Being Earnest - Oscar Wilde

Human Values

MODULE IV

Hamlet – William Shakespeare

Human Values

Division of Teaching Hours: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Texts:

Wilde, Oscar. *The Importance of Being Earnest*. New Delhi: General Press, 2018.

Shakespeare, William. *Hamlet*. Penguin Books, 1980.

***Note: Semester V: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' SEMINAR**

Semester VI (Paper XIV) (DSE – E138)

MODULE V

Types of Drama

MODULE VI

Comedy as a Form

MODULE VII

Nagmandala – Girish Karnad

Gender Equity

MODULE VIII

Harvest – Manjula Padmanabhan

Gender Equity

**Shivaji University, Kolhapur
B. A. Part III Special English
ENGLISH NOVEL (CBCS)
Discipline Specific Elective**

Semester V (Paper X) ((DSE – E14) & Semester VI (Paper XV) (DSE – E139)

From June 2020 onwards

Course Objectives:

- To make students understand different forms of novel.
- To enable students to relate novels to their ideological or socio-political contexts.
- To help students to improve their creative and imaginative faculties through the reading of novels.
- To enable students to know about various aspects of the novel.

Course Outcomes:

- Students are able to understand different forms of novel.
- Students are able to relate novels to their ideological or socio-political contexts.
- Students are able to improve their creative and imaginative faculties through the reading of novels.
- Students are able to know about various aspects of the novel.

SEMESTER V (Paper X) (DSE – E14)

MODULE I

Rise and Development of the Novel

MODULE II

Aspects of the Novel

MODULE III

The Old Man and the Sea – Ernest Hemingway

Human Values

MODULE IV

The Power and the Glory – Graham Greene

Human Values

Division of Teaching Hours: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

Prescribed Texts:

Hemingway, Ernest. *The Old Man and the Sea*. New York: Simon & Schuster, 1952.

Greene, Graham. *The Power and the Glory*. New York: Time Reading Special Edition. 1940, 1962.

***Note: Semester V: 10 Marks for Internal Evaluation: STUDENTS' SEMINAR**

SEMESTER VI (Paper XV) (DSE – E139)

MODULE V

Historical and Psychological Novel

MODULE VI

Satirical Novel and Epistolary novel

MODULE VII

Animal Farm: A Fairy Tale - George Orwell

Professional Ethics

MODULE VIII

The Guide - R. K. Narayan

Human Values

Division of Teaching Hours: 4 Modules X 15 Periods = 60 Periods

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.Sc. Part - I

Botany

SEMESTER I AND II

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

B.Sc. Part I : Subject: Botany

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
Choice Based Credit System (CBCS)

Syllabus with effect from 2017

B.Sc. Part I : Subject: Botany

SEMESTER -II

Botany Paper III: DSC- 13 B: PLANT ECOLOGY

CREDITS: 2, LECTURE PERIODS: 2.5 PER WEEK- LECTURE HOURS: 2 PER WEEK, MARKS: 50

| UNIT | SUB-UNIT | TOPICS | LECTURE PERIOD |
|------|----------|---|----------------|
| 1. | 1.a | ECOLOGICAL FACTORS AND ADAPTATIONS | |
| 1. | 1.a | INTRODUCTION, DEFINITION AND SCOPE OF ECOLOGY | 01 |
| 1. | | <p>ECOLOGICAL FACTORS: Environment and Sustainability Edaphic factors: Soil- Origin and formation, Composition, soil profile. Water- States of water in environment.</p> <p>Climatic factors: Light and Temperature as ecological factors, Optimum and limiting factors.</p> <p>Ecological Adaptations: Environment and Sustainability Ecological adaptations in, Hydrophytes, Xerophytes, Epiphytes and parasites.</p> | 07 |
| 1. | | PLANT COMMUNITIES AND SUCCESSION | |
| | 1.b. | <p>Plant communities: Introduction, general Characters, forms and structure, Raunkier's life forms.</p> <p>Plant Succession : Characters and Process and types – Hydrosere, Xerosere.</p> | 07 |
| 2. | | Ecosystem and Phyto-geography | |
| | 2.a | <p>Ecosystem: Environment and Sustainability Introduction, Composition- Abiotic and Biotic components, Types of ecosystems – Aquatic and Terrestrial (one example of each type).</p> <p>Food chain and web. Environment and Sustainability Ecological pyramids- Number, Biomass and Energy with suitable example.</p> | 10 |
| | 2.b | <p>Biogeochemical cycles- Introduction, Phosphorus and Nitrogen cycle. Phytogeographical regions as per Chatterji and Mani</p> | 05 |
| | | Total | 30 |

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Accredited By NAAC with 'A' Grade

Revised Syllabus For

Bachelor of Science (B.Sc.) Part III

Botany

CBCS PATTERN

Syllabus to be implemented from

June, 2020 onwards

Paper -IX, X, XI, XII - (Semester- V)

and

Paper -XIII, XIV, XV, XVI - (Semester-VI)

B.Sc. Part- III Botany
CREDITS: 2, LECTURE PERIOD: 3 PER WEEK , MARKS: 40+10
Paper- XI DSE –E27
Cytology and Research Techniques in Biology

Unit 1: Cell as a unit of life **10**

- I.1 Introduction, The Cell Theory, Prokaryotic and Eukaryotic cells,
- 1.2 Cell cycle and Apoptosis.
- 1.3 Cell division: Mitosis and Meiosis with their significance.

Unit 2: Cell Organelles **12**

- 2.1 Nucleus: Ultra structure, Nuclear envelope, Nuclear pore complex, DNA packaging in Eukaryotes.
- 2.2 Mitochondria: Ultrastructure, semiautonomous body and Role.
- 2.3 Chloroplasts: Ultrastructure, semiautonomous body and Role.
- 2.4 Ribosomes: Structure and Functions of Prokaryotic and Eukaryotic ribosome.

Unit 3: Sub Cellular Structures and Cell Membrane **10**

- 3.1. ER, Golgi body and Lysosomes: Structure and Role,
- 3.2 Peroxisomes and Glyoxysomes: Structure and Role.
- 3.3 Cell membrane: Structure, Fluid Mosaic Model, Role.
- 3.4 Types of membranes as per permeability.

Unit 4: Research Techniques in Biology **13**

- 4.1 Principles of microscopy, Light, Fluorescence and Electron microscopy (EM)- Scanning EM.
- 4.2 Colorimetry, Spectrophotometry, Micrometry, Photomicrography,
- 4.3 Intellectual property right (IPR) – Concept and Importance.**
- 4.4 Patents – Objectives, Procedure and Working** Professional Ethics

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र पहिले / SEM.I

अभ्यासपत्रिका क्र. १

भाषिक आविष्काराची रुपे

(Bhashik Aavishkarachi Rupe)

उद्दिष्ट्ये :

१. भाषिक आविष्काराचे स्वरूप समजून घेणे.
२. भाषेची सर्जनशील प्रक्रिया समजून घेणे.
३. भाषा आणि साहित्य यांचा संबंध समजून घेणे.
४. भाषा आणि साहित्यप्रकार यातील अनुबंध समजून घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | भाषिक आविष्कार भाषेची ओळख आविष्काराचे प्रकार : मौखिक-लिखित | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | भाषेची सर्जनशील प्रक्रिया भाषा आणि दृकशाब्द्य कला भाषा आणि सादरीकरणारची कला | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | भाषा आणि साहित्य साहित्याचे माध्यम म्हणून भाषेचे कार्य साहित्यभाषेची वैशिष्ट्ये | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | भाषा आणि कथन (कादंबरी, कथा, महाकाव्य) भाषा आणि भावविणे (काव्य) भाषा आणि दाखविणे (नाटक/सिनेमा) | १५ Human Values | १ |

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाा १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र पहिले / SEM.I

अभ्यासपत्रिका क्र. २.१

विशेष साहित्यकृतींचा अभ्यास

(Vishesh Sahityakrutincha Abhyas)

उद्दिष्ट्ये :

- लेखक अभ्यासपद्धतीचा उपयोग कसा करावा हे समजून घेणे.
- लेखकाचे वाड्मयीन व्यक्तिमत्त्व आणि लेखक व त्याचा समकाल समजून घेणे.
- साहित्यकृतीतून लेखकाच्या समकालाचे प्रतिबिंब कशा प्रकारे प्रकट होते याचा अभ्यास करणे.
- लेखकाच्या इतर साहित्यकृती विचारात घेऊन लेखकाच्या वाड्मयीन जडणघडणीचा विचार करणे.
- एकूण वाड्मयीन परंपरेत लेखकाचे योगदान समजून घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | लीळारित्र – एकांक संपा. शं. गो. तुळपुळे | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | आज्ञापत्र संपा. विलास खोले, लोकवाड्मय गृह, मुंबई | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | हिंदू : जगण्याची समृद्ध अडगळ ^{Ethical} भालचंद्र नेमाडे, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | शोभायात्रा शफाअत खान, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई | १५ | १ |

वरील साहित्यकृती शिकवताना लेखक अभ्यासपद्धतीचा उपयोग करणे आवश्यक आहे.

संदर्भ ग्रंथसूची

- लीळारित्र – एकांक – शं.गो. तुळपुळे

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भााग १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र पहिले / SEM.I

अभ्यासपत्रिका क्र. ३

आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (स्वातंत्र्यपूर्व काळ)

(Aadhunik Marathi Vangmayacha Itihas – Swatantryapurv Kal)

उद्दिष्ट्ये :

- स्वातंत्र्यपूर्व काळातील महाराष्ट्रातील सामाजिक, राजकीय, सांस्कृतिक जीवनाची पाश्वर्भूमी समजून घेणे तसेच त्याचा साहित्यावरील आंतरसंबंध अभ्यासणे.
- या काळातील विविध साहित्यप्रवाहांचा इतिहास अभ्यासताना त्या त्या प्रवाहातील वाङ्मयप्रकारांचे स्वरूप वैशिष्ट्ये अभ्यासणे.
- मुख्य प्रवाहातील साहित्याबरोबरच इतर समांतर साहित्यप्रवाहांची वैशिष्ट्ये समजावून घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|-------------------------|
| विभाग १ Module 1 | वाङ्मयेतिहासाची संकल्पना साहित्याच्या निर्मितीचे सामाजिक, सांस्कृतिक, राजकीय संदर्भ | १५ | १ Ethical |
| विभाग २ Module 2 | भाषांतरीत वाङ्मय | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | पत्रकारिता मुख्य प्रवाह आणि समांतर प्रवाह निबंधमाला, केसरी, मराठा, शतपत्रे, काळ सत्यशोधकी निबंध, डॉ. आंबेडकर | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | कथात्म साहित्य कथा, कादंबन्या, नाटक, कविता | १५ | १ |

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भााग १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र पहिले / SEM.I

अभ्यासपत्रिका क्र. ४.२

लोकसाहित्य व लोककला

(Loksahitya Va Lokkala)

उद्दिष्ट्ये :

1. लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती यातील परस्परसंबंध समजून घेणे.
2. लोकसाहित्याची संकल्पना समजून घेणे.
3. लोकसाहित्याच्या परंपरेची ओळख करून घेणे.
4. लोकसाहित्याचा उगम आणि व्याप्तीबद्दल माहिती घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | लोकसाहित्य संकल्पना आणि स्वरूप <ol style="list-style-type: none">1. लोकसाहित्य व्याख्या- (पाश्चात्य व भारतीय)2. लोकसाहित्य संज्ञा व अर्थ3. लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती4. लोकसाहित्य आणि लोकमानस5. लोकसाहित्यातील आदिबंध व कल्पनाबंध | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | लोकसाहित्य उत्पत्ती आणि व्याप्ती अ) लोकसाहित्याचे प्रकार <ol style="list-style-type: none">1. शाब्द लोकसाहित्य - कथा, गीते, वाक्प्रचार, म्हणी, उखाणे, आछाने.2. लोककला : लोकनृत्य, लोकनाट्य, लोकवाद्य, शिल्पमूर्ती3. लोकरुढी : लोकभ्रम, लोकसमज, लोकतत्त्व, लोकविधी ब) लोकसाहित्य आणि अन्य ज्ञानशाखा <ol style="list-style-type: none">1. मानववंशशास्त्र, समाजशास्त्र, मानसशास्त्र, भाषाशास्त्र, इतिहास. | १५ | १ |

Ethical

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI

Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र दुसरे / SEM.II

अभ्यासपत्रिका क्र. ७

आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (स्वातंत्र्योत्तर काळ २००० पर्यंत)

(Aadhunik Marathi Vangmayacha Itihas-Swatantryottar Kal 2000 Paryant)

उद्दिष्ट्ये :

१. १९५०-२००० या काळातील महाराष्ट्रातील सामाजिक, राजकीय, सांस्कृतिक जीवनाची पाश्वर्भूमी समजून घेणे तसेच त्याचा साहित्यावरील आंतरसंबंध अभ्यासणे.
२. या काळातील विविध साहित्यप्रवाहांचा इतिहास अभ्यासताना त्या त्या प्रवाहातील वाङ्मयप्रकारांचे स्वरूप वैशिष्ट्ये अभ्यासणे.
३. मुख्य प्रवाहातील साहित्याबरोबरच इतर समांतर साहित्यप्रवाहांची वैशिष्ट्ये समजावून घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | १९५०-२००० सामाजिक, सांस्कृतिक, राजकीय पाश्वर्भूमी स्वातंत्र्योत्तर काळ, सामाजिक राजकीय परिवर्तन, नवविचार प्रवाह, वाङ्मयीन चळवळी | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | नवसाहित्य आणि महानगरीय साहित्य | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | दलित, आदिवासी, ग्रामीण साहित्यप्रवाह | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | ख्रीवादी आणि इतर साहित्यप्रवाह बालसाहित्य, विज्ञानसाहित्य, लोकप्रिय साहित्य, ख्रिश्चन, मुस्लीम, सत्यशोधकीय, ललित मुक्तगद्य, सर्वीक्षा | १५ | १ |

Human
Values

Gender
Issues

वरील साहित्यकृती शिकवताना लेखक अभ्यासपद्धतीचा उपयोग करणे आवश्यक आहे.

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भााग १ / Class M.A.I

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI

Choice Based Credit System

June 2017 onwards

सत्र दुसरे / SEM.II

अभ्यासपत्रिका क्र. ८.२

लोकसाहित्य व लोककला

(Loksahitya Va Lokkala)

उद्दिष्ट्ये :

- मराठी लोककथा, लोककला, लोकनाट्ये यांचा मराठी भाषेच्या संदर्भात परिचय करून घेणे.
- मराठी साहित्यकृतीमधील लोककलांचा आविष्कार आणि प्रयोगरूप यांचा अभ्यास करणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|------------------------------|
| विभाग १ Module 1 | मराठी लोककला – लोकरंगभूमीचे विशेष १. लोकनृत्ये – विधीनाट्य, क्रीडानृत्य २. भक्ताची नृत्ये – गोंधळ, भारूड, दशावतार ३. क्रीडानृत्ये – मंगळागौर, नागपंचमी, लेझीम, गजीनृत्य | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | मराठी लोकनाट्य १. नाट्यात्मक विधी, मुंज, लग्न, काकडआरती, शेजारती २. धार्मिक व उपासना नाट्य – लळीत, जोगवा, कीर्तन, दंडार ३. रंजननाट्य – तमाशा, कळसुत्री बाहुल्या, बहुरूपी | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | मराठी लोककथा १. लोककथांची भारतीय परंपरा २. मौखिककथा, दैवतकथा, प्राणिकथा, दंतकथा ३. लोककथेतील मूलघटक – रचनाबंध व कल्पनाबंध | १५ | १ Human Values |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. ९

समाजभाषाविज्ञान

(Smajbhhashavidnyan)

उद्दिष्ट्ये :

१. समाजभाषाविज्ञानाचे स्वरूप समजजून घेणे.
२. समाजभाषाविज्ञानातील विविध सिद्धांत, संकल्पनांचा परिचय करून घेणे.
३. समाज, संस्कृती आणि भाषा यामधील परस्पर संबंध समजून घेणे.
४. समाजभाषाविज्ञानाची व्याप्ती समजून घेणे.
५. भाषाव्यवहाराची विविधता समजून घेता येईल.
६. भाषासंपर्काचे स्वरूप अभ्यासता येईल.
७. भाषिक नियोजन म्हणजे काय ते समजून घेता येईल.
८. बहुभाषिक देशांतील भाषिक प्रश्नांचा परिचय होईल.
९. भाषिक नियोजनाची उद्दिष्ट्ये जाणून घेता येतील.
१०. भाषाशिक्षणाचे स्वरूप आणि भाषाशिक्षणाच्या विविध बाजूंचा अभ्यास करता येईल.
११. मराठीच्या विविध बोलींचा समाजभाषावैज्ञानिक विचार करता येईल.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|---------------------|
| विभाग १ Module 1 | समाजभाषाविज्ञानाचे स्वरूप आणि व्याप्ती समाजभाषाविज्ञान म्हणजे काय ?, भाषेचा समाजसापेक्ष अभ्यास, समाजभाषाविज्ञान या स्वतंत्र अभ्यासशाखेचा उदय, पायाभूत संकल्पना | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | भाषा, समाज आणि संस्कृती भाषा : सामाजिक संस्था, समाज, भाषा अणि संस्कृतीच्या सहसंबंधाचा विचार | १५ | १ Ethical |

| | | | |
|---------------------|--|----|---------------------|
| विभाग ३ Module 3 | समाजभाषाविज्ञान : परिक्षेत्रे भाषिक भांडार, लघुक्षेत्र, भाषिक प्रभावक्षेत्र, द्वैभाषिकता, बहुभाषिकता, भाषामिश्रण, भाषाबदल, भाषानिषिद्धता, भाषाशुद्धी, लिंगभाषा इत्यादी. | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | भाषा : समाज गट आणि विविधता एका समाजातील लहान मुले, युवक, तरुण, स्त्री, पुरुष, कामगार, विद्यार्थी असे अनेक गट आणि या गटांमधील भाषिक विविधता. | १५ | Human values |

संदर्भग्रंथ

१. भाषा आणि संस्कृती - ना. गो. कालेकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६२.
२. भाषा : इतिहास आणि भूगोल - कालेकर, ना. गो., मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६४.
३. मराठी शब्दसमीक्षा - मु. श्री. कानडे, सन पब्लिकेशन, पुणे, १९८९.
४. निवडक भाषा आणि जीवन- कल्याण काळे आणि मृणालिनी शहा, (संपा.) मेहता पब्लिकेशन, पुणे, १९९८.
५. मराठी भाषेचा आर्थिक संसार - अशोक केळकर, मराठवाडा साहित्यपरिषद, औरंगाबाद, १९७०.
६. मध्यमा : भाषा आणि भाषाव्यवहार - अशोक केळकर, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, १९९६.
७. वैखरी : भाषा आणि भाषाव्यवहार - अशोक केळकर, मॅजेस्टिक प्रकाशन, मुंबई, १९३८.
८. मराठी भाषेचे मूळ - विश्वनाथ खैरे, संमत प्रकाशन, पुणे, १९७९.
९. द्रविड महाराष्ट्र - विश्वनाथ खैरे, साधना प्रकाशन, पुणे, १९७६.
१०. भाषाव्यवहार व भाषाशिक्षण - सुरेन्द्र ग्रामोपाध्ये, (संपा.) कासेगाव एज्युकेशन सोसायटी, कासेगाव, २००६.
११. अभिनव भाषाविज्ञान - गं. ना. जोगळेकर, सुविचार प्रकाशन मंडळ, पुणे, १९८७.
१२. मराठी भाषेचा इतिहास - गं. ना. जोगळेकर, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे, २००५.
१३. सामाजिक भाषाविज्ञान - प्रभाकर जोशी, आणि चारुता गोखले, (संपा.), निराली प्रकाशन, पुणे, १९९९.
१४. सामाजिक भाषाविज्ञान - रमेश धोंगडे, दिलीपराज प्रकाशन, पुणे, २००६.
१५. साहित्याची भाषा - भालचंद्र नेमाडे, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद, १९८९.
१६. सामाजिक भाषाविज्ञान : कक्षा आणि अभ्यास- जयश्री पाटणकर, संदर्भ प्रकाशन, नाशिक, २००५.
१७. ग्रांथिक मराठी भाषा आणि कोकणी बोली - अ. का. प्रियोळकर, पुणे विद्यापीठ, पुणे, १९६६.
१८. भयंकर सुंदर मराठी भाषा - द. दि. पुंडे, मॅजेस्टिक प्रकाशन, मुंबई, २००४.
१९. आधुनिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोजन - मिलिंद मालशे, लोकवाङ्मय गृह, मुंबई, १९९८.
२०. भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक - मालशे-इनामदार-सोमण (संपा.), संजय प्रकाशन, पुणे, १९८२.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. १०.१

वाङ्मयीन संस्कृती

(Vangyamayin Sanskruti)

उद्दिष्ट्ये :

- वाङ्मयीन संस्कृती ही संकल्पना समजून घेणे.
- समाज आणि संस्कृती यातील अनुबंध लक्षात घेणे.
- मौखिक आणि लिखित परंपरेत वाङ्मयीन परंपरेला संघटित करणाऱ्या घटकांचा विचार करणे.
- वाङ्मयीन संस्कृतीचे स्वरूप तपासणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|-------------------------|
| विभाग १ Module 1 | ‘संस्कृती’ संकल्पना स्वरूप संस्कृती व्याख्या संस्कृती संकल्पना, संस्कृतीचे स्वरूप | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | समाज, संस्कृती आणि वाङ्मय यांच्यातील अनुबंध समाज संस्कृती अनुबंध, समाज संस्कृती आणि वाङ्मय यांच्यातील अनुबंध | १५ | Ethical Human Values |
| विभाग ३ Module 3 | वाङ्मयीन संस्कृतीचे घटक (पारंपरिक) मौखिक परंपरा आणि हस्तलिखिते, कथन, पठण आणि श्रवण, सादरीकरण (तमाशा, लळीत, भारूड इ.) प्रेक्षक, श्रोता, निरुपण, कीर्तन, हरदासी परंपरा, वाङ्मयाला धर्म-पंथ आणि राजाश्रय. | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | वाङ्मयीन संस्कृतीचे घटक (आधुनिक) मुद्रणयुग, नियतकालिके, वृत्तपत्रे, पुस्तके, लेखक, प्रकाशक, वाचक, वितरण, समीक्षा, अभिरूची, वाङ्मयीन संस्था, महामंडळे, संमेलने, पुरस्कार, शाळा-महाविद्यालये-विद्यापीठे, इ. माध्यमे | १५ | १ |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. ११

समीक्षा सिद्धांत आणि उपयोजन

(Samiksha Sidhant Ani Upayojan)

उद्दिष्ट्ये :

- १) उपयोजित समीक्षेतील काही समीक्षेचे स्वरूप माहिती करून घेणे.
- २) समाजशास्त्रीय व आदिबंधात्मक समीक्षा या समीक्षाप्रवाहांचा विचार करणे.
- ३) प्रत्यक्ष उपयोजित समीक्षेचे उपयोजन म्हणून निवडक साहित्यकृतींचा विचार करणे.

| विभाग Module | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | उपयोजित समीक्षेचे स्वरूप <ul style="list-style-type: none">■ साहित्यसमीक्षेचे स्वरूप-आधुनिकता आणि समीक्षाप्रवाह■ उपयोजित समीक्षेचे प्रकार-मानसशास्त्रीय, आदिबंधात्मक समाजशास्त्रीय मार्क्सवादी, रुपवादी, संहितालक्षी | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | समाजशास्त्रीय समीक्षा <ul style="list-style-type: none">■ समाजशास्त्रीय समीक्षा-एकोणिसावे शतक, हिप्पोलिन तेनची त्रिसूत्रे■ मराठीतील समाजशास्त्रीय समीक्षा स्वरूप■ उपयोजित साहित्यकृती-धूळमाती (काढंबरी)-कृष्णात खोत | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | आदिबंधात्मक समीक्षा <ul style="list-style-type: none">■ आदिबंधात्मक समीक्षा-मानसशास्त्र आणि आदिबंध-सिगमंड फ्रॉइंड, सी.जे. युंग■ मराठीतील आदिबंधात्मक समीक्षा■ उपयोजित साहित्यकृती-मातीचे पाय (काव्यसंग्रह) रमेश इंगळे | १५ | १ |

Human
Values

| | | | |
|---------------------|---|----|---|
| विभाग ४ Module 4 | मार्क्सवादी समीक्षा <ul style="list-style-type: none"> ■ मार्क्सवादी साहित्यविचार, पाया आणि इमला ■ मराठीतील मार्क्सवादी समीक्षा ■ उपयोजित साहित्यकृती – अवकाळी पावसादरम्यानची गोष्ट (काढंबरी) आनंद विंगकर | १५ | १ |
|---------------------|---|----|---|

**Human
Values**

संदर्भ -

- १) आधुनिक समीक्षा सिद्धांत – मिलिंद मालशे, अशोक जोशी, मौज प्रकाशन, मुंबई आ. २, २०१३.
- २) साहित्यसिद्धांत – अनु. स.ग. मालशे.
- ३) साहित्यशास्त्र स्वरूप आणि समस्या – वसंत पाटणकर, पद्मगंगा प्रकाशन, पुणे, आ. १, २०१५.
- ४) साहित्याचे संदर्भ – हरिशचंद्र थोरात, मौज मुंबई, आ. १, २००५.
- ५) सौंदर्यमीमांसा – रा.भा. पाटणकर, कॉन्टेन्टल पुणे, आ. २, २००६.
- ६) कविता आणि प्रतिमा – सुधीर रसाळ, मौज प्रकाशन, मुंबई.
- ७) वाङ्मयीन वाद : संकल्पना व स्वरूप – संपा. सीताराम रायकर व इतर, मेहता प्रकाशन, आ. १, १९९०.
- ८) नवसमीक्षा : काही प्रवाह – गो.म. कुलकर्णी, मेहता प्रकाशन, पुणे, १९८२.
- ९) समीक्षामीमांसा – गंगाधर गाडगीळ.
- १०) साहित्य आणि समाज – गो.मा. पवार गौरवग्रंथ, संपा. नागनाथ कोतापळे, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, आ. १, २००७.
- ११) साहित्य समाज आणि संस्कृती – दिगंबर पाध्ये, लोकवाङ्मय ग्रह, आ. २.
- १२) साहित्याचा अन्वयार्थ – नागनाथ कोतापळे, मेहता प्रकाशन, आ. १.
- १३) आदिबंधात्मक समीक्षा – म.सु. पाटील, निहारा प्रकाशन.
- १४) साठोत्तरी मराठी कविता – म.सु. पाटील, लोकवाङ्मय गृह प्रकाशन, मुंबई.
- १५) साठोत्तरी मराठी कविता – केशव सद्रे, संपा. लोकवाङ्मय गृह प्रकाशन, मुंबई.
- १६) अवकाळी पावसाच्या निमित्ताने – संपा. सतीश कामत, लोकवाङ्मय गृह प्रकाशन, मुंबई.
- १७) मार्क्सवादी साहित्यविचार – के.रं. शिरवाडकर, कॉन्टेन्टल प्रकाशन, पुणे, १९८०.
- १८) समकालीन मराठी साहित्य : स्वरूप आणि समीक्षा – दत्ता पाटील, नीलेश शेळके (संपा.) अक्षरदालन, कोल्हापूर, २०१८.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM. III

अभ्यासपत्रिका क्र. १२.२

तौलनिक साहित्याभ्यास

(Toulanik Sahityabhyas)

उदिष्ट्ये

- तौलनिक साहित्याभ्यासाची संकल्पना व स्वरूप समजावून घेणे.
- विश्वसाहित्य, राष्ट्रीय साहित्य व सर्वसाधारण साहित्य या संकल्पनांचे परस्परसंबंध अभ्यासणे.
- भारतीय साहित्याबाबतचे विविध दृष्टिकोन अभ्यासणे.
- साहित्याचे वर्गीकरण व साहित्यातील वाद-संप्रदाय यांचा अभ्यास करणे.

| अ.क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|----------------------------------|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | तौलनिक साहित्याभ्यास : संकल्पना व स्वरूप <ul style="list-style-type: none">■ तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या उदयाची पाश्वर्भूमी■ तुलनेची संकल्पना■ मित्शेलचे तुलनेविषयी तीन सिद्धांत■ तेनची त्रिसूत्री | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | तौलनिक साहित्याभ्यासाचे मूलभूत आधार <ul style="list-style-type: none">■ राष्ट्रीय साहित्य, विश्वसाहित्य आणि सर्वसाधारण साहित्य संकल्पना/चर्चा | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | तौलनिक साहित्याभ्यासाची वैशिष्ट्ये <ul style="list-style-type: none">■ तुलना : साहित्याभ्यासाचे साधन■ वाड्मय परंपरा-वाड्मयाचा अभ्यास■ अभिव्यक्ती, सांस्कृतिक-सामाजिक आदान प्रदान | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या दिशा/शोधक्षेत्रे <ul style="list-style-type: none">■ द्वैभाषिक साहित्यकृतींचा अभ्यास■ आशयसूत्रांचा अभ्यास■ वाड्मय प्रकारांचा अभ्यास■ वाड्मयीन कालखंडाचा अभ्यास■ वाड्मय प्रवाह आणि चळवळी यांचा अभ्यास | १५ | १ |

Human Values

संदर्भः

१. तौलनिक साहित्याभ्यास - वसंत बापट, मौज प्रकाशनगृह, मुंबई, १९८१.
२. तौलनिक साहित्य : नवे सिद्धांत आणि उपयोजन - आनंद पाटील, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद, १९९८.
३. तौलनिक साहित्याभ्यास : तत्त्वे व दिशा - संपा. चंद्रशेखर जहागिरदार, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे, १९९२.
४. साहित्यसिद्धांत - रेने वेलेक, अनु. स.ग. मालशे.
५. ब्रिटीश बॉम्बे आणि पोर्टुगीज गोव्यातील वाड्मय - आनंद पाटील, ग्रंथाली प्रकाशन, मुंबई, १९९९.
६. भारतीय साहित्याची संकल्पना (डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर गौरवग्रंथ) - संपा. द.दि. पुंडे, प्रथम प्रकाशन, पुणे.
७. Comparative Literature - Indian Dimensions, Swapna Mujumdar.
८. Comparative Literature - Theory and Practice, Amina Deo, Sisirkumar Das.
९. वाड्मयीन वाद - संपा. सीताराम रायकर, द.दि. पुंडे, मेहता पब्लिकेशन, पुणे, १९९०.
१०. समीक्षेच्या नव्या संकल्पना - मनोहर जाधव. (संपा.), स्वरूप प्रकाशन, औरंगाबाद, २००१.
११. भाषांतरमीमांसा - संपा. कल्याण काळे, अंजली सोमण, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, १९९७.
१२. भाषांतरविद्या - संपा. रमेश वरखेडे.
१३. साहित्यसेतू - श्रीधर रंगनाथ कुलकर्णी.
१४. साहित्यातील संप्रदाय - रा.शं. वाळिंबे, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे, १९५०.
१५. कम्पैरिटिव लिटररी स्टडीज - एस.एस. प्रावर, डकवर्थ (लंडन), १९७३.
१६. तौलनिक साहित्य आणि मध्ययुगीन वाड्मय - र.बा. मंचरकर, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे, २००३.
१७. तुलनात्मक अनुसंधान : अर्थ, तत्त्व, एवं समस्याएँ - ई. मोहनदास, हिंदी साहित्य भांडार, लखनऊ, (चतुर्थ भाग) १९६८.
१८. वाड्मयीन संज्ञा संकल्पना कोश - संपा. प्रभा गणोरकर, वसंत आबाजी डहाके, ग.रा. भटकल फाउंडेशन, मुंबई, २००१.
१९. भारतीय संदर्भात तौलनिक साहित्याभ्यास - गणेश देवी, सौरभ प्रकाशन, कोल्हापूर, १९९२.
२०. तुलनात्मक साहित्य - विश्वनाथ अय्यर, विद्याविहार नई दिल्ली, २००४.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप Pattern of Question paper

Total Marks - 80

| प्रश्न क्रमांक | प्रश्नाचे स्वरूप | गुण |
|----------------|---|-----|
| १ | योग्य पर्याय निवडा | १० |
| २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ३ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ४ | लघुत्तरी प्रश्न (पाच पैकी तीन प्रश्न सोडविणे) | ३० |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. १२.३

बोलीअभ्यास

(Boli Abhyas)

उद्दिष्ट्ये :

- भाषा, बोली आणि समाजाचा परस्परसंबंध अभ्यासणे.
- प्रमाणभाषा आणि बोली स्वरूप, विशेष समजून घेणे.
- बोलीभाषांची निर्मितीप्रक्रिया अभ्यासणे.
- बोलीच्या अभ्यासाचे महत्त्व समजून घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | भाषा, बोली आणि समाज भाषा व बोली यांचे समाजातील स्थान, समाजाशी सहसंबंध, बोलीची समाजविशिष्टता, भाषा व बोलीचे कार्य | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | बोली : स्वरूप, वैशिष्ट्ये प्रमाणभाषा व बोली, बोली म्हणजे काय? बोली आणि प्रमाणभाषेतील फरक, कार्यक्षेत्रे, बोलीभाषांची क्षेत्रविशिष्टता, बोलीभाषेची विविध वैशिष्ट्ये | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | बोलीभाषांची निर्मिती बोलीभाषांची निर्मितीप्रक्रिया, बोलीभाषांमधील परिवर्तनाची प्रक्रिया, सीमा, इतर भाषा-बोलींचा प्रभाव | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | बोली अभ्यासाचे महत्त्व बोलींचे समाजातील बदलते स्थान, बोलींवरील संकटे, बोली अभ्यासाची आवश्यकता | १५ | १ |

संदर्भग्रंथ

१. ध्वनिविचार - ना.गो. कालेलकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९५५.
२. भाषा आणि संस्कृती - ना.गो. कालेलकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६२.
३. भाषा : इतिहास आणि भूगोल - ना.गो. कालेलकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६४.
४. निवडक भाषा आणि जीवन - कल्याण काळे, आणि मृणालिनी शहा, (संपा.) मेहता, पुणे, १९९८.
५. बोलीभाषांचा अभ्यास (लेख) - सु.बा. कुलकर्णी, भाषा व साहित्य संशोधन, खंड पहिला, (संपा. वसंत जोशी), महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे.
६. मराठी भाषा उद्गम आणि विकास - कृ.पा. कुलकर्णी, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, २००९.
७. मराठी भाषेचा आर्थिक संसार - अशोक केळकर, मराठवाडा साहित्य परिषद, औरंगाबाद, १९७७.
८. मध्यमा : भाषा आणि भाषाव्यवहार - अशोक केळकर, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे, १९९६.
९. वैखरी : भाषा आणि भाषाव्यवहार - अशोक केळकर, मॅजेस्टिक, मुंबई, १९८३.
१०. रुजुवात - अशोक केळकर, लोकवाङ्मय गृह, मुंबई, २००८.
११. मराठी भाषेचे मूळ - विश्वनाथ खैरे, संमत प्रकाशन, पुणे, १९७९.
१२. सामाजिक भाषाविज्ञान - प्रभाकर आणि गोखले, चारुता (संपा.), प्रभाकर जोशी, निराली, पुणे, १९९९.
१३. भाषा आणि भाषाविज्ञान - रमेश धोंगडे, दिलीपराज प्रकाशन, पुणे, २००६.
१४. सामाजिक भाषाविज्ञान : कक्षा आणि अभ्यास - जयश्री पाटणकर, संसदर्भ, नाशिक, २००५.
१५. ग्रांथिक मराठी भाषा आणि कोकणी बोली - अ.का. प्रियोळकर, पुणे विद्यापीठ, पुणे, १९६६.
१६. भयंकर सुंदर मराठी भाषा - द.दि. पुंडे, मॅजेस्टिक प्रकाशन, मुंबई, २००४.
१७. साहित्यधारा - श्री.म. माटे, ठोकळ प्रकाशन, पुणे, १९६४.
१८. झाडी बोली - हरिशचंद्र बोरकर.
१९. आधुनिक भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोजन - मिलिंद मालशे, लोकवाङ्मय, मुंबई, १९९८.
२०. भाषाविज्ञान : वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक - मालशे-इनामदार-सोमण, संजय, पुणे, १९८२.

२१. वृद्धी : भाषेचे आणि भाषाभ्यासाचे विकसन – दिनेश द. माहुलकर, राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई, २०००.
२२. भाषाविवेक – मंगोश विठ्ठल राज्याध्यक्ष, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे, १९९७.
२३. भाषा : स्वरूप, सामर्थ्य व सौंदर्य – वामन केशव लेले, राजहंस प्रकाशन, पुणे, २००५.
२४. समाजभाषाविज्ञान प्रमुख संकल्पना – रमेश वरखेडे, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर, २००९.
२५. नागपुरी बोली भाषाशास्त्रीय अभ्यास – वसंत कृष्णा वळाडपांडे, इंदिरा प्रकाशन, नागपूर, १९७२.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question paper

Total Marks – 80

| प्रश्न क्रमांक | प्रश्नाचे स्वरूप | गुण |
|----------------|---|-----|
| १ | योग्य पर्याय निवडा | १० |
| २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ३ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ४ | लघुत्तरी प्रश्न (पाच पैकी तीन प्रश्न सोडविणे) | ३० |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. १२.४

ग्रंथ इतिहास

(Granth Itihas)

उद्दिष्ट्ये :

- ग्रंथ इतिहासाची संकल्पना व स्वरूप समजून घेणे.
- मुद्रणपूर्व मराठीतील ग्रंथव्यवहार अभ्यासणे.
- ग्रंथ इतिहासाच्या विविध पद्धती व दृष्टिकोन यांचा परिचय करवून घेणे.
- हस्तलिखितांच्या संशोधनाचे पद्धतीशास्त्र अभ्यासणे.
- पाठचिकित्साशास्त्राचे महत्त्व व स्वरूप अभ्यासणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | ग्रंथ-इतिहास-संकल्पना व स्वरूप <ul style="list-style-type: none">■ ग्रंथ-इतिहासलेखनाची संकल्पना■ एक सांस्कृतिक उत्पादन म्हणून ग्रंथव्यवहाराचा अभ्यास : ग्रंथांच्या निर्मितीमागील प्रेरणा, त्यांचा प्रसार आणि समाजावरील त्यांचा परिणाम■ ग्रंथ इतिहास- इतिहास, समाजशास्त्र आणि वाड्मयीन समीक्षा या तीन ज्ञानशाखांना स्पर्श करणारे आंतरविद्याशाखीय अभ्यासक्षेत्र■ ग्रंथ-इतिहासलेखनाची विविध अंगे- ग्रंथनिर्मितीच्या प्रेरणा, ग्रंथांचा वाचकवर्ग, प्रकाशनसंस्था, नियतकालिके, ग्रंथालये इत्यादींचे इतिहास, ग्रंथांचे टिकणे आणि नाहीसे होणे, ग्रंथांची मांडणी, मुख्यपृष्ठ, बांधणी इत्यादींचे इतिहास | १५ | १ |

| | | | |
|---------------------|--|----|---|
| विभाग २ Module 2 | मुद्रणपूर्व मराठीतील ग्रंथव्यवहार <ul style="list-style-type: none"> ■ मुद्रणपूर्व काळातील ग्रंथनिर्मितीच्या प्रेरणा : धार्मिक व पंथीय ■ मुद्रणपूर्व काळातील ग्रंथलेखनाचे प्रकार ■ सांकेतिक लिप्या व मोडी लिपी ■ महानुभाव व वारकरी पंथीयांच्या ग्रंथलेखनपद्धती ■ मुद्रणपूर्व मराठीतील ग्रंथांचे लेखन, सजावट, कागदांचे प्रकार, ग्रंथांची बांधणी, ग्रंथांचे वितरण व संवर्धन. | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | हस्तलिखितांचे संशोधन <ul style="list-style-type: none"> ■ मुद्रणपूर्व काळातील हस्तलिखितांचे प्रकार ■ हस्तलिखितांची वैशिष्ट्ये ■ हस्तलिखितांची उपलब्धी, जतन व संवर्धन करण्याचे मार्ग ■ हस्तलिखितांची कालनिश्चिती करण्याच्या कसोट्या ■ संहितांचा संख्याशास्त्रीय अभ्यास करण्याच्या पद्धती | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | पाठचिकित्साशास्त्र <ul style="list-style-type: none"> ■ ‘पाठचिकित्सा’ संकल्पना व स्वरूप ■ पाठचिकित्सा करण्याची आवश्यकता ■ हस्तलिखितांच्या नकला, नकलाकारांकडून होणारे दोष व त्यांचे प्रकार, पाठभेद का निर्माण होतात ■ पाठचिकित्सकाचे कार्य ■ पाठचिकित्सेच्या दोन पद्धती-ज्ञातृनिष्ठ व ज्ञेयनिष्ठ ■ पाठचिकित्साशास्त्राची मार्गदर्शक तत्त्वे ■ पाठचिकित्साशास्त्राची परिभाषा | १५ | १ |

संदर्भग्रंथ

१. मराठी ग्रंथमुद्रणाची वाटचाल – श.गो. तळपुळे.
२. मराठी ग्रंथप्रकाशनाची २०० वर्षे – शारद गोगटे, राजहंस, पुणे २००८.
३. मराठी ग्रंथांचे आदर्श संग्रहालय – अ.का. प्रियोळकर, मुंबई मराठी साहित्य संघ, १९६९.
४. मराठी दोलामुद्रिते – अ.का. प्रियोळकर, आर.आर. गवसकर, मुंबई मराठी साहित्य संग्रहालय, १९६९.
५. आधुनिक मराठी साहित्याची सांस्कृतिक पाश्वर्भूमी – गो.म. कुळकर्णी, मेहता प्रकाशन, पुणे, १९९४.
६. विष्णुपंत भागवत गौरवग्रंथ – भागवत स्मारक समिती, १९८४.
७. सोन्याबापू ढवळे गौरवग्रंथ.
८. सदानन्दयात्रा – सदानन्द भटकळ.

९. किलोस्करीय - मंगेश कशयप.
१०. 'कवितारती' ची वाडमयीन कामगिरी - आशुतोष पाटील.
११. निर्णयसागरची अक्षरसाधना - पु.बा. कुळकर्णी.
१२. मुद्रणपर्व - दीपक घारे.
१३. ग्रंथ, ग्रंथालय - ग्रंथसंस्कृती- प्रदीप कर्णिक.
१४. ग्रंथपुण्यसंपत्ती - प्रदीप कर्णिक.
१५. भारतीय ग्रंथमुद्रण - बापूराव नाईक.
१६. अक्षरनिष्ठांची मांदियाळी - अरुण टिकेकर.
१७. लीळा पुस्तकांच्या - नीतीन रिंडे.
१८. भाषा व साहित्य : संशोधन खंड १, २ व ३ - संपादक-वसंत जोशी, म.सा. परिषद, १९८१.
१९. सूचीची सूची - सु.रा. चुनेकर, मुंबई विद्यापीठ, मराठी विभाग.
२०. ग्रंथसूचीशास्त्र - ना.बा. मराठे (महाराष्ट्र राज्य ग्रंथालय संघ प्रकाशन, मुंबई).
२१. ग्रंथवर्णन आणि ग्रंथसूची - रा.के. लेले (जोशी-लोखंडे प्रकाशन, पुणे), १९८३.
२२. ग्रंथ-सूची-शास्त्र - शंकर गणेश दाते (समाविष्ट-मराठी ग्रंथ सूची, खंड १), पुणे, १९७३.
२३. सूचिसाहित्य - भ.श्री. पंडित ('मराठी संशोधन पत्रिका' वर्ष १९, अंक ४ जुलै, १९७२).
२४. मराठी सूचिकार्याची वाटचाल - शंकर नारायण बर्वे (समाविष्ट- 'ग्रंथालयविचार' (वा.विं. भट गौरवग्रंथ), महाराष्ट्र राज्य ग्रंथालय संघ प्रकाशन, मुंबई)
२५. मराठी भाषा व वाडमयसंशोधन आणि ग्रंथसूची - वसंत विष्णु कुलकर्णी ('साहित्यसूची' जुलै, १९८१).
२६. साधनचिकित्सा व पाठचिकित्सा - अ.का. प्रियोळकर ('दमयंतीस्वयंवर' या ग्रंथाची प्रस्तावना)
२७. पाठनिश्चितीची प्रक्रिया - श्री.ना. बनहट्टी ('महाराष्ट्र साहित्य पत्रिका' डिसेंबर १९६९)
२८. आधुनिक मराठी संहिताचिकित्सा - म.वा. धोंड (मराठी संशोधन मंडळ, मुंबई)
२९. दुर्मिळ अक्षरधन, अविनाश सहस्रबुद्धे.
३०. देवनागरी लिपीचा इतिहास - ल.श्री. वाकणकर, दे.लि. घडण-परांजपे, मराठी संशोधन मंडळ, १९६८.
३१. ग्रंथव्यवहार - अ.ह. लिमये, व्हिनस प्रकाशन, पुणे, १९९२.
३२. मराठी ग्रंथप्रकाशनाचे स्वरूप : प्रेरणा व परंपरा - अ. ह. लिमये.
३३. युरोपीयनांनी केलेली मराठी भाषेची सेवा - श्री.म. पिंगे.
३४. ग्रंथसूचीचा अभ्यास - व.वि. कुलकर्णी (यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठाचे 'संदर्भसेवा आणि संदर्भसाधने' या विषयांतर्गत पाठ्यपुस्तक), १९९६.
३५. मराठी दोलामुद्रिते - संपा. गंगाधर मोरजे.
३६. कोश व सूची वाडमय : स्वरूप आणि साध्य - संपा. सरोजिनी वैद्य, सुषमा पौडवाल, अनिता जोशी, कविता महाजन, राज्य मराठी विकास संस्था, १९९७.
३७. मराठी संशोधनविद्या - उषा देशमुख.

३८. हस्तलिखितांच्या विविध लेखनशैली व प्रकार - सुनिल धीवार ('ज्ञानगंगोत्री' जून-नोव्हें २०१३).
३९. ज्ञानगंगोत्री (मराठी ग्रंथसूचीकार शंकर गणेश दाते जन्मशताब्दी विशेषांक) - जून ते ऑगस्ट २००४.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question paper

Total Marks – 80

| प्रश्न क्रमांक | प्रश्नाचे स्वरूप | गुण |
|----------------|---|-----|
| १ | योग्य पर्याय निवडा | १० |
| २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ३ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ४ | लघुत्तरी प्रश्न (पाच पैकी तीन प्रश्न सोडविणे) | ३० |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र तीन / SEM.III

अभ्यासपत्रिका क्र. १२.५

ग्रंथप्रकाशन आणि संपादन

(Granth Prakashan Aani Sampadan)

उद्दिष्ट्ये :

- ग्रंथ प्रकाशनाचे स्वरूप ध्यानात घेणे.
- ग्रंथप्रकाशन, ग्रंथव्यवहार व प्रकाशनसंस्कृती याविषयी माहिती घेणे.
- ग्रंथनिर्मितीतील बारकावे समजून घेणे.
- तसेच मुद्रणप्रक्रिया व त्यामध्ये होत असलेले बदल ध्यानात घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | ग्रंथनिर्मिती व्यवहाराचे स्वरूप प्रकाशन व्यवहार- घटकस्वरूप - कार्ये - मुद्रणप्रत - मुद्रितशोधन - मुख्यपृष्ठ - मांडणी - मुद्रण - वितरक - स्वामित्व हक्क - लेखक करार - ग्रंथनोंदणी - आवृत्ती - पुनर्मुद्रण. | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | मुद्रणपूर्व संस्करण प्रक्रिया हस्तलिखित शोध - डिटीपी - मुख्यपृष्ठ - सजावट - मांडणी - मुद्रणप्रक्रिया | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | ग्रंथरचना प्रक्रिया कागदस्वरूप - ग्रंथकार - मुद्रणपद्धती - बांधणी - टंकनिश्चिती (फॉन्ट) | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | ग्रंथवितरण विक्रेताप्रकार - वितरणव्यवस्था - ग्रंथालय - वाचक - जाहिरात - समीक्षा - आवृत्ती - प्रोमो | १५ | १ |

संदर्भग्रंथ

१. संपादन कला आणि शास्त्र - शुभदा धारकर, व्ही.एस. धारकर प्रकाशन, औरंगाबाद, १९८५.
२. ग्रंथव्यवहार - अ.ह. लिमये, व्हीनस प्रकाशन, पुणे, १९५२.
३. प्रकाशनविश्व - मोहन वसंत वैद्य, प्रकाशन विश्व, पुणे, २००९.
४. ग्रंथ आणि ग्रंथालय - अ.ना. साठे, किताबमिनार प्रकाशन, पुणे.
५. ग्रंथालय आणि माहितीशास्त्र - वि.वि. कुलकर्णी, पिंपळापुरे बुक डिस्ट्रीब्युटर्स, नागपूर, १९७४.
६. ग्रंथालय शासन - वि.वि. कुलकर्णी, सुविचार प्रकाशन, नागपूर, १९७४.
७. हस्तलिखितांची वर्णनात्मक नामावली - सुरेंद्र गावस्कर, मराठी संशोधन मंडळ, मुंबई, १९७२.
८. भावे प्रयोग, अ.ह. भावे.
९. मराठी ग्रंथप्रकाशनाची दोनशे वर्षे - शरद गोगटे, राजहंस प्रकाशन, पुणे, २००८.
१०. पॉय्युलरचे अंतरंग - किशोर आरास, (संपा.) ग्रंथाली प्रकाशन, मुंबई, २०१५.
११. श्री. पु. भागवत व्यक्ती आणि वाङ्मय - वासंती इनामदार, (संपा.)
१२. विष्णुपंत भागवत - वि.पि. भागवत स्मारक समिती, १९८४.
१३. मुद्रणपर्व - दीपक घारे.
१४. सदानन्दयात्रा - सदानन्द भटकळ.
१५. ग्रंथव्यवहार - अ.ह. लिमये.
१६. मराठी ग्रंथप्रकाशनाचे स्वरूप व परंपरा - ह.अ. भावे.
१७. मराठी प्रकाशनव्यवसाय परिचय - शरद गोगटे.
१८. पॉय्युलर रीतिपुस्तक - मृदुला जोशी आणि रामदास भटकळ, हर्ष प्रकाशन, मुंबई, २०१५.
१९. मुद्रणप्रवेश - शं.रा. दाते, लोकसंग्रह कारखाना, पुणे, १९३७.
२०. मुद्रण व्यवस्थापन - व्ही.जी. देवकुळे, पुणे, १९५६.
२१. भाषिक सर्जन आणि उपयोजन - गवस राजन, शिंदे अरुण, पाटभल गोमटेश, दर्या प्रकाशन, पुणे, २०१२.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question paper

Total Marks - 80

| प्रश्न क्रमांक | प्रश्नाचे स्वरूप | गुण |
|----------------|---|-----|
| १ | योग्य पर्याय निवडा | १० |
| २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ३ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ४ | लघुत्तरी प्रश्न (पाच पैकी तीन प्रश्न सोडविणे) | ३० |

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM.IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १३

समाजभाषाविज्ञान

(Samajbhashavidnyan)

उद्दिष्ट्ये :

१२. समाजभाषाविज्ञानाचे स्वरूप समजजून घेणे.
१३. समाजभाषाविज्ञानातील विविध सिद्धांत, संकल्पनांचा परिचय करून घेणे.
१४. समाज, संस्कृती आणि भाषा यामधील परस्पर संबंध समजून घेणे.
१५. समाजभाषाविज्ञानाची व्याप्ती समजून घेणे.
१६. भाषाव्यवहाराची विविधता समजून घेता येईल.
१७. भाषासंपर्कचे स्वरूप अभ्यासता येईल.
१८. भाषिक नियोजन म्हणजे काय ते समजून घेता येईल.
१९. बहुभाषिक देशातील भाषिक प्रश्नांचा परिचय होईल.
२०. भाषिक नियोजनाची उद्दिष्ट्ये जाणून घेता येतील.
२१. भाषाशिक्षणाचे स्वरूप आणि भाषाशिक्षणाच्या विविध बाजूंचा अभ्यास करता येईल.
२२. मराठीच्या विविध बोलींचा समाजभाषावैज्ञानिक विचार करता येईल.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | भाषाव्यवहार आणि भाषासंपर्क भाषिक समाज, समाजातील विविध सामाजिक गट आणि भाषाव्यवहार, भाषासंपर्काची विविधता, व्यक्तिबोली संपर्क, शेजार भाषासंपर्क, परकीय भाषासंपर्क | १५ | १ |

| | | | |
|---------------------|--|----|------------------------------|
| विभाग २ Module 2 | भाषानियोजन आणि भाषाशिक्षण बहुभाषिकता, समाजाचे भाषिक प्रश्न, भाषिक सवयी, शब्दसंग्रह, भाषेचे सामाजिक स्थान, भाषा जतन, भाषिक नियोजनाच्या पायऱ्या, भाषाविकास, भाषा शिक्षणाचे माध्यम, स्वभाषा शिक्षण, आदिवासी आणि इतर मागास समाजगटांचे भाषाशिक्षण | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | समाजभाषाविज्ञान आणि इतर अभ्यासशाखा समाजभाषाविज्ञान आणि समाजशास्त्र, समाजभाषाविज्ञान आणि मानववंशशास्त्र, समाजभाषाविज्ञान आणि संस्कृतीविज्ञान | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | समाजभाषाविज्ञान आणि मराठीच्या प्रमुख बोली बोली आणि समाज, बोली भूगोल, बोलीभाषांची निर्मिती, बोलींच्या क्षेत्रमर्यादा, सामाजिक बोलीविज्ञान, अहिराणी, कोकणी, वन्हाडी आणि चंदगडी बोली | १५ | १ Human Values |

संदर्भग्रंथ

- भाषा आणि संस्कृती – ना. गो. कालेकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६२.
- भाषा : इतिहास आणि भूगोल – कालेकर, ना. गो., मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६४.
- मराठी शब्दसमीक्षा – मु. श्री. कानडे, सन पब्लिकेशन, पुणे, १९८९.
- निवडक भाषा आणि जीवन – कल्याण काळे, आणि मृणालिनी शहा, (संपा.) मेहता पब्लिकेशन पुणे, १९९८.
- मराठी भाषेचा आर्थिक संसार – अशोक केळकर, मराठवाडा साहित्यपरिषद, औरंगाबाद, १९७०.
- मध्यमा : भाषा आणि भाषाव्यवहार – अशोक केळकर, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, १९९६.
- वैखरी : भाषा आणि भाषाव्यवहार – अशोक केळकर, मॅजेस्टिक प्रकाशन, १९३८.
- मराठी भाषेचे मूळ- विश्वनाथ खैरे, संमत प्रकाशन, पुणे, १९७९.
- द्रविण महाराष्ट्र – विश्वनाथ खैरे, साधना प्रकाशन, पुणे, १९७६.
- भाषाव्यवहार व भाषाशिक्षण – सुरेन्द्र ग्रामोपाध्ये, (संपा.)कासेगाव एज्युकेशन सोसायटी, कासेगाव, २००६.
- अभिनव भाषाविज्ञान – गं. ना. जोगळेकर, सुविचार प्रकाशन मंडळ, पुणे, १९८७.
- मराठी भाषेचा इतिहास – गं. ना. जोगळेकर, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे, २००५.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM.IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १४.१

वाङ्मयीन संस्कृती

(Vangmayin Sanskruti)

उद्दिष्ट्ये :

- १) वाङ्मयीन अभिरूचीचा वाङ्मयीन संस्कृतीवर कसा प्रभाव पडतो हे तपासणे.
- २) कोणत्याही काळात समाज प्रबोधनासाठी वाङ्मयीन संस्कृती कशाप्रकारे कारणीभूत ठरते याचा विचार करणे.
- ३) वाङ्मयीन संस्कृतीचे स्वरूप तपासणे.
- ४) वाङ्मयीन संस्कृती बदलांमध्ये परिणाम करणाऱ्या वेगवेगळ्या घटकांचा विचार करणे

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching House | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | वाङ्मयीन अभिरूची रूची-अभिरूची, नागर आणि ग्रामीण अभिरूची, विविध समूहांच्या, प्रदेशांच्या अभिरूची लेखक व वाचकांची अभिरूची यांच्यातील आदान-प्रदान, अभिरूची संपर्क | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | वाङ्मयीन संस्कृती संघर्ष अभिजन-बहुजन संस्कृती संघर्ष, भाषाशुद्धी व वाङ्मयशुद्धीबदलाच्या कल्पना, वाद श्लीलअश्लीलतेसंबंधीचे वाद, (भाऊ पाध्ये व बा.सी. मर्टेकर)अभिव्यक्ती स्वातंत्र्यावरील निर्बंध व त्याविरुद्धचा संघर्ष. (घाशीराम कोतवाल व गांधी मला भेटला) या साहित्यकृतीवरून झालेला वाद) साहित्य संस्थांच्या पातळीवरील | १५ | १ |

Gender
Issues

| | | | |
|---------------------|---|----|---|
| | सांस्कृतिक राजकारण | | |
| विभाग ३ Module 3 | <p>सामाजिक प्रबोधनासाठी वाड्मयीन संस्कृतीचे योगदान</p> <p>सत्यशोधकी साहित्य-जलसे, आंबेडकरी जलसे, मेळे, संयुक्त महाराष्ट्र चळवळीतील वाड्मयीन आविष्कार, पथनाट्ये, वैचारिक प्रबोधनात्मक निबंधवाड्मय व नियतकालिके</p> | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | <p>मराठी वाड्मयीन संस्कृतीची स्थित्यंतरे</p> <p>मराठी साहित्य संमेलनांमधील परिवर्तने वाड्मयबाबू घटकांची वाड्मयीन संस्कृतीवर आक्रमणे</p> <p>मराठी ग्रंथव्यवहाराचा प्रवास, वाड्मयीन संस्कृतीतील लेखकाची प्रतिमा</p> | १५ | १ |

Human
Values

संदर्भ

१. प्रबोधनातील पाऊलखुणा - गं. बा. सरदार, (संपा.), निर्मलकुमार फडकुले, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.
२. वाड्मय संस्कृती - सुधीर रसाळ, मौज प्रकाशन गृह, पुणे.
३. मराठी वाड्मयाभिरुचीचे विहंगमावलोकन - रा. श्री. जोग, पुणे विद्यापीठ, कै. न.चि. केळकर स्मारक व्याख्यानमाला, ऑक्टो. १९५९.
४. अभिरुची : ग्रामीण आणि नागर - गो. म. कुलकर्णी, प्रकाशक प्र.ल. करंबळेकर, १९७६.
५. साहित्यमूल्ये व अभिरुची - गो. मा. पवार, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद, १९९४.
६. गो. मा. पवार गौरवग्रंथ 'साहित्य आणि समाज' - संपा. नागनाथ कोत्तापल्ले, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे २००७.
७. मराठी साहित्य : इतिहास आणि संस्कृती - वसंत आबाजी डहाके, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.
८. साहित्य संमेलनाच्या मांडवाखालून - कौतिकराव ठाले पाटील, शब्द पब्लिकेशन.
९. एका स्वागताध्यक्षाची डायरी - उत्तम कांबळे, लोकवाड्मय गृह, मुंबई.
१०. एका संमेलनाअध्यक्षाची डायरी - उत्तम कांबळे, लोकवाड्मय गृह, मुंबई.
११. नवकाव्यातील दुर्बोधता - रा. श्री. जोग
१२. शतकांची विचारशैली खंड १ ते ४ - रमेश धोंगडे, दिलीपराज प्रकाशन प्रा.लि. पुणे.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM. IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १६.२

तौलनिक साहित्याभ्यास

(Toulnik Sahityabhyas)

उद्दिष्ट्ये :

१. तौलनिक साहित्याभ्यासातील विविध संप्रदायांचा परिचय करून घेणे.
२. वाङ्मयीन प्रभव आणि प्रभाव या संकल्पनांचा अभ्यास करणे.
३. जागतिकीकरण, देशीवाद यांचा तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या दृष्टिकोनातून विचार करणे.
४. संस्कृती अभ्यास आणि तौलनिक साहित्याभ्यास यांच्यातील अनुबंध तपासणे.

| अ.क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | तौलनिक साहित्याभ्यास – विविध संप्रदाय अभिजातवाद, सौंदर्यवाद, वास्तववाद, आधुनिकवाद आणि पाश्चात्य तुलनात्मक विचार | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | वाङ्मयीन प्रभाव (उदगम) प्राक्कथा, लोकविद्या, मानसशास्त्रीय, आदिबंध, अनुकरण, परंपरा व नूतनीकरण | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | वाङ्मयीन प्रभाव स्वरूप, प्रभावांचे प्रकार, संबंध, संप्रेषण, स्वागत, मध्यस्थ | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | तौलनिक साहित्याभ्यासाचे महत्त्व जागतिकीकरण आणि देशीवाद संस्कृतिअभ्यास यांच्या संदर्भात तौलनिक साहित्याभ्यासाचे स्वरूप व महत्त्व | १५ | १ |

Ethical Values

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI
Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM.IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १६.५

ग्रंथप्रकाशन आणि संपादन

(Granth Prakashan Aani Sampadan)

उद्दिष्ट्ये :

१. संपादन प्रक्रियेचे स्वरूप समजून घेणे.
२. संपादन प्रक्रियेचा हेतू, उद्दिष्ट आणि प्रकार यांची माहिती घेणे.
३. संपादन प्रक्रियेतील आशय व भाषिक संपादन ध्यानात घेणे.

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|---|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | संपादन : स्वरूप आणि संकल्पना संपादनाची संकल्पना, स्वरूप, संपादन हेतू - प्रेरणा - विविधता - संपादनापूर्वीची पथ्ये - संपादकाची कार्ये आणि भूमिका. | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | संहिता संपादन पद्धती आशयसंपादन विषयविवेचन - आशयसंपादन - स्पष्टता - नेमकेपणा - वाड्मयीन लेखनप्रकारांचे संपादन वाड्मयेत्तर लेखनप्रकारांचे संपादन भाषिक संपादन भाषिक वाचनाची सूक्ष्मता - शब्दयोजना - शीर्षक - उपशीर्षके - परिच्छेद. अंतिम मुद्रणप्रत, अक्षररेखांकन, मुख्यपृष्ठ रेखांकन - मांडणी आराखडा, ग्रंथशीर्षक रेखांकन, रेखाचित्रे. | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | ललित साहित्याचे संपादन कथात्म साहित्य - कविता - नाटक - ललितलेखन | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | ललितेतर साहित्याचे संपादन वैचारिक वाड्मय, माहितीपर गौरवग्रंथ, स्मरणिका, दुर्मिळ हस्तलिखिते, अहवाल लेखन, वाड्मयेतिहास, कोशवाड्मय, रोजनिशी संपादन. | १५ | १ |

संदर्भग्रंथ

१. मराठी रीतिपुस्तक - मृदुला जोशी, हर्ष प्रकाशन, मुंबई, २०१५.
२. लीळाचरित्र वाद संपादने - स्नेहा म्हांबरे.
३. मराठी लेखकोश, अरुण फडके - अंकुर प्रकाशन, ठाणे, २००८.
४. देवनागरी लिपीची घडण - क.रा. परांजपे, मराठी सत्यशोधक मंडळ, मुंबई, १९६८.
५. देवनागरी लिपी स्वरूप, विकास और समस्याएँ - एन.सी. जोगळेकर, बी. तिवारी, हिंदी साहित्य भांडार, लखनौ, १९७४.
६. मराठी लेखन मार्गदर्शिका - यास्मिन शेख, प्रका. राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई, १९९७.
७. संपादक आणि संपादकीय - एकनाथ पोतदार, कौस्तुभ प्रकाशन, नागपूर, १९९१.
८. कोशवाङ्मय विचार आणि व्यवहार - सदाशिव देव, डायमंड प्रकाशन, पुणे, १९१४.
९. कोशविज्ञान - सुमित मंगेश कत्रे, केंद्रिय हिन्दी संस्थान, आग्रा, १९८०.
१०. मुद्रणपूर्व - दीपक घारे.
११. देवनागरी - बापूराव नाईक.
१२. सदानन्दयात्रा - सदानन्द भटकळ.
१३. भाषिक सर्जन आणि उपयोजन - राजन गवस, अरुण शिंदे, गोमटेश्वर पाटील, दर्या प्रकाशन, पुणे, २०१२.

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

Pattern of Question paper

Total Marks - 80

| प्रश्न क्रमांक | प्रश्नाचे स्वरूप | गुण |
|----------------|---|-----|
| १ | योग्य पर्याय निवडा | १० |
| २ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ३ | अंतर्गत विकल्पासह दीर्घोत्तरी प्रश्न | २० |
| ४ | लघुतरी प्रश्न (पाच पैकी तीन प्रश्न सोडविणे) | ३० |

एम.ए. भाग १ व २ साठी अंतर्गत मूल्यमापनासाठी २० (वीस) गुणांसाठी

खालील उपक्रम राबवावेत

| | | |
|-------------|---|---|
| एम.ए. भाग १ | = | सत्र १ सेमीनार (गोषवारा सादर करणे बंधनकारक) |
| | | सत्र २ ग्रंथपरीक्षण / समीक्षा लेखन / अभ्यास, सहल वृत्तांत इ. |
| एम.ए. भाग २ | = | सत्र ३ शोधनिबंध (अभ्यासपत्रिकानुषंगाने किमान दहा पृष्ठांचा असावा) |
| | | सत्र ४ संशोधन प्रकल्प (१० ते १५ पृष्ठांचा असावा. प्रत्येक विद्यार्थ्यास बंधनकारक) |

| | | | |
|---------------------|--|----|---|
| विभाग २ Module 2 | भाषानियोजन आणि भाषाशिक्षण बहुभाषिकता, समाजाचे भाषिक प्रश्न, भाषिक सवयी, शब्दसंग्रह, भाषेचे सामाजिक स्थान, भाषा जतन, भाषिक नियोजनाच्या पायऱ्या, भाषाविकास, भाषा शिक्षणाचे माध्यम, स्वभाषा शिक्षण, आदिवासी आणि इतर मागास समाजगटांचे भाषाशिक्षण | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | समाजभाषाविज्ञान आणि इतर अभ्यासशाखा समाजभाषाविज्ञान आणि समाजशास्त्र, समाजभाषाविज्ञान आणि मानववंशशास्त्र, समाजभाषाविज्ञान आणि संस्कृतीविज्ञान | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | समाजभाषाविज्ञान आणि मराठीच्या प्रमुख बोली बोली आणि समाज, बोली भूगोल, बोलीभाषांची निर्मिती, बोलींच्या क्षेत्रमर्यादा, सामाजिक बोलीविज्ञान, अहिराणी, कोकणी, वन्हाडी आणि चंदगडी बोली | १५ | १ |

Human
Values

संदर्भग्रंथ

- भाषा आणि संस्कृती – ना. गो. कालेकर, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६२.
- भाषा : इतिहास आणि भूगोल – कालेकर, ना. गो., मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, १९६४.
- मराठी शब्दसमीक्षा – मु. श्री. कानडे, सन पब्लिकेशन, पुणे, १९८९.
- निवडक भाषा आणि जीवन – कल्याण काळे, आणि मृणालिनी शहा, (संपा.) मेहता पब्लिकेशन पुणे, १९९८.
- मराठी भाषेचा आर्थिक संसार – अशोक केळकर, मराठवाडा साहित्यपरिषद, औरंगाबाद, १९७०.
- मध्यमा : भाषा आणि भाषाव्यवहार – अशोक केळकर, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, १९९६.
- वैखरी : भाषा आणि भाषाव्यवहार – अशोक केळकर, मॅजेस्टिक प्रकाशन, १९३८.
- मराठी भाषेचे मूळ- विश्वनाथ खैरे, संमत प्रकाशन, पुणे, १९७९.
- द्रविण महाराष्ट्र – विश्वनाथ खैरे, साधना प्रकाशन, पुणे, १९७६.
- भाषाव्यवहार व भाषाशिक्षण – सुरेन्द्र ग्रामोपाध्ये, (संपा.)कासेगाव एज्युकेशन सोसायटी, कासेगाव, २००६.
- अभिनव भाषाविज्ञान – गं. ना. जोगळेकर, सुविचार प्रकाशन मंडळ, पुणे, १९८७.
- मराठी भाषेचा इतिहास – गं. ना. जोगळेकर, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे, २००५.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM.IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १४.१

वाङ्मयीन संस्कृती

(Vangmayin Sanskruti)

उद्दिष्ट्ये :

- १) वाङ्मयीन अभिरूचीचा वाङ्मयीन संस्कृतीवर कसा प्रभाव पडतो हे तपासणे.
- २) कोणत्याही काळात समाज प्रबोधनासाठी वाङ्मयीन संस्कृती कशाप्रकारे कारणीभूत ठरते याचा विचार करणे.
- ३) वाङ्मयीन संस्कृतीचे स्वरूप तपासणे.
- ४) वाङ्मयीन संस्कृती बदलांमध्ये परिणाम करणाऱ्या वेगवेगळ्या घटकांचा विचार करणे

| अ. क्र. Sr.No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching House | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | वाङ्मयीन अभिरूची रूची-अभिरूची, नागर आणि ग्रामीण अभिरूची, विविध समूहांच्या, प्रदेशांच्या अभिरूची लेखक व वाचकांची अभिरूची यांच्यातील आदान-प्रदान, अभिरूची संपर्क | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | वाङ्मयीन संस्कृती संघर्ष अभिजन-बहुजन संस्कृती संघर्ष, भाषाशुद्धी व वाङ्मयशुद्धीबदलाच्या कल्पना, वाद श्लीलअश्लीलतेसंबंधीचे वाद, (भाऊ पाध्ये व बा.सी. मर्टेकर)अभिव्यक्ती स्वातंत्र्यावरील निर्बंध व त्याविरुद्धचा संघर्ष. (घाशीराम कोतवाल व गांधी मला भेटला) या साहित्यकृतीवरून झालेला वाद) साहित्य संस्थांच्या पातळीवरील | १५ | १ |

Gender
Issues

| | | | |
|---------------------|--|----|---|
| | सांस्कृतिक राजकारण | | |
| विभाग ३ Module 3 | सामाजिक प्रबोधनासाठी वाड्मयीन संस्कृतीचे योगदान सत्यशोधकी साहित्य-जलसे, आंबेडकरी जलसे, मेळे, संयुक्त महाराष्ट्र चळवळीतील वाड्मयीन आविष्कार, पथनाट्ये, वैचारिक प्रबोधनात्मक निबंधवाड्मय व नियतकालिके | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | मराठी वाड्मयीन संस्कृतीची स्थित्यंतरे मराठी साहित्य संमेलनांमधील परिवर्तीने वाड्मयबाबू घटकांची वाड्मयीन संस्कृतीवर आक्रमणे मराठी ग्रंथव्यवहाराचा प्रवास, वाड्मयीन संस्कृतीतील लेखकाची प्रतिमा | १५ | १ |

**Human
Values**

संदर्भ

१. प्रबोधनातील पाऊलखुणा - गं. बा. सरदार, (संपा.), निर्मलकुमार फडकुले, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.
२. वाड्मय संस्कृती - सुधीर रसाळ, मौज प्रकाशन गृह, पुणे.
३. मराठी वाड्मयाभिरुचीचे विहंगमावलोकन - रा. श्री. जोग, पुणे विद्यापीठ, कै. न.चि. केळकर स्मारक व्याख्यानमाला, ऑक्टो. १९५९.
४. अभिरुची : ग्रामीण आणि नागर - गो. म. कुलकर्णी, प्रकाशक प्र.ल. करंबळेकर, १९७६.
५. साहित्यमूल्ये व अभिरुची - गो. मा. पवार, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद, १९९४.
६. गो. मा. पवार गौरवग्रंथ 'साहित्य आणि समाज' - संपा. नागनाथ कोत्तापल्ले, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे २००७.
७. मराठी साहित्य : इतिहास आणि संस्कृती - वसंत आबाजी डहाके, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.
८. साहित्य संमेलनाच्या मांडवाखालून - कौतिकराव ठाले पाटील, शब्द पब्लिकेशन.
९. एका स्वागताध्यक्षाची डायरी - उत्तम कांबळे, लोकवाड्मय गृह, मुंबई.
१०. एका संमेलनाअध्यक्षाची डायरी - उत्तम कांबळे, लोकवाड्मय गृह, मुंबई.
११. नवकाव्यातील दुर्बोधता - रा. श्री. जोग
१२. शतकांची विचारशैली खंड १ ते ४ - रमेश धोंगडे, दिलीपराज प्रकाशन प्रा.लि. पुणे.

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

Shivaji University, Kolhapur

एम.ए.भाग २ / Class M.A.II

अभ्यासक्रम / Syllabus

Board of Studies in MARATHI Choice Based Credit System

June 2018 onwards

सत्र चौथे / SEM. IV

अभ्यासपत्रिका क्र. १६.२

तौलनिक साहित्याभ्यास

(Toulnik Sahityabhyas)

उद्दिष्ट्ये :

१. तौलनिक साहित्याभ्यासातील विविध संप्रदायांचा परिचय करून घेणे.
२. वाङ्मयीन प्रभव आणि प्रभाव या संकल्पनांचा अभ्यास करणे.
३. जागतिकीकरण, देशीवाद यांचा तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या दृष्टिकोनातून विचार करणे.
४. संस्कृती अभ्यास आणि तौलनिक साहित्याभ्यास यांच्यातील अनुबंध तपासणे.

| अ.क्र. Sr. No. | घटक Topic | अध्यापन तासिका Teaching Hours | श्रेयांक Credit |
|---------------------|--|--|--------------------|
| विभाग १ Module 1 | तौलनिक साहित्याभ्यास-विविध संप्रदाय अभिजातवाद, सौंदर्यवाद, वास्तववाद, आधुनिकवाद आणि पाश्चात्य तुलनात्मक विचार | १५ | १ |
| विभाग २ Module 2 | वाङ्मयीन प्रभाव (उद्गम) प्राक्कथा, लोकविद्या, मानसशास्त्रीय, आदिबंध, अनुकरण, परंपरा व नूतनीकरण | १५ | १ |
| विभाग ३ Module 3 | वाङ्मयीन प्रभाव स्वरूप, प्रभावांचे प्रकार, संबंध, संप्रेषण, स्वागत, मध्यस्थ | १५ | १ |
| विभाग ४ Module 4 | तौलनिक साहित्याभ्यासाचे महत्त्व जागतिकीकरण आणि देशीवाद संस्कृतिअभ्यास यांच्या संदर्भात तौलनिक साहित्याभ्यासाचे स्वरूप व महत्त्व | १५ | १ |

Human
Values



Shivaji University, Kolhapur

Department of Chemistry

M.Sc. Part-II Chemistry Syllabus as Per New CBCS PATTERN

(Inorganic, Organic, Physical and Analytical)

To be implemented from June- 2020-2021

Applicable for University Department and Affiliated Colleges PG Center

M. Sc. Part - II (Inorganic Chemistry)

Semester III

| | Course code | Paper No. | | Title of course | |
|------------------|--------------------|------------------|------------|---|-------------------|
| CGPA Non-CGPA | CC-301 | IX | ICH 3.1 | Inorganic Chemical Spectroscopy | Compulsory course |
| | CCS-302 | X | ICH 3.2 | Coordination Chemistry - I | Compulsory course |
| | CCS-303 | XI | ICH 3.3 | Nuclear Chemistry | Compulsory course |
| | DSE-304(A) | XII(A) | ICH 3.4(A) | Organometallic and Bioinorganic Chemistry | Choose any one |
| | DSE-304(B) | XII(B) | ICH 3.4(B) | Selected Topics in Inorganic Chemistry | Choose any one |
| | CCPR-305 | | ICHP 3.1 | Practical -III | Compulsory course |
| | AEC-306 | | | | |
| | EC(SWMMOOC)-307 | | | | |

Semester IV

| | Course code | Paper No. | | Title of course | |
|----------|--------------------|------------------|------------|------------------------------------|-------------------|
| CGPA | CC-401 | XIII | ICH 4.1 | Instrumental Techniques | Compulsory course |
| | CCS-402 | XIV | ICH 4.2 | Coordination Chemistry II | Compulsory course |
| | CCS-403 | XV | ICH 4.3 | Chemistry of Inorganic Materials | Compulsory course |
| | DSE-404(A) | XVI(A) | ICH 4.4(A) | Energy and Environmental Chemistry | Choose any one |
| | DSE-404(B) | XVI(B) | ICH 4.4(B) | Radiation Chemistry | Choose any one |
| | CCPR-405 | | ICHP 4.1 | Practical -IV | Compulsory course |
| Non-CGPA | SEC-406 | | | | |
| | GE-407 | | | | |

Paper No. -XVI(A), ICH 4.4(A) : Energy and Environmental Chemistry

Environment and Sustainability

Unit I: Energy Conversion Devices
Hrs.

Fuel Cells: Working of Fuel Cells, Types of fuel cells, Current capabilities/uses, Fuel cell stacks and systems, Hydrogen as a fuel,

Production of hydrogen: Electrolysis, Thermochemical Processes, Steam Reformer Processes, Water Gas Processes, Bosch Process, Biosynthesis and Photochemical Processes, Coal Gasification, Steam Iron Process, Partial Oxidation Processes. Storage, Transport, and Handling of Hydrogen

UNIT II: Energy Storage Devices
Hrs.

Environment and Sustainability

Batteries

Li-ion batteries: Principle of operation, Battery components and design, Electrode materials (LiCoO_2 , LiNiO_2 , $\text{LiNi}_{1/3}\text{Mn}_{1/3}\text{Co}_{1/3}\text{O}_2$, LiMn_2O_4 , LiFePO_4 , graphitic carbon) their synthesis and characterization, Theoretical capacity, Energy density, power density, cycle life, Electrode and battery fabrication, Battery modules and packs, Li-polymer batteries and applications, Electrolytes for Li-ion batteries, All solid state batteries. Future developments and beyond lithium batteries: Li-S battery, Li-Air battery, Advanced lead-acid batteries, Sodium-battery, Magnesium battery, Aluminum battery, Silicon battery, Battery Recycling Technologies.

UNIT III:

A) Waste Treatment
Hrs.

Environment and Sustainability

Electronic waste recycling programs, E-waste - non-recycling impacts, Materials Used in Manufacturing Electrical and Electronic Products,

Solid Waste Management: Gas to Energy projects, Incandescent vs. compact fluorescent lightbulbs, Value-added Material Recovery, Cost effective treatment of refractory organics,

B) **Air and Water Pollution control** 7 Hrs.

Control of NO_xSO_x and particulate pollution, Sewage and industrial waste water treatment, water softening, municipal water purification

UNIT-IV

Environment and Sustainability

A) **Monitoring, sampling and Analysis of Air and water pollutants** 8 Hrs.

Methods of monitoring and sampling of gaseous, liquid and solid pollutants, analysis of CO, CO₂, NO₂, SO₂, H₂S, analysis of toxic heavy metals, Cd, Cr, Hg, As, Pb, analysis of anions SO₄²⁻, PO₄³⁻, NO₃⁻, estimation of COD and BOD

B) **Techniques in Environmental Analysis** 7 Hrs.

ND-IR Spectroscopy, FTIR, AAS, ICP-AES, GC, GC-MS, HPLC, Anodic stripping voltammetry with case studies

Reference Books:

- 1) Lithium ion Batteries: Basics and Applications, R. Korthauer, Springer
- 2) Lithium ion Batteries: Fundamentals and applications,
Yuping Wu, CRC Press, Taylor & Francis group
- 3) Lithium ion batteries: Materials, Technology and new
applications, K. Ozawa, Wiley
- 4) 30 Years of Lithium-Ion Batteries, Advanced Materials, M.
Li et al., Vol 30, issue33, 2018, 1800561
- 5) Fuel Cell Fundamentals, R. O'Hayre, et al., John Wiley & Sons, 2016
- 6) George Techobanoglou et al, "Integrated Solid Waste
Management" McGraw - Hill, 1993.
- 7) Environmental Chemistry, H. Kaur, PragatiPrakashan, 10th edition 2016.
- 8) Environmental Pollution, A. K. De

Shivaji University, Kolhapur



“ A ” Re-accredited By NAAC
(2014) with CGPA-3.16

New Syllabus For B.Sc. Part III

**MICROBIOLOGY
CBCS PATTERN**

Syllabus to be implemented from June 2020

1) Structure and Titles of Papers of B.Sc. III Course:

| SEMESTER VI | |
|----------------------------|----------------------------------|
| Course IX (DSEE49) | Virology |
| Course X (DSEE50) | Immunology |
| Course XI (DSEE51) | Food and Industrial Microbiology |
| Course XII (DSEE52) | Agricultural Microbiology |

| SEMESTER VI | |
|-----------------------------|-----------------------------------|
| Course XIII (DSEF49) | Microbial Genetics |
| Course XIV (DSEF50) | Microbial Biochemistry |
| Course XV (DSEF51) | Environmental Microbiology |
| Course XVI (DSEF52) | Medical Microbiology |

COURSE X DSEF51: ENVIRONMENTAL

MICROBIOLOGY

Environment and Sustainability

(Credit-2, Total Lectures-45)

UNIT-I / CREDITI
-22

Lectures

1) General characteristics of waste-

- a) Liquid waste -pH, electrical conductivity, COD, BOD, total solids, total dissolved solids, total suspended solids, total volatile solids, chlorides, sulphates, oil & grease.
- b) Solid waste-Ph, electrical conductivity, total volatile solids, ash.
- c) Standards as per MPCB.

2) Sewage Microbiology

- a) Physico - chemical and Biological characteristics
- b) Treatment
 - i) Biological treatment: Trickling filter, Activated sludge process, Oxidation ponds,
 - Anaerobic digestion, Septic tank, Root zone technology
 - ii) Chemical treatment -Chlorination

3) Characteristics and treatment of waste generated by

- a) Sugar Industry
 - b) Distillery
 - c) Dairy Industry
 - d) Hospital
- 4) Eutrophication
- a) Classification of lakes
 - b) Sources
 - c) Consequences
 - d) Control

UNIT-II/CREDIT Lectures-23

- 1) Biological safety in laboratory
 - a) Good Laboratory Practices
 - b) Bio safety levels (BSL)
- 2) Environmental monitoring **Environment and Sustainability**
 - a) Definition and purpose
 - b) Cleanroom classification
 - c) Routine Environmental monitoring programme in pharmaceutical industries-Air monitoring, Surface monitoring and Personnel monitoring.
 - d) Bioburden test
- 3) Environmental Impact Assessment - Concept and Brief introduction
- 4) Bioremediation and Bioleaching
 - a) Bioremediation
 - i) Definition
 - ii) Types
 - iii) Applications.
 - b) Bioleaching
 - i) Introduction
 - ii) Microorganisms involved
 - iii) Chemistry of Microbial leaching
 - iv) Laboratory scale and pilot scale leaching
 - v) In situ leaching-Slope, heap
 - vi) Leaching of Copper and Uranium

Books Recommended:

1. Environmental Pollution by Chemicals- Walker, Hulchison.
2. Biochemistry and Microbiology of Pollution- Higgins and Burns.
3. Environmental Pollution- Laurent Hodge, Holt.

4. Waste Water Treatment - Datta and Rao (Oxford and IBH)
5. Sewage and waste treatment-Hammer
6. Pollution-Kudesia, Pragati Prakashan Meerat.
7. Environment Chemical Hazards-Ram Kumar (Swarup and Sons, New Delhi).
8. Environment and Metal Pollution-Khan (ABD Pub. Jaipur).
9. Environment Pollution-Timmy Katyal (Satke Anmol Pub.New Delhi).
10. Ecology of Polluted Water-Vol.II- Anand Kumar (AphPub.Co.New Delhi).
11. Environment Pollution and
Management of waste waters by
Microbial Techniques-Pathade and
Goel (ABD Pub. Jaipur).
12. Current Topicsin Environmental Sciences-Tripathiand Pandey(ABD
Pub.Jaipur).
13. Environmental Impact Assessment-R. K. Trivedy
14. Microbial Limit and BioburdenTests,2nd edition-LuciaClontz (CRCPress)

Shivaji University, Kolhapur



“ A ” Re-accredited By NAAC
(2014) with CGPA-3.16

New Syllabus For Bachelor of Science BOTANY

SEMESTER -V: Paper –IX, X, XI, XII

SEMESTER -VI: Paper – XIII XIV, XV, XVI

Syllabus to be implemented from June 2015

| Old Syllabus (Semester pattern) | | | New Syllabus (Semester pattern) | | |
|---------------------------------|-----------|--|---------------------------------|-----------|---|
| Semester No. | Paper No. | Title of Old Paper | Semester No. | Paper No. | Title of New Paper |
| V | IX | Biology of Cryptogams. | V | IX | Biology of Non Vascular Plants and Palaeobotany |
| | X | Microbiology and Plant Pathology | | X | Genetics and Analytical Techniques in Plant Science |
| | XI | Gymnosperms & Palaeobotany | | XI | Fundamentals of Plant Physiology and Ecology |
| | XII | Angiosperms and Environmental Biology | | XII | Plant Biochemistry |
| VI | XIII | Genetics | VI | XIII | Biology of Vascular Plants |
| | XIV | Microbial Genetics, Plant Breeding and Biostatistics | | XIV | Microbiology and Plant Pathology |
| | XV | Plant Biochemistry | | XV | Plant breeding, Biostatistics, Ethnobotany and Horticulture |
| | XVI | Molecular biology and Biotechnology | | XVI | Molecular Biology and Biotechnology |

**B. Sc. Part III / Semester V Botany
Paper - XI**

Fundamentals of Plant Physiology and Ecology

Unit-1: Mineral nutrition and Nitrogen Metabolism 10

Sub Unit 1.1 Mineral nutrient uptake

- A) Passive uptake - Diffusion.
- B) Active uptake - Carrier Concept.

Sub Unit 1.2 Role of minerals - Criteria of essentiality of elements. Role, Deficiency

Symptoms and disorders of macro nutrients (P, K, Ca, Mg) and micro nutrients (Fe, Mn) in plants and its recovery.

Sub Unit 1.3 Nitrogen metabolism

- a) Introduction b) Biological nitrogen fixation c) Reduction of N₂ to NH₃
- d) Nitrate reduction e) Ammonia assimilation f) *nif* genes.

Unit 2. Photosynthesis and Respiration 12

Sub Unit 2.1 Photosynthesis -

- a) Introduction, Photosynthetic pigments and their role.
- b) Light dependent reactions: Photosystems - reaction center complexes, Photolysis of water, Electron transport and photophosphorylation.
- c) Light independent reactions [Dark reactions]: Calvin cycle, C₄ cycle and CAM pathways.
- d) Significance of photosynthesis. e) Photorespiration and its significance.

Sub Unit 2.2 Respiration- a) Introduction. b) Types of respiration b) Glycolysis.

- d) Decarboxylation - conversion of pyruvate to acetyl CoA.
- e) TCA cycle. f) ETS in mitochondria.

Unit 3. Population ecology 08

Sub Unit 3.1 Concept of Population.

Environment and Sustainability

Sub Unit 3.2 Density. Natality and Mortality.

Sub Unit 3.3 Limiting (regulatory) factors of population -Abiotic factors: Nutrients, and moisture .Biotic factors - Competition and density.

Unit 4. Ecosystem 10

Sub Unit 4.1 Introduction.

Environment and Sustainability

Sub Unit 4.2 Types and components of ecosystems.

Sub Unit 4.3 Dynamics of ecosystem-Food chain, Trophic levels, foodweb, ecological Pyramids, energy flow[Box and Pipe Model].

Sub Unit 4.4 Phases and types of Biogeochemical cycle. Hydrobiological (water) cycle, Nitrogen cycle, Phosphorus cycle.

Shivaji University, Kolhapur
Second year undergraduate compulsory course in
ENVIRONMENTAL STUDIES

Syllabus

1. **Nature of Environmental Studies.** (4 lectures)

Environment and Sustainability

Definition, scope and importance.

Multidisciplinary nature of environmental studies
Need for public awareness.

2. **Natural Resources and Associated Problems.** (4 lectures)

Environment and Sustainability

- a) Forest resources: Use and over-exploitation, deforestation, dams and their effects on forests and tribal people.
- b) Water resources: Use and over-utilization of surface and ground water, floods, drought, conflicts over water, dams benefits and problems.
- c) Mineral resources: Usage and exploitation. Environmental effects of extracting and using mineral resources.
- d) Food resources: World food problem, changes caused by agriculture effect of modern agriculture, fertilizer-pesticide problems.
- e) Energy resources: Growing energy needs, renewable and non-renewable energy resources, use of alternate energy sources. Solar energy, Biomass energy, Nuclear energy.
- f) Land resources: Solar energy , Biomass energy, Nuclear energy, Land as a resource, land degradation, man induced landslides, soil erosion and desertification.

Role of an individuals in conservation of natural resources.

3. **Ecosystems** (6 lectures)

Concept of an ecosystem.

Structure and function of an ecosystem.

Producers, consumers and decomposers. Energy flow in the ecosystem.

Environment and Sustainability

Ecological succession.

Food chains, food webs and ecological pyramids.

Introduction, types, characteristics features, structure and function of the following ecosystem :-

- a) Forest ecosystem, b) Grassland ecosystem, c) Desert ecosystem,
- d) Aquatic ecosystems (ponds, streams, lakes, rivers, oceans, estuaries).

4. **Biodiversity and its conservation** (6 lectures)

Environment and Sustainability

Introduction- Definition: genetic, species and ecosystem diversity.

Bio-geographical classification of India.

Value of biodiversity: consumptive use, productive use, social, ethical,

aesthetic and option values.

India as a mega- diversity nation. Western Ghat as a biodiversity region. Hot-spot of biodiversity.

Threats to biodiversity habitat loss, poaching of wildlife, man-wildlife conflicts.

Endangered and endemic species of India.

Conservation of biodiversity: In-situ and Ex-situ conservation of

5. **Environmental Pollution** (6 lectures)

Environment and Sustainability

Definition: Causes, effects and control measures of: Air pollution, Water pollution, soil pollution, Marine pollution, Noise pollution, Thermal pollution, Nuclear hazards.

Solid waste Management: Causes, effects and control measures of urban and industrial wastes. Role of a individual in prevention of pollution.

6. **Social Issues and the Environment**

(8 lectures)

Environment and Sustainability

Disaster management: floods, earthquake, cyclone, tsunami and landslides.

Urban problems related to energy

Water conservation, rain water harvesting, watershed management

Resettlement and rehabilitation of people; its problems and concerns.

Environmental ethics: Issue and possible solutions.

Global warming, acid rain, ozone layer depletion, nuclear accidents and holocaust.

Wasteland reclamation. Consumerism and waste products.

7. **Environmental Protection** (8 lectures)

Environment and Sustainability

From Unsustainable to Sustainable development.

Environmental Protection Act.

Air (Prevention and Control of Pollution) Act. Water (Prevention and control of Pollution) Act. Wildlife Protection Act.

Forest Conservation Act.

Population Growth and Human Health, Human Rights.

8. **Field Work** (10 lectures)

Visit to a local area to document environmental assets- River/Forest/Grassland/Hill/Mountain.

or

Visit to a local polluted site - Urban / Rural / Industrial /Agricultural.

or

Study of common plants, insects, birds.

or

Study of simple ecosystems - ponds, river, hill slopes, etc.

REVISED SYLLABUS OF B. A. III SOCIOLOGY

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester – V, DSE – E69 - SOCIOLOGY – X

HUMAN RIGHTS

HUMAN VALUES

(June 2020 onwards)

A) OBJECTIVES:-

1. To Provide the conceptual understanding about the human rights.
2. To understand the nature and role of Human Rights in India.
3. To understand violation of Human Rights in India.

B) Course Learning Outcomes:

After completion of program students will able to-

- 1)Conceptual understanding about the Human Rights
- 2)Identify issues and problems relating to the realization of human rights
- 3)Understand the nature & role of human rights in India
- 4) Contribute to the resolution of human rights issues and problems
- 5)Educate the society about the human rights and duties in order to create responsible citizenry

C) Course Content:

| | Topic and Sub- Topic | Teaching Hours | Credits |
|--------------------|---|-------------------------------|------------------------------|
| Model - I | HUMAN RIGHTS A) Meaning and Characteristics of Human Rights B) History of Human Rights in India (Ancient Period to After Independent Period) C) Perspectives of Human Rights. (Sociological Perspective and Modern Perspectives -Jeromi J.Shestoak) | HUMAN VALUES 15 | HUMAN VALUES 1 |
| Model - II | UNITED NATIONS ORGANIZATIONS AND HUMAN RIGHTS A)Universal Declaration of Human Rights,1948 B)International Covenant on Economic ,Social and cultural Rights,1966 C) International Covenant on civil and Political Rights,1966 | HUMAN VALUES 15 | HUMAN VALUES 1 |
| Model - III | HUMAN RIGHTS IN INDIA A) Indian Constitutions and Human Rights B) National Human Rights Commission in India (Structure and Role) C) Function of National Scheduled Castes and Scheduled Tribe commission in India | HUMAN VALUES 15 | HUMAN VALUES 1 |
| Model - IV | VIOLATION OF HUMAN RIGHTS IN INDIA A)Human Trafficking B)Mob Lynching C)Honor Killing | HUMAN VALUES 15 | HUMAN VALUES 1 |

D) Teaching-Learning Process:

Teaching learning process in this paper has to be interactive and reflective as majority of students are more often disinterested in questions concerning the human rights. Teachers should encourage students to read the daily newspaper and peruse electronic journals which would animate the conceptual and analytical aspects of the course with real sociological Perspective events from the students' immediate contexts. Use of audio-visual resources, mainly documentaries will be made an integral part of learning in this course.

E) Assessment Methods:

Assessment in this paper will be in the form of written assignments, book reviews, film reviews, class presentations, projects, and class test, Seminar .

F) Keywords:

Human Rights, Castes ,Tribe ,Political Rights, Violation ,Human Trafficking

Moab Lynching, Honor Killing

S

NOTE: 1) Visit to Old Age Home, Orphanage, etc

G) REFFRENCE :

| | |
|--------------------------|---|
| Anthony M.J | Social action through courts ,ISI ,New Delhi ,1997. |
| Bhatia K.L | Law and social change Towards 21st Century, Deep and Deep ,New Delhi ,1994 |
| Bose A.B | Social Security for the old myth and reality ,Center for Public& Governance Institute of applied Manpower Research by Concept Pub. Company .New Delhi,2006 |
| Crampton Helen M. | Social welfare :Institution and Process,Random and Keiser Kenneth K. House Inc ,New York,1970 |
| | Social Policy and Social Development in India |
| Kulkarni P.D | Social Policy and social Development in India,ASSWI,Madras,1979 |
| Pathak s. | Social;An Evolutionary and Development Perspective,Welfare McMillan ,Delhi,1981. |
| Patil | The Economics of Social Welfare in India, Somayya, Bombay,1978 |

Shivaji University, Kolhapur
Second year undergraduate compulsory course in
ENVIRONMENTAL STUDIES

Syllabus

1. **Nature of Environmental Studies.** (4 lectures)
Environment and Sustainability

Definition, scope and importance.
Multidisciplinary nature of environmental studies
Need for public awareness.
2. **Natural Resources and Associated Problems.** (4 lectures)
Environment and Sustainability
 - a) Forest resources: Use and over-exploitation, deforestation, dams and their effects on forests and tribal people.
 - b) Water resources: Use and over-utilization of surface and ground water, floods, drought, conflicts over water, dams benefits and problems.
 - c) Mineral resources: Usage and exploitation. Environmental effects of extracting and using mineral resources.
 - d) Food resources: World food problem, changes caused by agriculture effect of modern agriculture, fertilizer-pesticide problems.
 - e) Energy resources: Growing energy needs, renewable and non-renewable energy resources, use of alternate energy sources. Solar energy, Biomass energy, Nuclear energy.
 - f) Land resources: Solar energy , Biomass energy, Nuclear energy, Land as a resource, land degradation, man induced landslides, soil erosion and desertification.

Role of an individuals in conservation of natural resources.
3. **Ecosystems** (6 lectures)
Environment and Sustainability

Concept of an ecosystem.
Structure and function of an ecosystem.
Producers, consumers and decomposers. Energy flow in the ecosystem.
Ecological succession.
Food chains, food webs and ecological pyramids.
Introduction, types, characteristics features, structure and function of the following ecosystem :-
a) Forest ecosystem, b) Grassland ecosystem, c) Desert ecosystem,
d) Aquatic ecosystems (ponds, streams, lakes, rivers, oceans, estuaries).
4. **Biodiversity and its conservation** (6 lectures)
Environment and Sustainability

Introduction- Definition: genetic, species and ecosystem diversity.
Bio-geographical classification of India.

Value of biodiversity: consumptive use, productive use, social, ethical, aesthetic and option values.

India as a mega- diversity nation. Western Ghat as a biodiversity region. Hot-spot of biodiversity.

Threats to biodiversity habitat loss, poaching of wildlife, man-wildlife conflicts.

Endangered and endemic species of India.

Conservation of biodiversity: In-situ and Ex-situ conservation of

5. **Environmental Pollution** (6 lectures)

Environment and Sustainability

Definition: Causes, effects and control measures of: Air pollution, Water pollution, soil pollution, Marine pollution, Noise pollution, Thermal pollution, Nuclear hazards.

Solid waste Management: Causes, effects and control measures of urban and industrial wastes. Role of an individual in prevention of pollution.

6. **Social Issues and the Environment**

(8 lectures)

Environment and Sustainability

Disaster management: floods, earthquake, cyclone, tsunami and landslides.

Urban problems related to energy

Water conservation, rain water harvesting, watershed management

Resettlement and rehabilitation of people; its problems and concerns.

Environmental ethics: Issue and possible solutions.

Global warming, acid rain, ozone layer depletion, nuclear accidents and holocaust.

Wasteland reclamation. Consumerism and waste products.

7. **Environmental Protection** (8 lectures)

Environment and Sustainability

From Unsustainable to Sustainable development.

Environmental Protection Act.

Air (Prevention and Control of Pollution) Act. Water (Prevention and control of Pollution) Act. Wildlife Protection Act.

Forest Conservation Act.

Population Growth and Human Health, Human Rights.

8. **Field Work** (10 lectures)

Visit to a local area to document environmental assets- River/Rainforest/Grassland/Hill/Mountain.

or

Visit to a local polluted site - Urban / Rural / Industrial /Agricultural.

or

Study of common plants, insects, birds.

or

Study of simple ecosystems - ponds, river, hill slopes, etc.

References :

- 1) Agarwal, K.C.2001, Environmental Biology, Nidi Pub. Ltd., Bikaner.
- 2) Bharucha Erach, The Biodiversity of India, Mapin Publishing Pvt. Ltd., Ahmedabad 380013, India, Email:mapin@icenet.net (R)
- 3) Brunner R.C.,1989, Hazardous Waste Incineration, McGraw Hill Inc. 480p
- 4) Clank R.S. Marine Pollution, Clanderson Press Oxford (TB)
- 5) Cunningham, W.P. Cooper, T.H.Gorhani, E. & Hepworth, M.T.2001, Environmental Encyclopedia, Jaico Pub. Mumbai, 1196p
- 6) De A.K., Environmental Chemistry, Wiley Western Ltd.
- 7) Down to Earth , Centre for Science and Environment , New Delhi.(R)
- 8) Gleick, H.,1993, Water in crisis, Pacific Institute for studies in Dev., Environment & Security. Stockholm Env. Institute. Oxford Univ. Press 473p
- 9) Hawkins R.E., Encyclopedia of Indian Natural History, Bombay NaturalHistory Society, Bombay (R)
- 10) Heywood, V.H.& Watson, R.T.1995, Global Biodiversity Assessment, Cmbridge Univ. Press 1140p.
- 11) Jadhav, H.and Bhosale, V.M.1995, Environmental Protection and Laws, Himalaya Pub. House, Delhi 284p.
- 12) Mickinney, M.L.and School. R.M.1196, Environmental ScienceSystems and Solutions, Web enhanced edition, 639p.
- 13) Miller T.G. Jr., Environmental Science. Wadsworth Publications Co. (TB).
- 14) Odum, E.P.1971, Fundamentals of Ecology, W.B.Saunders Co. USA,574p.
- 15) Rao M.N.and Datta, A.K.1987, Waste Water Treatment, Oxford & IBHPlbl. Co. Pvt. Ltd., 345p
- 16) Sharma B.K., 2001, Environmental Chemistry, Gokel Plbl. Hkouse,Meerut
- 17) Survey of the Environment, The Hindu (M)
- 18) Townsend C., Harper, J. and Michael Begon, Essentials of Ecology, Blackwell Science (TB)
- 19) Trivedi R.K. Handbook of Environmental Laws, Rules, Guidelines, Compliances and Standards, vol. I and II, Environmental Media (R)
- 20) Trivedi R.K. and P.K. Goel, Introduction to air pollution, Techno-Science Publications (TB)
- 21) Wagner K.D.,1998, Environmental management, W.B. Saunders Co. Philadelphia, USA 499p.
- 22) Paryavarshastra - Gholap T.N.
- 23) Paryavarshastra - Gharapure

(M) Magazine

(R) Reference (TB) Textbook

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.



Estd. 1962

NAAC "A++" Grade

Faculty of Commerce and Management

Syllabus For

BBA Part III (Sem V & VI) (CBCS)

(To be implemented from June 2021 onwards)

(Subject to the modifications that will be made from time to time)

Shivaji University, Kolhapur
BBA-III Sem-V & VI
Syllabus

| B.B.A. Part-III Sem-VI BUSINESS ETHICS CC C5 | | Professional Ethics |
|---|--|----------------------------|
| Course Objectives | 1. To familiarize students with values and ethics in business. 2. To motivate students to think and behave ethically in all situations of life. | |
| Course Outcomes: Students will be able to | 1. Apply those skills to the real and current challenges of Business and professions. 2. Differentiate between ethical and unethical behavior of Managers, employers and employees. 3. Adopt ethical practices in their field of work and life. | |
| Unit – I | Concept of Ethics , Nature and Characteristics of Business Ethics, Ethical Principles, Process of Ethical Judgment , Doctrine of Karma, Causes of Unethical Behaviour , Work Ethics, Code of conduct for Business Organizations. Ethical Decision Making | 15 Hours |
| Unit – II | Ethical theories: Rights Theories, Justice Theories, Utilitarianism, The Virtue Approach, The Common Good Approach. Gandhian approach to business and ethics. Indian Philosophy of ethics and work life: Indian ethos for work life, Indian values for the work place. Values of Indian Managers | 15 Hours |
| Unit – III | Ethical Dilemma , Resolution of ethical dilemma, Fostering ethics, Whistle blowing concept and policy, Corruption, Bribery. Ethical Issues in Global Business. Ethics in Business and Political, cultural and religious values of society. | 15 Hours |
| Unit - IV | Ethical Issues related with Advertisement and Marketing; Secular versus Spiritual Values in Management, Ethics in Human Resource Management, Ethical financial practices in organizations. Social media, ethics and Privacy paradox. Case studies like Cambridge Analytica , Corporate Frauds in India like Kingfisher airlines, PNB and other similar cases. | 15 Hours |